THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

गोगोई बोले-सीएम हिमंता असम के जिन्ना

गुवाहाटी, 18 फरवरी (एजेंसियां)। असम कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई ने असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा और कांग्रेस छोड़कर भाजपा जॉइन करने जा रहे भूपेन कुमार बोरा पर कमेंट किया है। उन्होंने बुधवार को गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- हिमंता ने बोरा को कांग्रेस का आखिरी हिंदू नेता बताया है। हिमंता 'असम के जिन्ना' हैं, उन्हें नेताओं को 'हिंदू सर्टिफिकेट' देना बंद करना चाहिए। गोगोई ने ये भी कहा- भाजपा में शामिल होने वाले नेता अपनी पार्टी के लिए गैरजरूरी हो जाते हैं। ऐसा ही हाल असम कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा का होगा, जो 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे।

वर्ष-30 अंक : 324 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.2, **2082 गुरुवार, 19 फरवरी-2026**

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर* **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

सुंदर पिचाई ने पीएम मोदी से मुलाकात की

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने आज यानी 18 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसकी तस्वीरें शेयर करते हुए पीएम ने कहा कि हमने भारत में एआई के क्षेत्र में हो रहे काम और गूगल कैसे हमारे युवाओं के साथ काम कर सकता है, इस पर विस्तार से चर्चा की। समिट के इतर हुई इन बैठकों का उद्देश्य एआई में भारत की लीडरशिप को मजबूत करना और द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करना है।

पिचाई 'ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में हिस्सा लेने के लिए भारत आए हैं। 20 फरवरी को वे इस समिट में की-नोट एड्रेस (मुख्य भाषण) देंगे।

स्पेन और फिनलैंड के साथ भविष्य की तकनीक पर बात

प्रधानमंत्री ने फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो और स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं।

फिनलैंड: दोनों देशों ने आपसी व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इसमें 6G, क्लीन एनर्जी, बायोफ्यूल और सर्कुलर इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

स्पेन: 2026 को भारत-स्पेन 'संस्कृति, पर्यटन और एआई वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। रक्षा, सुरक्षा और टेक्नोलॉजी में संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति बनी है।

पीएम से मिलने से मिलने के बाद समिट मे शामिल हुए पिचाई

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद सुंदर पिचाई इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में शामिल हुए। यहां उन्होंने कहा कि जल्द ही आप अपने फोन के कैमरे और आवाज का इस्तेमाल करके रियल-टाइम में किसी भी चीज को अपनी भाषा में सर्च कर पाएंगे।

सुंदर पिचई के भाषण की 5 सबसे बड़ी बातें

70,000 करोड़ रुपये का निवेश: भारत और अमेरिका के बीच समुद्र के नीचे सीधी 'इंटरनेट केबल' बिछाई जाएगी, जिससे एआई और डेटा की रफ्तार कई गुना बढ़ जाएगी।

2 करोड़ कर्मचारियों को ट्रेनिंग: गूगल 'कर्मयोगी भारत' मिशन के तहत 800 जिलों के सरकारी कर्मचारियों को 18 भाषाओं में एआई इस्तेमाल करने की ट्रेनिंग देगा।

'सर्च लाइट' टूल: भारतीय यूजर्स के लिए नया फीचर आ रहा है, जिससे वे अपनी लोकल भाषा में सिर्फ बोलकर या कैमरे के जरिए फोटो खींचकर जानकारी सर्च कर सकेंगे। 1.1 करोड़ छात्रों को कोडिंग: गूगल 10,000 स्कूलों के बच्चों को कोडिंग और रोबोटिक्स सिखाएगा; साथ ही युवाओं के लिए हिंदी-अंग्रेजी में 'एआई सर्टिफिकेट प्रोग्राम' शुरू होगा।

एआई समिट में शामिल होंगे गूगल सीईओ

साझेदारी पर चर्चा : पीएम मोदी

'चीनी प्रोडक्ट दिखाए गए, एआई समिट बना पीआर का तमाशा'

राहुल का मोदी सरकार पर वार, चीनी रोबोट डॉग पर मचा है घमासान

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' 2026 को सिर्फ पीआर (प्रचार) का तमाशा बताया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने गलगोटिया यूनिवर्सिटी द्वारा 'चीनी रोबोटिक डॉग' को प्रदर्शित किए जाने के बाद हुए बवाल के बाद केंद्र सरकार पर यह आरोप लगाया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भारत की प्रतिभा और डेटा का इस्तेमाल करने के बजाय, एआई शिखर सम्मेलन अव्यवस्थित तरीके से पीआर का तमाशा बन गया है।

भारतीय डेटा बिक्री के लिए उपलब्ध है और चीनी उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है।' वहीं कांग्रेस ने पोस्ट किया, 'मोदी सरकार ने देश की छवि को अपूर्णीय क्षति पहुंचाई है, उन्होंने एआई को मजाक बनाकर रख दिया है। यह एक ऐसा सेक्टर है जिसमें हम अपनी डेटा पावर को देखते हुए विश्व के अगुवा बन सकते हैं।'बता दें कि गलगोटिया विश्वविद्यालय ने दिल्ली में चल रहे 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' 2026 में 350 करोड़ रुपये के एआई प्रोजेक्ट और एक 'रोबोटिक डॉग' का प्रदर्शन किया।

खबरों के अनुसार, 'ओरायन' नाम का यह रोबोट एक चीनी कंपनी ने बनाया था जिसके कारण विवाद खड़ा हो गया। और अब विवाद के बीच गलगोटिया विश्वविद्यालय को अपना स्टॉल तुरंत खाली करने के लिए कह दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, विश्वविद्यालय से तुरंत प्रदर्शनी स्थल छोड़ने को कहा गया। आलोचकों का कहना था कि यह विश्वविद्यालय का स्वदेशी इनोवेशन नहीं है बल्कि चीन में बना एक रोबोट है। इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए गलगोटिया विश्वविद्यालय की प्रोफेसर नेहा सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'यह विवाद इसलिए खड़ा हुआ क्योंकि शायद बातों को स्पष्ट रूप से व्यक्त नहीं किया गया।

> स्पेन और फिनलैंड के राष्ट्राध्यक्ष से मिले पीएम मोदी

'भारत-यूरोप के विश्वास और वैश्विक कार्यबल का सेतु'

> यूरोपियन लीगल गेटवे ऑफिस की शुरुआत पर जयशंकर ने कहा

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारत में यूरोपियन लीगल गेटवे ऑफिस के लॉन्च पर बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दोनों देशों के संबंध समेत कई मुद्दों पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि हम वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं।

जयशंकर ने बताया कि जोखिम कम करना अब एक बड़ी प्राथमिकता बन गई है, सप्लाई चेन का ढांचा बदला जा रहा है और तकनीक ने काम करने के तरीके बदल दिए हैं। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जनसांख्यिकी में भी बड़े बदलाव आ रहे हैं और अब वैश्विक कार्यबल का विचार तेजी से सामने आ रहा है। जयशंकर ने कहा कि ऐसे देश जो प्रतिभा के प्रवाह को अवसरों के साथ जोड़ सकें और इसमें कानून, पारदर्शिता और निष्पक्षता का ध्यान रखें, वे इस बदलाव का सबसे अच्छा फायदा उठा पाएंगे। उन्होंने एआई इम्पैक्ट समिट के बारे में कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य एआई की क्षमता को समझना था, जो सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ा सकती है और विभाजन को कम कर सकती है और बड़े स्तर पर समाधान दे सकती है।

जयशंकर ने यूरोपीय लीगल गेटवे का दिया उदाहरण

इस दौरान जयशंकर ने यूरोप के लिए भारत का यूरोपीय लीगल गेटवे ऑफिस भी इसके उदाहरण के तौर पर बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ यूरोप में प्रवेश का जरिया नहीं है, बल्कि यह हमारे समाजों के बीच एक सेतु है, विश्वास का प्रतीक है और एक साझा, कुशल, गतिशील और मजबूत वैश्विक कार्यबल में निवेश है।

एम्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से होगा मरीजों का इलाज

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। देश के सबसे प्रतिष्ठित अस्पताल एम्स में अब मरीजों के इलाज में एआई का उपयोग होगा। यहां मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों को भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से मरीजों का इलाज करने की ट्रेनिंग दी जाएगी। एआई के उपयोग से स्वास्थ्य को लेकर हो रही रिसर्च में तेजी आने और मरीजों का इलाज बेहतर होने की संभावना जताई जा रही है। एआई समिट में भारत के दौरे पर आए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बधवार को इसकी शुरुआत की।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों बुधवार को एम्स पहुंचे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने उनका औपचारिक स्वागत किया। इसके बाद मैक्रों ने यहां छात्रों से लंबी बातचीत की। उन्होंने कहा कि फ्रांस भारी संख्या में भारतीय छात्रों को अपने यहां आने देना चाहता है।

एआई समिट में भारत ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को घोषणा की कि भारत ने 24 घंटे में एआई जिम्मेदारी अभियान के लिए सबसे अधिक संकल्प प्राप्त करने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत ने 16–17 फरवरी 2026 के 24 घंटे की अवधि में कुल 2,50,946 वैध संकल्प प्राप्त कर यह खिताब अपने नाम किया। आईटी मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि यह देशव्यापी 'एआई रिस्पॉन्सिबिलिटी प्लेज (एआई जिम्मेदारी संकल्प)' अभियान 16 फरवरी को इंडिया एआई मिशन के तहत इंटेल इंडिया के सहयोग से शुरू किया गया था, जिसके तहत नागरिकों को एआईप्लेज .इंडियाएआई. गव.इन पोर्टल के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नैतिक, समावेशी और जिम्मेदार उपयोग का संकल्प लेने के लिए आमंत्रित किया गया। इस उपलब्धि की घोषणा भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के दौरान की गई, जहां गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के निर्णायक ने आधिकारिक रूप से इस रिकॉर्ड की पुष्टि की।

640 करोड़ रुपये का साइबर घोटाला : सुप्रीम कोर्ट ने सीए की अग्रिम जमानत याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 640 करोड़ रुपये के साइबर घोटाले से जुड़े मामले में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) को अग्रिम जमानत देने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। जस्टिस एमएम सुंदरेश और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा जिसमें सीए भास्कर यादव को अग्रिम जमानत देने से मना कर दिया गया था और उन्हें 10 दिनों में सरेंडर करने का निर्देश दिया गया था। हाई कोर्ट ने 2 फरवरी को यादव और अशोक कुमार शर्मा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थीं। फैसले में हाई कोर्ट ने कहा था कि यह मनी लॉन्ड्रिंग का एक पेचीदा जाल है, और ईडी द्वारा दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की जरूरत गलत नहीं है। अदालत ने कहा, 'यह सिर्फ क्रिप्टोकरेंसी में डील करने का मामला नहीं है।

योग्य मतदाताओं को शामिल करना ही उद्देश्य

> एसआईआर पर बोले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार

गुवाहाटी, 18 फरवरी (एजेंसियां)। असम में चल रही विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्पष्ट किया है कि इसका एकमात्र उद्देश्य योग्य मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करना और अयोग्य लोगों को बाहर करना है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियमों के तहत की गई है।

असम के प्रमुख त्योहार बीहू को ध्यान में रखते हुए चुनाव कार्यक्रम तय किया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्पष्ट किया है कि समीक्षा बैठकों के दौरान मिले सभी सुझावों और प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार करने के बाद ही मतदान की तारीखों का अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग राज्य की सांस्कृतिक और सामाजिक परिस्थितियों को समझते हुए फैसला करता है, ताकि त्योहारों और महत्वपूर्ण आयोजनों के दौरान मतदाताओं को किसी तरह की असुविधा न हो। ज्ञानेश कुमार के मुताबिक, आयोग की प्राथमिकता स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुचारु चुनाव कराना है, लेकिन इसके साथ ही स्थानीय परंपराओं और जनभावनाओं का सम्मान करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी पक्षों से प्राप्त सुझावों का मूल्यांकन कर संतुलित और व्यावहारिक चुनाव कार्यक्रम घोषित किया जाएगा।

1200 मतदाताओं की सीमा तय

चुनाव आयोग ने प्रत्येक मतदान केंद्र पर अधिकतम 1,200 मतदाताओं की सीमा तय की है। इससे मतदान प्रक्रिया अधिक सुगम और व्यवस्थित होने की उम्मीद है। आयोग का मानना है कि इससे लंबी कतारों और भीड़भाड़ की समस्या कम होगी और मतदान प्रतिशत भी बढ़ सकता है।

भारत और नेपाल ने कानूनी सहायता समझौते पर किया हस्ताक्षर

आपराधिक मामलों की जांच में मिलेगी मदद

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और नेपाल ने आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस में दोनों देशों के सक्षम अधिकारियों को आपराधिक जांच और कानूनी कार्यवाही में सहयोग करने में मदद मिलेगी। यह समझौता कई वर्षों की बातचीत के बाद हुआ है। पिछले साल जुलाई में नई दिल्ली में गृह सचिव स्तर की बैठक में सहमति बनी थी। हालांकि इसपर मंगलवार को काठमांडू में हस्ताक्षर किए गए। इससे वित्तीय और गैर-वित्तीय अपराधों के साथ-साथ आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग को औपचारिक रूप दिया गया।

समझौते से कानून के शासन को मजबूती मिलेगी

कानून मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नेपाल के विधि, न्याय और संसदीय कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव बिनोद कुमार भट्टराई और नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने विधि मंत्री अनिल कुमार सिन्हा और कई मंत्रालयों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में अपनी-अपनी सरकारों की ओर से दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। मंत्रालय ने कहा, इससे आपराधिक मामलों की जांच, अभियोजन और न्यायिक कार्यवाही के दौरान साक्ष्य एकत्र करने और आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के सक्षम अधिकारियों के बीच सहयोग के लिए एक औपचारिक कानूनी ढांचा उपलब्ध होगा।

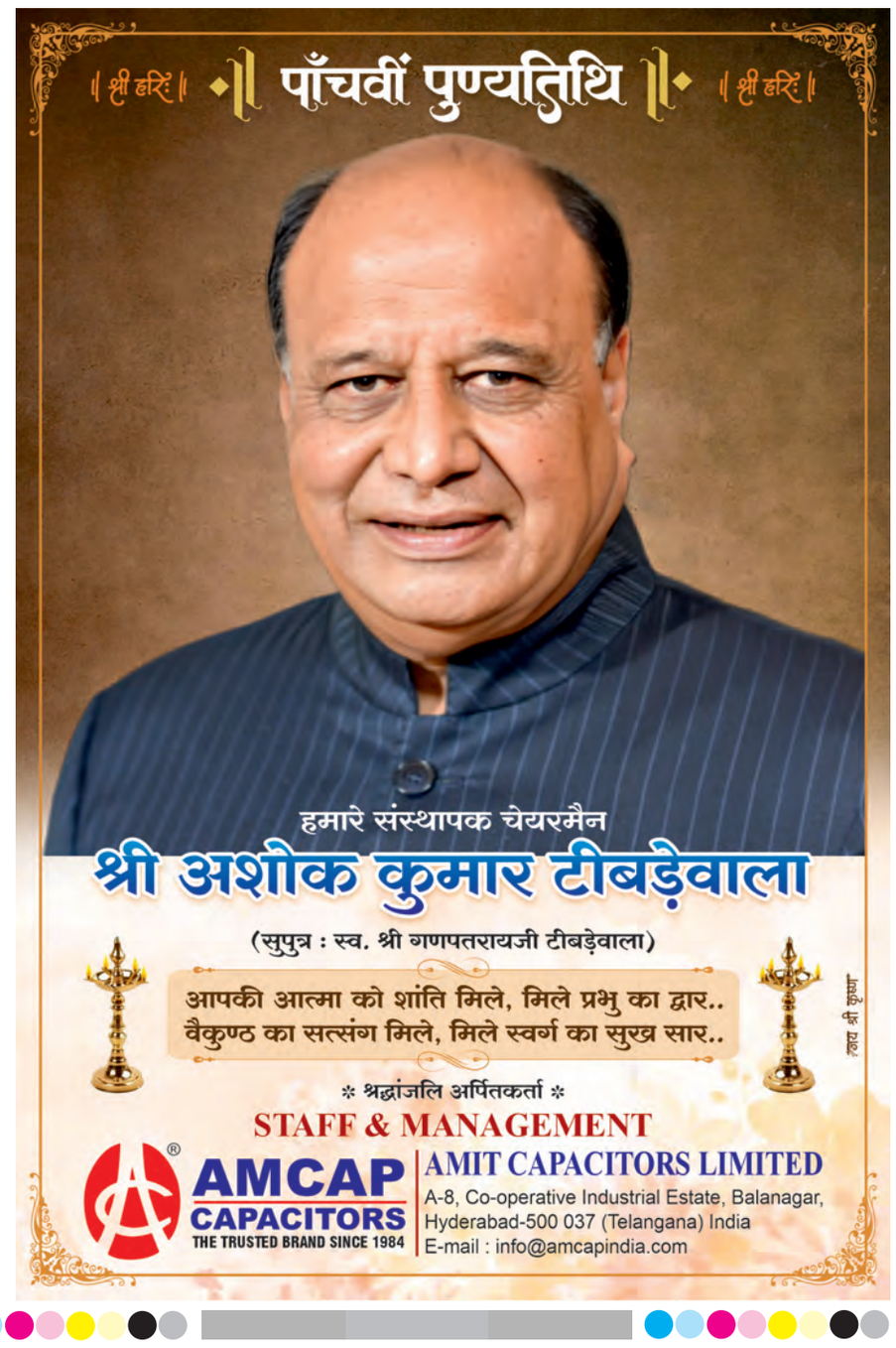

ममता बोली–ईडी केंद्र का हथियार, एजेंसी ने कहा–हमें बंगाल में धमकाया

एससी बोला-हम तय करेंगे कौन हथियार और किसे धमकाया गया

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में आई-पीएसी से जुड़े रेड मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान ममता सरकार ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का उन राज्यों में हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है, जहां विपक्ष की सरकार है। वहीं केंद्रीय एजेंसी ने पलटवार करते हुए कहा कि हम किसी के हथियार नहीं हैं। बंगाल में ममता सरकार ने हमें धमकाया। दोनों पक्षों के बीच बहस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसका हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है और किसे धमकाया जा रहा है, यह हम तय करेंगे।

ईडी ने आई-पीएसी रेड मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। ईडी का आरोप है कि 8 जनवरी को आई-पीएसी के ऑफिसों पर रेड के दौरान सीएम ममता बनर्जी और बंगाल पुलिस के अधिकारियों ने उनकी कार्रवाई में रुकावट डाली। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 18 मार्च तक टाल दी है। इससे पहले 3 फरवरी को सुनवाई टाली गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी को कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री का ईडी की जांच में बाधा डालना बहुत गंभीर मुद्दा है।

आई-पीएसी रेड मामला : 2,742 करोड़ का मनी लॉन्ड्रिंग केस

आई-पीएसी यानी इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी एक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी है। यह राजनीतिक दलों के लिए बड़े स्तर पर चुनावी अभियानों का काम करती है। कंपनी और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन पर करोड़ों रुपए के कोयला चोरी घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। सीबीआई ने इस मामले में 27 नवंबर 2020 को एफआईआर दर्ज की थी। सर्च ऑपरेशन के दौरान, सीएम ममता बनर्जी अन्य टीएमसी नेताओं के साथ आई-पीएसी ऑफिस पहुंचीं। इसके बाद काफी हंगामा हुआ।

टूर पर आए चार विदेशी पर्यटक घायल जीएमसी जम्मू रेफर

कठुआ, 18 फरवरी (एजेंसियां)। कठुआ में लखनपुर कॉरिडोर के पास एक सड़क दुर्घटना में चार विदेशी पर्यटक घायल हो गए। करीब 12 बजे यह घटना हुई जब पर्यटकों को ले जा रही मेटाडोर अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घायलों में चालक समेत कुल पांच लोग शामिल हैं। चार घायल पर्यटक मॉरिशस के हैं और जम्मू-कश्मीर घूमने आए थे।

इन पर्यटकों ने पंजाब से गाड़ी बुक की थी, जबकि चालक स्थानीय निवासी है। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए कठुआ जीएमसी (जनरल मेडिकल कॉलेज) में भर्ती किया गया, जहां उनका इलाज शुरू हुआ। गंभीर स्थिति के चलते सभी को आगे के इलाज के लिए जीएमसी जम्मू रेफर कर दिया गया है।

'डेली 10 बीड़ी पीने से आया स्ट्रोक, सेना की सेवा से नहीं'

पूर्व सैनिक की दिव्यांगता पेंशन की मांग सुप्रीम कोर्ट से खारिज

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। दिव्यांग पेंशन की याचिका लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे पूर्व सैनिक को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की अपील को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ये हालत उसकी खुद की वजह से हुई है। वह रोज 10 बीड़ी पीता है जिससे उसकी ऐसी हालत हुई है। वह अपने किए का खुद जिम्मेदार है। याचिका पर जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले सुनवाई कर रहे थे।

दरअसल, याचिकाकर्ता ने एएफटी यानी आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल में याचिका खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए फैसले में बदलाव से इनकार कर दिया है और अपील खारिज कर दी। जस्टिस ने साफ कहा कि याचिकाकर्ता को ब्रेन स्ट्रोक सैन्य सेवा से नहीं, बल्कि रोज 10 बीड़ी पीने की वजह से आश है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में मुआवजा नहीं दिया जा सकता, जहां दिव्यांगता किसी व्यक्ति के अपने नियंत्रण की चीज से पैदा हुई हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ट्रिब्यूनल ने पेंशन रेग्युलेशन को देखकर फैसला दिया है। इसी वजह से एएफटी का फैसला बरकरार रहेगा।

किस आधार पर याचिका की खारिज

जानकारी के मुताबिक, सर्वेश कुमार को ब्रेन स्ट्रोक आया था। ऐसा होने पर सर्वेश ने दिव्यांग पेंशन की मांग शुरू कर दी। उनका दावा है कि सैन्य सेवा के चलते उन्हें ब्रेन स्ट्रोक आया है और उनकी स्थिति ऐसे हुदर् है। उन्होंने दिव्यांग पेंशन की मांग को लेकर एएफटी में अपील की थी, जिसे खारिज कर दिया गया।

इसके बाद सर्वेश सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। एससी ने मेडिकल रिपोर्ट और मेडिकल बोर्ड की राय पर गौर किया। जिसमें कहा गया था कि सर्वेश रोज 10 बीड़ी पीने की आदत थी, उसी वजह से वह इस हालत में पहुंचा है। सैन्य सेवा का इससे कोई लेन-देना नहीं है।

क्या बोला सुप्रीम कोर्ट?

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले ने कहा, ट्रिब्यूनल ने 'पेंशन रेगुलेशन फॉर द आर्मी, 1961' के नियम 173 और 'गाइड टू मेडिकल ऑफिसर्स, 2002' के पैरा 6 पर ध्यान दिया है। ये नियम स्पष्ट करते हैं कि यदि कोई विकलांगता या मृत्यु शराब, 'तंबाकू' या नशीली दवाओं के अत्यधिक सेवन या यौन संचारित रोगों के कारण होती है, तो उसके लिए मुआवजा नहीं दिया जा सकता। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये चीजें व्यक्ति के स्वयं के नियंत्रण में होती हैं।

हॉस्टल में विवाद के बाद 21 साल के छात्र की हत्या, पुलिस ने 4 को किया अरेस्ट

लातूर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के लातूर शहर के औसा रोड इलाके में हॉस्टल में विवाद के दौरान दो गुटों के बीच हुई मारपीट में एक छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 21 साल के विक्रम पांचाल के रूप में हुई है। यह घटना पुरणमल लाहोटी शासकीय तकनीकी संस्थान के छात्रों के बीच हुए विवाद के बाद सामने आई। जानकारी के मुताबिक, छात्रों के बीच मामूली कहासुनी हुई थी, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। इसी दौरान विक्रम पांचाल पर चाकू से हमला किया गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में दो अन्य छात्र भी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में जारी है।

आतंकियों की बड़ी साजिश नाकाम

सुरक्षाबलों ने श्रीनगर-बारामूला हाईवे पर किया आईईडी को डिफ्यूज

श्रीनगर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों की मुस्तैदी से आज एक बड़ा हादसा होने से टल गया। श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क के किनारे एक संदिग्ध वस्तु मिलने से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, यह एक आईईडी था, जिसे किसी बड़ी आतंकी साजिश के तहत प्लांट किया गया था।

संदिग्ध वस्तु से मची अफरा-तफरी

आज सुबह गश्त के दौरान सुरक्षाबलों को हाईवे के किनारे एक संदिग्ध पैकेट दिखाई दिया। खतरे की आशंका को देखते हुए जवानों ने बिना देरी किए मोर्चा संभाला और पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी। सुरक्षा के मद्देनजर हाईवे पर दोनों ओर से ट्रैफिक को पूरी तरह रोक दिया गया, जिसके कारण वाहनों की हाईवे पर लंबी कतार लग गई। घटना की सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए संदिग्ध वस्तु की जांच की गई और उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय करने की प्रक्रिया शुरू की गई। इस बीच सुरक्षाकर्मियों ने सुरक्षा का खास ध्यान रखा।

इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। सुरक्षाबलों ने आसपास के गांवों और रिहायशी इलाकों में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। सेना और पुलिस की संयुक्त टीमें ड्रोन और खोजी कुत्तों की मदद से इलाके की बारीकी से जांच कर रही हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं और विस्फोटक तो नहीं छिपाया गया है।

पंजाबी वेडिंग में दूल्हा-दुल्हन पर उड़ाए 8 करोड़ के नोट

तरनतारन, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के तरनतारन जिले के पट्टी इलाके में हुई एक शादी इन दिनों इंटरनेट पर छाई हुई है। वायरल वीडियो में दूल्हा अपनी दुल्हन पर नोटों की बारिश करता दिख रहा है। इस वीडियो को देख सोशल मीडिया पर दावा किया जाने लगा कि शादी में करोड़ों रुपये उड़ाए गए हैं, लेकिन अब इस रॉयल दिखने वाली वेडिंग की असली सच्चाई आखिरकार सामने आ ही गई। वीडियो वायरल होने के बाद चर्चा शुरू हो गई कि दूल्हे ने शादी में करीब 8 करोड़ रुपये लुटा दिए हैं। कई लोगों ने इसे शाही अंदाज तक बता डाला, तो कईयों ने इसे फिजूलखर्ची और दिखावा करार दिया। विवाद बढ़ता देख शादी में मौजूद डीजे ऑपरेटर और दूल्हे के परिवार ने अब इस पर चुप्पी तोड़ी है। शादी 14 फरवरी को हुई थी। दूल्हा मूल रूप से पंजाब का है और ऑस्ट्रेलिया में ट्रक का कारोबार करता है।

'पायजामे का नाड़ा खींचना दुष्कर्म की कोशिश' सुप्रीम कोर्ट ने पलटा इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि पायजामे का नाड़ा खींचना और स्तन छूना साफ तौर पर दुष्कर्म की कोशिश है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का विवादित फैसला भी पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि नाड़ा खींचना या तोड़ना सिर्फ दुष्कर्म करने की तैयारी है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की और 10 फरवरी को उच्च न्यायालय के फैसले को पलटने का आदेश दिया। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पोक्सो कानून के तहत आरोपियों के खिलाफ लगे सख्त आरोपों को भी बहाल कर दिया। 10 नवंबर 2021 को एक महिला ने पुलिस में दर्ज शिकायत में बताया कि वह और उसकी 14 साल की नाबालिग बेटी उसकी ननद के घर से वापस अपने घर लौट रहे थे।

इस दौरान उनके गांव के ही पवन, आकाश और अशोक ने उनकी बेटी को मोटरसाइकिल पर घर छोड़ने की पेशकश की। महिला ने आरोप लगाया कि तीनों आरोपियों ने उसकी बेटी से छेड़छाड़ की और उसके पायजामे का नाड़ा भी खींच लिया। बच्ची की चीख सुनकर दो लोग वहां पहुंचे और उन्हें देखकर तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

भाजपा की ओर बढ़ते सिद्धू दंपती के कदम: डॉ नवजोत कौर के बयान से सियासी हलचल अटकलों का बाजार गर्म

चंडीगढ़, 18 फरवरी (एजेंसियां)। अमृतसर पूर्व से विधायक रह चुकीं डॉ। नवजोत कौर सिद्धू के हालिया बयानों ने पंजाब की सियासत में नई हलचल पैदा कर दी है। कांग्रेस से दूरी के बाद अब उनके भाजपा के करीब जाने की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि उन्होंने सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहने की बात कही है, लेकिन राजनीतिक संकेत कुछ और कहानी बयां कर रहे हैं। डॉ नवजोत इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुलकर सराहना कर रही हैं, वहीं राहुल गांधी पर तीखे हमले बोल रही हैं। कोयम्बटूर में दिए बयान में उन्होंने कहा कि पंजाब में कांग्रेस कमजोर हो रही है और नेतृत्व को जमीनी हकीकत का अंदाजा नहीं है। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि शीर्ष नेतृत्व को नीचे हो रही गतिविधियों की जानकारी नहीं, तो वह उस पद के योग्य नहीं है।

लॉरेंस गैंग का बदमाश बॉबी कबूतर गिरफ्तार सिद्धू मूसेवाला के घर की रेकी की थी

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या से पहले रेकी करने वाले कुख्यात बदमाश 'बॉबी कबूतर' को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। फरार चल रहे इस इनामी बदमाश के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हुए हैं। बॉबी कबूतर दिल्ली और उत्तर प्रदेश में हत्या के कई मामलों में वांछित था, जिसमें मकोका और एनआईए के मामले भी शामिल हैं। नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के बड़े गैंगस्टर के रूप में पहचाने जाने वाले बॉबी कबूतर का आपराधिक रिकॉर्ड काफी लंबा है। उस पर हत्या, हत्या के प्रयास और संगठित अपराधों सहित कई गंभीर आरोप हैं। हाल ही में नदीम ब्रदर्स की हत्या के मामले में इसी बदमाश द्वारा सबसे ज्यादा गोलियां चलाने की बात सामने आई थी।

स्पेशल सेल ने दिल्ली-गुरुग्राम बॉर्डर से इसकी गिरफ्तारी कर एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। जांच में पता चला है कि बॉबी कबूतर पंजाब में सिद्धू मूसेवाला की हत्या से कुछ समय पहले वहां मौजूद था। उसने अपने साथी बदमाश शाहरुख के साथ मिलकर गायक की हत्या से पहले इलाके में रेकी की थी। इसी दौरान वह पुलिस की पकड़ से बचकर फरार हो गया था और तभी से वह कानून की नजरों से बचता फिर रहा था। उसकी गिरफ्तारी से सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड से जुड़े कई और अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। स्पेशल सेल की ने गुप्त सूचना के आधार पर दिल्ली-गुरुग्राम बॉर्डर पर जाल बिछाया और बॉबी कबूतर को धर दबोचा। उसकी गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की जा रही है, जिससे लॉरेंस बिश्नोई गैंग के अन्य सदस्यों और उनकी गतिविधियों के बारे में जानकारी मिलने की संभावना है।

क्या विपक्ष के पास नेतृत्व संकट है?

सामना के लेख में कई तीखे सवाल राहुल-सीएम ममता का भी जिक्र

मुंबई, 18 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुख्य विपक्षी दल शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) ने बुधवार को दावा किया कि इंडिया ब्लॉक अब एक चौराहे पर खड़ा है, और उसे आंतरिक बहस से आगे बढ़कर यह तय करना होगा कि ममता बनर्जी, एमके। स्टालिन या कोई अन्य व्यक्ति राष्ट्रीय संकट में उनका नेतृत्व करेगा या नहीं। महत्वपूर्ण क्षेत्रीय चुनावों से पहले ब्लॉक और कांग्रेस पार्टी के भीतर आंतरिक कलह और नेतृत्व को लेकर चल रही बहसें एकता को कमजोर करने की धमकी दे रही हैं।

कहां आपसी टकराव की स्थिति?

संपादकीय के मुताबिक अलग-अलग राज्यों में गठबंधन के दल एक-दूसरे के खिलाफ ही चुनाव लड़ते दिख रहे हैं। इसमें पश्चिम बंगाल में तृणमूल और कांग्रेस आमने-सामने हैं, वहीं केरल में लेफ्ट और कांग्रेस में भी मुकाबला है। इसके साथ महाराष्ट्र में स्थानीय स्तर पर विभाजन से भाजपा को फायदा हुआ है। शिवसेना यूबीटी का कहना है संसद का हंगामा अलग है, लेकिन देश में लोगों की सोच बदल रही है। विपक्षी इंडिया गठबंधन को जल्द फैसला करना होगा कि उनका नेतृत्व कौन करेगा- ममता, स्टालिन या कोई तीसरा नेता?

नेतृत्व पर अलग-अलग राय

विपक्षी इंडिया गठबंधन के अंदर कई नेताओं ने अलग-अलग नाम आगे किए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन का समर्थन किया है। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सचिव रहे संजय बारू ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को बेहतर राष्ट्रीय नेता बताया है। इनका कहना है कि गठबंधन को मजबूत बनाने के लिए जल्द एक चेहरा तय करना जरूरी है।

कांग्रेस की चुनौती और भाजपा पर आरोप

संपादकीय में कहा गया है कि कांग्रेस में भी अंदरूनी मतभेद दिख रहे हैं, उनके वरिष्ठ नेता अलग-अलग राय दे रहे हैं, इससे पार्टी की एकजुटता पर असर पड़ रहा है हालांकि, राहुल गांधी की लड़ने की भावना की तारीफ भी की गई। संपादकीय में यह भी कहा गया कि सरकार धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल कर रही है। इससे जनता की सोच प्रभावित हो रही है और विपक्ष को इसका जवाब देने के लिए मजबूत नेतृत्व चाहिए।

ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़

परिवार बनकर कर रहे थे हेरोइन तस्करी 7.5 करोड़ की 1.5 किलो हेरोइन बरामद

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने एक बड़े इंटरस्टेट ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए पति-पत्नी समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपी परिवार बनकर वैगन-आर टैक्सी में सफर करते थे ताकि किसी को शक न हो। पुलिस ने आरोपियों से 1 किलो 504 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 7.5 करोड़ बताई जा रही है।

गुप्त सूचना मिलने पर एएनटीएफ टीम ने दिल्ली-गाजियाबाद के भोपुरा बॉर्डर पर जाल बिछाया। रात में संदिग्ध वैगन-आर के दाखिल होते ही पुलिस ने दो गाड़ियों से उसे घेर लिया। कार में बैठे लोगों की पहचान आरिफ खान (36) और उसकी पत्नी शिखा अली (30) के रूप में हुई। तलाशी में उनके पास से 303 ग्राम और कार में रखे बैग से 1007 ग्राम हेरोइन मिली पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरिफ, भलस्वा डेयरी के जुम्मन (32) को भी हेरोइन सप्लाई करता था। तकनीकी जांच के बाद पुलिस ने जुम्मन को भी गिरफ्तार किया और उसके घर से 194 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

क्राइम ब्रांच का कहना है कि यह सिर्फ शुरुआत है। बरेली से जुड़े सप्लायर सहित पूरे नेटवर्क की पहचान की जा रही है। संदेह है कि यह रैकेट दिल्ली-एनसीआर में बड़े स्तर पर हेरोइन की सप्लाई करता था। दिल्ली पुलिस की इस कार्रवाई ने एक और बड़े इंटरस्टेट ड्रग सिंडिकेट को पकड़ने में महत्वपूर्ण सफलता दिलाई है।

कार्यकारी परिषद की बैठक के दौरान नारेबाजी से गूंजा परिसर, पदोन्नति को लेकर शिक्षक-कर्मचारी दो फाड़

रोहतक, 18 फरवरी (एजेंसियां)। रोहतक के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय परिसर बुधवार को विरोध के नारों से गूंज उठा। शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारियों ने कार्यकारी परिषद (ईसी) की बैठक के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की, जिसमें 'कर्मचारी एकता जिंदाबाद' जैसे नारे लगाए गए। कुलपति की अध्यक्षता वाली इस बैठक के दौरान परिसर में हंगामा मचा रहा, क्योंकि यूनिवर्सिटी के शिक्षक और गैर-शिक्षक संघ पदोन्नति के मुद्दे पर दो धड़ों में बंट गए थे। एक पक्ष ईसी बैठक के समर्थन में खड़ा था, जबकि दूसरा विरोध में उतर आया। समर्थक पक्ष का कहना है कि विश्वविद्यालय के करीब 100 शिक्षकों की पदोन्नति कई वर्षों से लंबित है। यदि यह बैठक नहीं हुई तो पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी तरह रुक सकती है, इसलिए बैठक का आयोजन जरूरी था।

महिला ने महापौर को सुनाई खरी-खरी: जनता से रूबरू होइए, घर-घर जाइए

इंदौर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। द्वारकापुरी क्षेत्र में दौरे पर पहुंचे महापौर के सामने एक महिला ने निगम के कामकाज को लेकर खुले तौर पर नाराजगी जताई। महिला ने कहा कि इलाके में बने गड्ढे के पास सुरक्षा इंतजाम ठीक नहीं होने से कई लोग हादसों का शिकार हो चुके हैं, लेकिन इसे महापौर के आने से कुछ ही देर पहले ठीक किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि यह काम पहले क्यों नहीं किया गया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव बुधवार को वार्ड 84 में 'संकल्प से समाधान' कार्यक्रम के तहत जनता चौपाल कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां वार्ड की एक महिला ने महापौर और पार्षदों को खरी-खरी सुनाई। महिला ने आगे कहा कि अगर महापौर के आने का प्रभाव है तो उनका नाम ही काफी होना चाहिए, बार-बार दौरा करने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि निगम कर्ज में होने की बात कही जाती है, फिर भी अच्छी सड़कों को खोदकर नई सड़कें बनाई जा रही हैं और ठीक-ठाक गार्डन की दीवारें तोड़कर दोबारा निर्माण किया जा रहा है। महिला ने महापौर से निवेदन करते हुए कहा कि वे गाड़ी में बैठकर नहीं, बल्कि जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनें। उन्होंने पूर्व जनप्रतिनिधि लक्ष्मण सिंह गौड़ का उदाहरण देते हुए कहा कि वे लोगों के बीच रहते थे, इसी वजह से जनता आज भी उन्हें याद करती है।

इंदौर के चार युवक तीन दिन से लापता

इंदौर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के छोटा बागड़दा इलाके के चार युवक तीन दिन से लापता हैं। परिजनों का आरोप है कि खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताने वाले चार लोग उन्हें कार में बैठाकर साथ ले गए थे। परिवार पहले एरोड्रम थाना पहुंचा, लेकिन वहां से कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। इसके बाद वे क्राइम ब्रांच कार्यालय पहुंचे, जहां भी फुटेज दिखाने के बावजूद अधिकारियों ने संबंधित लोगों की पहचान से इनकार कर दिया। तीन दिनों से परेशान परिजन अब न्याय की उम्मीद में अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक एरोड्रम थाना क्षेत्र स्थित छोटा बागड़दा के रहने वाले तरुण वर्मा, अमन पाल, राज और अजय 14 फरवरी से लापता हैं। परिजनों के मुताबिक एक कार से आए कुछ लोग खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताते हुए चारों युवकों को अपने साथ ले गए थे।

बर्धमान में टीएमसी नेता का हंगामा, नोक-झोंक के बाद बीजेपी नेता को छोड़ना पड़ा इलाका

कोलकाता, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में बर्धमान के नीलपुर इलाके में बीजेपी के प्रचार कार्यक्रम को लेकर तीखा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। बीजेपी सूत्रों का दावा है कि पूर्व भाजपा युवा नेता और वर्तमान तृणमूल नेता श्यामल राय की तरफ से कथित 'धमकी' दिए जाने के बाद बीजेपी जिला अध्यक्ष अभिजीत को इलाके से हटना पड़ा। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया और एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। हालांकि, वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

बीजेपी का आरोप है कि प्रचार के दौरान तृणमूल नेता की मौजूदगी में खुलेआम धमकी का माहौल बनाया गया, जिससे स्थिति असहज हो गई और जिला अध्यक्ष को वहां से जाना पड़ा। वहीं, तृणमूल नेता श्यामल राय ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है, 'कहीं कोई धमकी नहीं दी गई। इलाके के आम लोगों ने भाजपा जिला अध्यक्ष से कुछ सवाल पूछे थे, हम भी उस समय मौजूद थे।' उन्होंने आगे कहा कि 2021 और 2024 के चुनाव में इस इलाके के लोगों ने बीजेपी को वोट दिया था।

दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को 82 हजार 915 वोट मिले थे, लेकिन उसके बाद क्षेत्र में उनकी सक्रियता नजर नहीं आई। इसी को लेकर लोगों ने सवाल उठाए। श्यामल राय का आरोप है कि चुनाव से पहले 'हिंदू-हिंदू भाई-भाई' जैसे नारों के जरिए विभाजन की राजनीति की जा रही है, जिस पर स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई। उनके मुताबिक, सवालों का संतोषजनक जवाब न दे पाने के कारण भाजपा नेता वहां से चले गए।

मुस्लिम नेता रकीबुल हुसैन जो असम कांग्रेस का डार्क हॉर्स कहलाता है

जिसके चलते भूपेन बोरा ने दिया इस्तीफा

गुवाहाटी, 18 फरवरी (एजेंसियां)। असम में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने इस हफ्ते पार्टी से इस्तीफा दे दिया। अपने चौंकाने वाले फैसले के पीछे बोरा ने पार्टी सांसद रकिबुल हुसैन को बड़ी वजह बताया है। बोरा का आरोप है कि असम कांग्रेस की असली कमान रकिबुल हुसैन के हाथों में है, जबकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई केवल नाम मात्र के नेता बनकर रह गए हैं। भूपेन बोराके इन आरोपों पर रकिबुल हुसैन ने अभी सीधे तौर पर प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन उन्होंने कहा है कि वह कुछ दिनों में इस मुद्दे पर अपनी बात रखेंगे।

कौन हैं रकिबुल हुसैन?

रकिबुल हुसैन धुबरी लोकसभा सीट से सांसद हैं और पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई की सरकार में मंत्री रह चुके हैं। उन्हें असम में कांग्रेस का सबसे ताकतवर मुस्लिम नेता माना जाता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में रकिबुल हुसैन ने एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल को धुबरी सीट से 10 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया था। यह जीत का अंतर देश में सबसे बड़े मार्जिन में शामिल रहा।

इससे पहले बदरुद्दीन अजमल लगातार तीन बार धुबरी से सांसद चुने गए थे। सांसद बनने से पहले रकिबुल हुसैन 2001 से 2024 तक नगांव जिले की समागुरी विधानसभा सीट से विधायक रहे। उनके सांसद बनने के बाद हुए उपचुनाव में कांग्रेस ने उनके बेटे तंजील हुसैन को टिकट दिया, लेकिन वह अपने पिता की जीत की लकीर कायम नहीं रख सके।

असम कांग्रेस में कितने अहम हैं रकिबुल हुसैन?

असम में मार्च-अप्रैल में संभावित विधानसभा चुनाव को देखते हुए रकिबुल हुसैन कांग्रेस की रणनीति का अहम हिस्सा माने जा रहे हैं। तरुण गोगोई के करीबी होने के कारण उनके बेटे गौरव गोगोई भी उन पर भरोसा करते हैं। असम में मुस्लिम आबादी करीब 30 प्रतिशत है और कांग्रेस को अल्पसंख्यक बहुल सीटों पर मजबूत प्रदर्शन की जरूरत है। ऐसे में पार्टी के लिए रकिबुल हुसैन जैसे नेता को अहम माना जा रहा है, ताकि क्षेत्रीय दल एआईयूडीएफ की वापसी को रोका जा सके।

पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस ने एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन में लड़ा था। हालांकि, असम की राजनीति पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि अपर असम में रकिबुल हुसैन की छवि कमजोर है। भाजपा उन पर आरोप लगाती रही है कि वे राज्य सरकार में वन मंत्री रहते हुए घुसपैठियों को संरक्षण देते थे।

बीजेपी में शामिल होंगे भूपेन बोरा?

इसी बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया है किभूपेन बोरा 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे। यह बयान उस दिन आया, जब कांग्रेस से इस्तीफे के एक दिन बाद भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने गुवाहाटी में बोरा के आवास पर उनसे मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब डेढ़ घंटे तक बातचीत हुई।

हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि 2021 से 2025 तक असम कांग्रेस के अध्यक्ष रहे भूपेन बोरा ने विपक्ष में रहते हुए काफी संघर्ष किया है। भाजपा में उन्हें अपनी राजनीतिक सोच और काम करने का पूरा मंच मिलेगा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 19 फरवरी, 2026 3

सुविचार: जल्दी जागना हमेशा फायदेमंद होता है, फिर चाहे वह अपनी नींद से हो, अहम् से हो, वहम से हो, या फिर सोये हुए जमीर से हो!

संदिग्ध भूमि की जानकारी को छिपाया गया : पोंगुलेंटी

भूलेख पोर्टल में अनियमितताओं पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास तथा सूचना और जनसंपर्क विभाग के मंत्री पोंगुलेंटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि पोर्टल में पाए गए तकनीकी और प्रणालीगत दोषों का लाभ कुछ अधिकारियों ने अपने स्वार्थ के लिए उठाया। मंत्री ने बताया कि भूलेख पोर्टल में खामियों का उपयोग कर स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क को अनधिकृत रूप से हेरफेर करने की घटनाओं की उच्चस्तरीय समिति द्वारा जांच की गई।

इस दौरान कई नई गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं, जिन्हें सामान्य तकनीकी दोष नहीं बल्कि प्रणालीगत रूप से सृजित दोष माना गया। बुधवार को सचिवालय में अपने कार्यालय में मंत्री ने उच्चस्तरीय समिति के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। उन्होंने कहा कि पोर्टल का सुरक्षा ऑडिट करते समय जो खामियां पाई गईं उन्हें सुधारने के बजाय सभी ने रिपोर्ट को सही जैसा प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, पोर्टल को इस प्रकार तैयार किया गया कि मानव हस्तक्षेप से भी गलतियां संभव हों।

भूलेख लेनदेन से संबंधित संदिग्ध भूमि की जानकारी को छिपा दिया गया और आवश्यक लॉगिन विवरण लुप्त कर दिए गए। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नियमों के विरुद्ध संपन्न हुए भूलेख लेनदेन की जानकारी को उपलब्ध नहीं कराने और कोड ऑडिट का अभाव सार्वजनिक हो चुका है।

इसलिए तत्काल भूलेख पोर्टल पर कोड ऑडिट कराना आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि पोर्टल के संचालन की जिम्मेदारी विदेशी संस्था को देने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई। मंत्री ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के सुझावों के अनुसार कहा कि जो भी अधिकारियों ने सरकारी राजस्व का नुकसान किया है, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

सरकार को मिलने वाली राशि वसूल की जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी किसी भी चूक को नहीं होने दिया जाएगा और भूलेख पोर्टल को जनता के अनुकूल एवं पारदर्शी तरीके से संचालित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता की भूमि के मामले में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और सिरीसिल्ला तथा सिद्दिपेट जिलों की तरह अन्य जिलों में भी फॉरेंसिक ऑडिट कर कार्रवाई की जाए। समीक्षा बैठक में राजस्व सचिव लोकेश कुमार, सीएमआरओ मंड़ा मरंद, स्टांप एवं पंजीकरण आईजी राजीव गांधी हनुमंत, उच्चस्तरीय समिति के सदस्य स्टांप एवं पंजीकरण डीआईजी सुभाष, एसबीएसपी सिंधु शर्मा, साइबर क्राइम डीएसपी ए. संपत, गृह विभाग सलाहकार पी. शरतकुमार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री ने किया अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं का शुभारंभ

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद आज़हरुद्दीन ने राज्यभर में अल्पसंख्यक समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए आर्थिक सहायता, संपत्ति वितरण और कौशल विकास की कई योजनाओं की शुरुआत की। नामपल्ली में आयोजित कार्यक्रम में वित्तीय सशक्तिकरण, स्वरोजगार अवसर और अल्पसंख्यक युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार-केंद्रित प्रशिक्षण पर जोर दिया गया। सभामंडल को संबोधित करते हुए मंत्री ने समावेशी विकास और सतत विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि 2025—26 वित्तीय वर्ष के तहत विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता और संपत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में सरकार के मुख्य व्हिप डॉ. पटनम महेन्दर रेड्डी, सलाहकार शब्बीर अली और तेलंगाना अल्पसंख्यक वित्त निगम के अध्यक्ष ओबेदुल्ला कोटवाल उपस्थित रहे।

अगले पांच वर्षों में शहरी क्षेत्र में फैक्ट्री की मौजूदगी नहीं रहेगी : रेवंत

सीएम ने मुम्बई क्लाइमेट वीक 2026 में भाग लिया

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद 2034 तक नेट जीरो उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य रखता है और जल्द ही पूरे शहर में कार्बन फुटप्रिंट ऑडिट किया जाएगा।

उन्होंने संकेत दिया कि अगले पांच वर्षों में शहरी क्षेत्र में लगभग कोई औद्योगिक या फैक्ट्री मौजूदगी नहीं रहेगी। मुंबई में बुधवार को आयोजित मुम्बई क्लाइमेट वीक 2026 में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने विभिन्न सतत विकास पहलों का उल्लेख किया, जिनमें मूसी नदी का पुनर्जीवन, झीलों का संरक्षण, जल और ऊर्जा अवसंरचना में सुधार और भारत के पहले समर्पित पर्यावरण पुलिस बल "हाइड्रा" का निर्माण शामिल है।

उन्होंने कहा, "हैदराबाद में इलेक्ट्रिक वाहनों पर कर समाप्त कर दिए गए हैं, जिससे ईवी अपनाने की दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं के साथ स्थानीय उत्पादन निवेश पर भी चर्चा चल रही है।

2,00,000 से अधिक ऑटो रिक्शा को हरित विकल्पों में परिवर्तित किया जा रहा है। आरटीसी बसों के बेड़े में 3,500 से अधिक बसों को इलेक्ट्रिक मॉडल से बदलने का कार्य जारी है। इसके अलावा हैदराबाद मेट्रो का विस्तार 71 किलोमीटर से बढ़ाकर 200 किलोमीटर से अधिक किया जाएगा। उद्योगों को धीरे-धीरे शहरी केंद्र से उपशहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जा रहा है।" मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि किसी भी अर्थव्यवस्था की असली मुद्रा ऊर्जा है और विकास को ऊर्जा उत्पादन और खपत से मापा जाता है। "तेलंगाना वर्तमान में औसतन 16,610 मेगावाट प्रति दिन ऊर्जा का उपभोग करता है। पिछले वर्ष अधिकतम मांग 17,162 मेगावाट दर्ज की गई थी, जो इस वर्ष 19,000 मेगावाट से अधिक होने की उम्मीद है और 2034 तक यह 34,000 मेगावाट से अधिक पहुंचने की संभावना है। राज्य की लगभग एक चौथाई ऊर्जा, लगभग 24.8% या 25%, हरित ऊर्जा से आती है।" उन्होंने तेलंगाना की महत्वाकांक्षा दोहराई कि राज्य की 200 अरब डॉलर जीडीपी को 2034 तक एक ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलना है। उन्होंने भविष्य के स्तंभों के रूप में अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, शिक्षा और कौशल, ऊर्जा, रोजगार, उद्यमिता और समृद्धि सृजन के अवसरों को बताया।

तेलंगाना में डाटा सेंटर के लिए विशेष बैठक आयोजित

दूसरे राज्यों द्वारा दी जा रही रियायतों पर भी चर्चा

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में डाटा सेंटर की स्थापना के लिए प्रस्ताव तैयार करने हेतु राज्य सरकार के मुख्य सचिव के. रामकृष्णा राव ने आज सचिवालय में विशेष बैठक आयोजित की। बैठक में आईटी एवं उद्योग विभाग के विशेष मुख्य सचिव संजय कुमार, ऊर्जा विभाग के विशेष मुख्य सचिव नवीन मित्तल, फ्यूचर सिटी विकास आयुक्त शशांक और आईटी विभाग के विशेष सचिव भावेश मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि राज्य में डाटा सेंटर्स स्थापित करने वाली संस्थाओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण रूप से सुनिश्चित की जाएँ। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कई बार डाटा सेंटर्स की समीक्षा बैठकें आयोजित कर चुके हैं। बैठक में महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों द्वारा दी जा रही रियायतों पर भी चर्चा की गई। निवेशकों द्वारा 100 प्रतिशत हरित ऊर्जा स्रोत, आवश्यक विद्युत आपूर्ति, समर्पित विद्युत नेटवर्क और जीएसटी पुनर्भुगतान जैसी सुविधाओं की मांग को ध्यान में रखते हुए इन विषयों का अध्ययन करने का निर्देश दिया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि इन डाटा सेंटर्स की स्थापना से राज्य में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे और इससे जुड़े अन्य क्षेत्रों का विकास भी होगा।

स्वच्छता कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए : कर्णन

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अधिकारियों को दिए निर्देश

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के आयुक्त आरवी कर्णन ने सभी जोनल और उप आयुक्तों को निर्देश दिए हैं कि नगर के सभी क्षेत्रों में स्वच्छता कार्य व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से संपन्न किए जाएं, विशेषकर आगामी रमज़ान माह को ध्यान में रखते हुए। बुधवार को आयुक्त ने चारमीनार जोन में स्वच्छता व्यवस्थाओं की समीक्षा हेतु स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान अतिरिक्त आयुक्त (स्वच्छता) रवि किशन तथा चारमीनार जोनल आयुक्त उनके साथ मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान मेक्का मस्जिद, मदीना और चारमीनार क्षेत्र के प्रमुख स्थानों का अवलोकन किया गया। आयुक्त ने स्वच्छता कर्मियों की तैनाती, मार्ग मानचित्र, निगरानी प्रणाली, पूजा स्थलों के आस-पास सफाई उपाय, सड़कों की झाड़ू लगाना और वाणिज्यिक व बाजार क्षेत्रों में कचरा संग्रहण की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। प्रमुख चौराहों और पैदल मार्गों की सफाई की स्थिति का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने अधिकारियों के साथ नालियों की सफाई, कचरा जमा होने से रोकने के उपाय और सर्किल तथा जोन स्तर पर निगरानी प्रथाओं पर स्थल पर चर्चा की। रमज़ान के दौरान पैदल आगंतुकों की संख्या बढ़ने की संभावना को ध्यान में रखते हुए आयुक्त ने निर्देश दिए कि सड़कों, चौराहों, नमाज स्थलों और सभा स्थलों को हमेशा स्वच्छ रखा जाए। उन्होंने अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती, कड़ी निगरानी और वास्तविक समय में निगरानी प्रणाली के माध्यम से निर्धारित स्वच्छता मानकों को बनाए रखने का आदेश दिया।

आयुक्त ने नागरिकों और व्यापारियों से अपील की कि वे स्वच्छता कर्मियों के साथ सहयोग करें ताकि ग्रेटर हैदराबाद शहर में स्वच्छता सुनिश्चित हो सके।

राष्ट्रपति ने अंतर्राष्ट्रीय नौसैनिक फ्लीट रिव्यू देखा

70 नौसेनाओं ने ""महासागरों के माध्यम से एकजुट" थीम के तहत भाग लिया

विशाखापट्टनम, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में अंतर्राष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू 2026 का अवलोकन किया, जिसमें 70 से अधिक देशों की नौसेनाओं ने भाग लिया और वैश्विक समुद्री सहयोग और नौसैनिक शक्ति का प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू राष्ट्रों के बीच एकता, विश्वास और समुद्री परंपराओं के प्रति सम्मान का प्रतीक है। "महासागरों के माध्यम से एकजुट" थीम के तहत विभिन्न देशों के जहाज और नाविक एक साझा भावना और सामूहिक संकल्प को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का वैश्विक सहयोग का दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुम्बकम' पर आधारित है, जो वैश्विक सुरक्षा, विकास, स्थिरता और सततता को साझेदारी और सहयोग के माध्यम से मजबूत करता है। राष्ट्रपति ने भारत के समुद्री दृष्टिकोण "महासागर" (सभी क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए आपसी और समग्र उन्नति) को रेखांकित करते हुए कहा कि एक मजबूत समुद्री व्यवस्था समान विचारधारा वाले देशों की संयुक्त जिम्मेदारी और समन्वित कार्य से ही संभव है। भारतीय नौसेना की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह भारत के समुद्री हितों की सुरक्षा में सतर्क रहती है और क्षेत्रीय स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान देती है। उन्होंने कहा कि नौसेना आपदा और मानवीय संकटों के दौरान 'प्रथम उत्तरदाता' के रूप में कार्य करती है और वैश्विक नौसैनिक बलों के बीच सद्भाव और विश्वास बढ़ाती है। राष्ट्रपति ने मित्र देशों की नौसेनाओं के अधिकारियों और नाविकों की अनुशासन और समर्पण की प्रशंसा की और विश्वास व्यक्त किया कि भाग लेने वाली नौसेनाओं के बीच सहयोग से महासागरों में शांति, स्थिरता और समृद्धि मजबूत होगी।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, K GOVINDA RAO , F/O: SEP KARRI PARAMESWARA RAO R/O: H.NO.2-13, Kunchangi, Anakapalli, Visakhapatnam, Andhra Pradesh - 531032 have changed my name from K GOVINDA RAO to KARRI GOVINDA and my DOB is 01-01-1972 vide Affidavit dt.17-02-2026.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी

जांच में कुछ नहीं मिला

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की कुछ अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल भेजे जाने से बुधवार को हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने सुरक्षा कड़ी कर दी और कई जगहों पर तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कहीं भी कोई विस्फोटक नहीं मिला। जानकारी के मुताबिक, नामपल्ली स्थित सीबीआई अदालत को एक ईमेल मिला, जिसमें अदालत परिसर में बम होने की बात कही गई थी। इसके बाद एहतियातन जज, कर्मचारी, वकील और वहां मौजूद लोगों को तुरंत बाहर निकाल लिया गया।

बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों की टीम ने पूरे परिसर की जांच की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और यह ईमेल झूठा निकला। इसी तरह के धमकी भरे ईमेल आंध्र प्रदेश के राजामहेंद्रवरम और करीमनगर की जिला अदालतों को भी भेजे गए। वहां भी पुलिस ने सुरक्षा बढ़ाकर पूरे परिसर की जांच की। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और सभी अदालतों में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

वंदे भारत एक्सप्रेस के आगमन समय में बदलाव

20 फरवरी से नया समय लागू

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टर्मिनल पर भीड़भाड़ कम करने के उद्देश्य से विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन पर आने वाली सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस के आगमन समय में बदलाव किया गया है। ईस्ट कोस्ट रेलवे ने बताया कि ट्रेन संख्या 20707 अब विशाखापत्तनम में पहले निर्धारित समय दोपहर 1:45 बजे के बजाय दोपहर 1:50 बजे पहुंचेगी। संशोधित समय 20 फरवरी 2026 से प्रभावी होगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, व्यस्त टर्मिनल पर प्लेटफॉर्म प्रबंधन को बेहतर बनाने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पांच मिनट का यह परिवर्तन किया गया है।

श्री हरि:

पाँचवीं पुण्यतिथि

जन्म 19 मई 1952

निर्वाण 19 फरवरी 2021

श्री अशोक कुमार टीबड़ेवाला

(सुपुत्र : स्व. श्री गणपतरायजी टीबड़ेवाला)

जीवन पथ पर दीप बनकर, आपने राह दिखाई, स्मृतियों में, संस्कारों में, आपकी छवि समाई..
जीवन मूल्यों की यह ज्योति, युगों तक जलती जाए, प्रभु के चरणों में आपको, अक्षय शांति मिल जाए..

श्रद्धावनत् : श्रीमती रेणु टीबड़ेवाला (धर्मपत्नी) ज्योतिप्रकाश-मंजू (भाई-भाभी)
सुशील-शशि, प्रमोद-सुधा, मनोज-संगीता (अनुज-बहू)
अमित-श्वेता, अश्विन-तृष्णा (पुत्र-पुत्रवधू)
अनुराधा-अंकुर अग्रवाल (पुत्री-दामाद) ईशान, योहान (पौत्र)
विहा (पौत्री) ताश्वी (दोयती) देवांक (दोयता) एवं समस्त टीबड़ेवाला परिवार

गणपतराय अशोक कुमार टीबड़ेवाला

एएसआई को युवक ने मारी गोली

मुजफ्फरपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में एक शख्स ने सड़क पर एएसआई को गोली मार दी। जिसके बाद स्थानीय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अपराधी को पकड़ लिया। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद जनता ने भी अपराधी पर जमकर पिटाई की। इस पूरी घटना का लाइव वीडियो सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि अपराधी को पुलिस पकड़ने के बाद लोगों द्वारा मार-पीट की जा रही है। पुलिस ने बताया कि अपराधी को तुरंत नियंत्रण में लिया गया और उसे सुरक्षित जगह पर ले जाया गया। पुलिस ने इस मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए बताया कि अपराधी को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए हिरासत में लिया गया है।

मां कामाख्या मंदिर को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की पहल

अमित शाह ने दिया भरोसा

पूर्णिया, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सीमांचल और कोसी क्षेत्र के साथ-साथ पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल और नेपाल के श्रद्धालुओं के लिए भी आस्था का बड़ा केंद्र मां कामाख्या मंदिर की महत्वता को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिलने लगी है। इस दिशा में मां कामाख्या कॉरिडोर में मंदिर को शामिल करने की योजना को आकार मिलने लगा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार सरकार की खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की मंत्री लेशी सिंह के अनुरोध पर इस योजना के लिए अनुकूल आश्वासन दिया है।

मंत्री लेशी सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर उन्होंने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मंत्री सिंह ने धमदाहा विधानसभा क्षेत्र के केनगर प्रखंड अंतर्गत स्थित मां कामाख्या मंदिर (मजरा भवानीपुर) का पवित्र प्रतीक चिन्ह गृह मंत्री को सप्रेम भेंट किया।

वार्ता के दौरान मंत्री लेशी सिंह ने मां कामाख्या मंदिर की महिमा और इतिहास का उल्लेख करते हुए इसे देश के प्रमुख पर्यटन मानचित्र में शामिल करने और इसके समग्र विकास के लिए मां कामाख्या कॉरिडोर निर्माण का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में प्रतिवर्ष चैत्र नवरात्रि के दौरान भव्य कामाख्या महोत्सव आयोजित होता है, जिसे अब राज्य सरकार द्वारा राजकीय मेला का दर्जा भी मिल गया है। मंत्री ने कहा कि यह मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं है, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मां कामाख्या कॉरिडोर निर्माण हेतु सकारात्मक कदम उठाने का भरोसा दिया। इसके लिए मंत्री लेशी सिंह ने गृह मंत्री का आभार प्रकट किया।

मंत्री सिंह ने धमदाहा विधानसभा वासियों और पूरे जिले के नागरिकों को आश्वस्त किया कि माता कामाख्या की कृपा से यह मंदिर आने वाले समय में देश के प्रमुख आध्यात्मिक और पर्यटन स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा।

मंत्री लेशी सिंह ने गृह मंत्री से सुविधानुसार मंदिर आने का अनुरोध भी किया और उम्मीद जताई कि सभी सहयोग से मां कामाख्या मंदिर राष्ट्रीय स्तर पर विशेष स्थान प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि माता के आशीर्वाद और जनता के सहयोग से यह पावन धाम जल्द ही देश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन केंद्रों में अपनी अलग पहचान बनाएगा।

अखिलेश यादव के सोशल मीडिया पोस्ट पर राजभर का पलटवार, कहा- याद करें पहले 1990 की घटना

लखनऊ, 18 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 1990 की घटना का जिक्र करते हुए साफ कहा था कि उस समय समाजवादी पार्टी की सरकार में शंकराचार्य की पिटाई हुई थी। राजभर ने कहा कि सपा नेताओं को याद करना चाहिए कि ऐसा क्यों हुआ था। यह बात उन्होंने तब कही, जब सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए टिप्पणी की थी, जा की खुद की सोच हो तंग अउर छोटी, वा को दुनिया भर की नीयत लागे खोटी।

'इतना बुरा लगा तो इस्तीफा दे दो', ब्रजेश पाठक के 'चोटी' वाले बयान पर शिवपाल यादव का पलटवार

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने शंकराचार्य विवाद में बटुकों की चोटी खींचे जाने के महापाप बताया है, जिस पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी, उन्होंने कहा कि अगर उन्हें इस बात का इतना बुरा लगा है तो वो अपने पद से इस्तीफा क्यों नहीं दे देते। वो खुद भी तो उसी मंत्रीमंडल के सदस्य है। सपा नेता शिवपाल यादव ने उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के बयान पर तंज कसते हुए कहा कि, वे (ब्रजेश पाठक) उसी का पार्टी का हिस्सा हैं, मंत्रिमंडल में भी हैं। अगर उन्हें इतना ही बुरा लगा है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। पाप तो उन्हें भी लगेगा क्योंकि वे उसी मंत्रिमंडल के सदस्य हैं और अपमान तो वहीं से हुआ है।

दरअसल प्रयागराज माघ मेले में हुए शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और प्रशासन के बीच हुए विवाद का मामला शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। इस पूरे विवाद में अब डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की भी एंट्री हो गई है। उपमुख्यमंत्री ने एक चैनल से बातचीत हुए इस घटना को ग़लत बताया ब्रजेश पाठक ने बटुकों के साथ हुई घटना पर कहा कि चोटी नहीं खींचना चाहिए थे, ये महापाप है। जिन लोगों ने चोटी को छुआ है उन्हें पाप लगेगा. कई बरस बाद भी बहुत पाप पड़ेगा, सब खाता बही में लिखा जा रहा है। इस पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

ब्रजेश पाठक का ये बयान ऐसे समय में आया है जब सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी विधानसभा में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर तीखी टिप्पणी की थी और कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था सबसे ऊपर थी. नियमों और मर्यादाओं का सबको पालन करना चाहिए। जिसके बाद इस विवाद को एक बार फिर से हवा मिल गई और विवाद ने फिर से तूल पकड़ लिया हैं।

हार के बाद अब बाहर पांव पसारने की तैयारी में राजद

पटना, 18 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में महज 25 सीट पाने वाले तेजस्वी यादव पार्टी के विस्तार को लेकर बड़ा लान किया है। उन्होंने कहा कि अब राजद केवल बिहार तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अन्य राज्यों में भी अपना आधार मजबूत करेगी। पार्टी का लक्ष्य राष्ट्रीय दल का दर्जा हासिल करना है। तेजस्वी यादव ने जननायक कर्पूरी ठाकुर की 38वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में यह एलान किया उन्होंने कहा कि मार्च से हम संगठन सुदृढ़ीकरण अभियान शुरू करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने राजद को बिहार में मजबूत ताकत बनाया। अब हमें उनके काम को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय पार्टी बनने का लक्ष्य तय करना होगा।

चुनाव मैदान में उतरने से परहेज करती रही

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अब तक पार्टी अन्य राज्यों में चुनाव मैदान में उतरने से परहेज करती रही, ताकि धर्मनिरपेक्ष वोटों का बंटवारा न हो और सहयोगी दलों को फायदा मिले। लेकिन, अब आने वाले समय में पार्टी बिहार के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी अपने संगठन का विस्तार करेगी। तेजस्वी ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में हार इसलिए नहीं हुई कि पार्टी कमजोर थी, बल्कि परिस्थितियां प्रतिकूल थीं। हमारा समय जरूर आएगा। तेजस्वी ने बताया कि पिछले महीने उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। आप सभी के समर्थन से हमें राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत ताकत बनने से कोई नहीं रोक सकता।

मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में सरकार चला रहे हैं

नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में सरकार चला रहे हैं और उनकी सरकार प्रभावशाली नौकरशाहों तथा अपने सहयोगी दल भाजपा के इशारों पर कठपुतली की तरह काम कर रही है। मैंने कहा था कि सरकार के 100 दिन पूरे होने तक मैं चुप रहूंगा। चार दिन बाद यह समयसीमा पूरी हो जाएगी। इसके बाद हम चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा न करने को लेकर सरकार को जवाबदेह ठहराएंगे। कई घोषणाएं हमारी योजनाओं से प्रेरित थीं। तेजस्वी के इस बयान को आगामी राजनीतिक रणनीति और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की सक्रियता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

पूर्व एमएलसी मोहम्मद हाजी इकबाल की 2.76 अरब की संपत्ति कुर्क, 56 मुकदमे हैं दर्ज

सहारनपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल की अवैध रूप से अर्जित दो अरब 76 करोड़ अर्जित की संपत्ति को कुर्क किया गया। डीएम ने तहसीलदार बेहट को संपत्तियों का प्रशासक नियुक्त किया गया है। हाजी इकबार के विरुद्ध सहारनपुर व अन्य जनपदों समें दूसरे राज्यों के विभिन्न थानों में लगभग 50 मुकदमें दर्ज हैं। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि मोहम्मद इकबाल पुत्र अब्दुल वहीद, मोहम्मद जावेद, मोहम्मद वाजिद, अलीशान, अफजाल पुत्रगण मोहम्मद इकबाल उर्फ बाला निवासी मिर्जापुर पोल थाना मिर्जापुर जनपद सहारनपुर व इकबाल के नौकर सह अभियुक्त नसीम पुत्र अब्दुल गफूर व राव लईक पुत्र सईद अहमद निवासी ग्राम रायपुर थाना मिर्जापुर एक गिरोहबन्द व्यक्ति हैं। इनके विरूद्ध थाना मिर्जापुर में 2022 में गैंग्स्टर अधिनियम में मुकदमा पंजीकृत हुआ था।

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट सहारनपुर ने गैंग लीडर हाजी इकबाल की अवैध धन से अर्जित की गई करीब दो अरब रुपये की 56 संपत्तियों को कुर्क करते हुए तहसीलदार बेहट को प्रशासक नियुक्त किया है। डीएम मनीष बंसल ने बताया कि तहसीलदार बेहट को कुर्क की गई संपत्ति के उचित व प्रभावी प्रबंध के लिए निर्देशित किया गया है।

मैट्रिक परीक्षा से वंचित छात्रा ने की आत्महत्या

पटना, 18 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार बोर्ड की मैट्रिक परीक्षा के दौरान एक दर्दनाक घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया। मसौढ़ी के खरजमा गांव की छात्रा ने परीक्षा केंद्र पर एंट्री नहीं मिलने के बाद आत्महत्या कर ली। वह निर्धारित समय से मात्र 10 मिनट देरी से पहुंची थी। केंद्र पर सुबह 9 बजे एंट्री बंद कर दी गई थी। छात्रा 9:10 बजे पहुंची, लेकिन गेट नहीं खुला। काफी अनुरोध के बावजूद उसे प्रवेश नहीं मिला। हताश होकर वह घर लौट गई। बताया गया कि कोमल की परीक्षा बरनी स्थित केंद्र पर थी। वह सोमवार को ही रिश्तेदार के यहां महाराजचक गई थी। केंद्र उसके ठहरने के स्थान से करीब 6 किलोमीटर दूर था। एंट्री नहीं मिलने के बाद वह नदौल गई। वहां से ट्रेन में सवार हो गई। तरेगना और मसौढ़ी कोर्ट के बीच चलती ट्रेन से कूद गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना ने परीक्षा व्यवस्था और छात्रों के मानसिक दबाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिवार में मातम का माहौल है। स्थानीय लोग भी सदमे में हैं। इस वर्ष बिहार बोर्ड की 10वीं परीक्षा में करीब 15।12 लाख छात्र-छात्राएं शामिल हो रहे हैं। इनमें छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक है। पहली पाली में लगभग 7.58 लाख परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। दूसरी पाली में करीब 7.54 लाख छात्र शामिल हैं। प्रदेशभर में 1699 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। आज परीक्षा का दूसरा दिन है। और दोनों पालियों में गणित का पेपर है।

पाक से आई सीमा हैदर छठी बार बनीं मां

नोएडा, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान से भारत आईं सीमा हैदर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार चर्चा का कारण कोई विवाद नहीं, बल्कि उनके घर आई नन्ही खुशी है। सीमा हैदर ने ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में बेटे को जन्म दिया है। इसके साथ ही सीमा अब 6 बच्चों की मां बन गई हैं। अस्पताल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, डिलीवरी के बाद सीमा और उनके नवजात बेटे की स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

डॉक्टरों की एक टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही थी। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सीमा अपने पति सचिन मीणा के साथ रबूपुरा स्थित अपने निवास पर सुरक्षित पहुंच गई हैं। घर पहुंचते ही बधाई देने वालों का तांता लग गया है और पूरे मोहल्ले में खुशी की लहर है। सीमा हैदर साल 2023 से रबूपुरा में सचिन मीणा के साथ रह रही हैं। आपको बता दें कि करीब 11 महीने पहले सीमा ने एक बेटी को जन्म दिया था, और अब यह उनका सचिन के साथ दूसरा बच्चा है। सीमा के 4 बच्चे उनके पहले पति गुलाम हैदर से हैं, जो उनके साथ ही भारत आए थे। सीमा और सचिन की प्रेम कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है।

साल 2019 में ऑनलाइन गेम पबजी खेलते समय दोनों की जान-पहचान हुई। मार्च 2023 में दोनों ने नेपाल के एक मंदिर में शादी करने का दावा किया। मई 2023 में सीमा अपने 4 बच्चों के साथ पाकिस्तान से दुबई और फिर नेपाल के रास्ते बस के जरिए भारत (रबूपुरा) पहुंचीं।

मासूम बच्चों को मुर्गा बनाकर दी तालिबानी सजा

मेरठ, 18 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले से एक विचलित करने वाली तस्वीर सामने आई है, जहां अनुशासन के नाम पर मासूम बच्चों को क्रूर सजा दी गई। फलावदा थाना क्षेत्र के अमरोली गांव के एक सरकारी स्कूल में बच्चों को मुर्गा बनाकर पीटने का वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने आरोपी इंचार्ज अध्यापक गोविंद सिंह को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कक्षा के बाहर कुछ मासूम बच्चों को 'मुर्गा' बनाकर बैठाया गया है, जबकि कुछ छात्राएं सजा के तौर पर हाथ ऊपर करके खड़ी हैं।

वीडियो सामने आते ही हड़कंप मच गया और सोमवार को खंड शिक्षा अधिकारी बीईओ त्रिवेंद्र कुमार जांच के लिए स्कूल पहुंचे। करीब दो घंटे की जांच और बच्चों के बयान दर्ज करने के बाद चौंकाने वाला सच सामने आया। मास्टर साहब ने बच्चों को सिर्फ इसलिए 'मुर्गा' बना दिया क्योंकि वे स्कूल की निर्धारित ड्रेस पहनकर नहीं आए थे। जांच अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिक्षा के नियमों के तहत किसी भी बच्चे को शारीरिक या मानसिक रूप से प्रताड़ित करना दंडनीय अपराध है। कार्रवाई की आंच आते ही आरोपी शिक्षक गोविंद जाटव ने नया दांव चला है। उन्होंने पुलिस को दिए पत्र में दावा किया कि वे बच्चों को प्रताड़ित नहीं कर रहे थे, बल्कि 'नई शिक्षा नीति' के तहत उन्हें योग करा रहे थे।

एआईएमआईएम से बसपा अलायंस करेगी या नहीं? मायावती ने साफ कर दी तस्वीर

लखनऊ, 18 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आगामी वर्ष 2027 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले दावा किया जा रहा था कि बहुजन समाज पार्टी किसी दल के साथ गठबंधन कर सकती है। इस रेस में सबसे पहले नाम हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की अध्यक्षता वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) का चल रहा था। अब इस पर राज्य की पूर्व सीएम और बसपा सुप्रीमो मायावती ने तस्वीर साफ कर दी है।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने कहा है कि जैसे-जैसे यूपी में चुनाव पास आएंगे, जो लोग हमारे खिलाफ हैं, वे हमें सत्ता से दूर रखने की और भी कोशिश करेंगे और हमारे खिलाफ साजिश करेंगे। सिर्फ यूपी में ही नहीं बल्कि पूरे देश में सभी अंबेडकरवादियों को डॉ। बाबासाहेब अंबेडकर के आत्म-सम्मान पाने के आंदोलन को मजबूत करने के लिए काम करते रहना चाहिए। पूर्व सीएम ने कहा कि आप सबको पता है कि इन दिनों एआई को सफलता की पूंजी बताने की स्वार्थी बताने के बीच मीडिया में एक और चर्चा की विधान सभा 2027 चुनाव बसपा गठबंधन में लड़ेगी जो कि बिल्कुल झूठ है। ये फेक न्यूज है। मीडिया को ऐसी खबरों से बचना चाहिए। एक प्रेस वार्ता में मायावती ने कहा कि हम पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि हम विधानसभा चुनाव अकेले लडेंगे, लेकिन कुछ लोग और मीडिया घिनौनी साजिश में पड़कर अपनी इमेज खराब करते हैं। ये बसपा विरोधी एजेंडा है। लोगों को ऐसी खबरों पर ध्यान नहीं देना। कांग्रेस, सपा और बीजेपी की सोच संकीर्ण और बाबा साहेब की विरोधी है।

उन्होंने कहा कि इनसे गठबन्धन करके बसपा को नुकसान होता है। बसपा के लोग अकेले चुनाव लड़ने के लिए जी जान से लगे हुए हैं। बसपा, 2007 की तरह अकेले चुनाव लड़ेगी और चुनाव जीतेगी। बसपा सुप्रीमो को सिक्युरिटी दृष्टिगत टाइप 8 का बंगला मिलने के सवाल पर मायावती ने कहा कि जब यह मिला तो उसमें भी षडयंत्र के तहत ग़लत खबरें चलाई गई हैं एजेंडा के तहत।

अब सुरक्षा के दृष्टिगत टाइप 8 का बंगला मिला जिसे मैंने स्वीकार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा सरकार और उनके सुप्रीमो के कहने पर 2 जून 1995 गेस्ट हाउस में मुझपर हमला हुआ था जिसके अगले दिन भारत सरकार द्वारा मुझे सुरक्षा दी गई थी और सुरक्षित आवास भी लेकिन अब इतने समय के बाद भी सुरक्षा ख़तरा बड़ा है। पहले भी मुझे टाइप 8 का बंगला ही मिला था। चुनाव के नजदीक आते ही बसपा को सत्ता से दूर रखने के लिए विपक्षियों के हथकंडे बढ़ते जाएंगे।

प्रशांत किशोर का वीडियो वायरल, 'जितने लोग हमारे साथ फोटो खींचते हैं उतना वोट भी नहीं मिला'

पटना, 18 फरवरी (एजेंसियां)। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कई बड़े-बड़े दावे किए थे। पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने तक की बात कही थी लेकिन रिजल्ट के बाद पार्टी जीरो पर आउट हो गई। अब प्रशांत किशोर हार का मंथन कर रहे हैं। अलग-अलग जिलों में जाकर कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं। इस बीच उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वे ये कह रहे हैं कि जितने लोगों ने उनके साथ तस्वीर खिंचवाई उतना भी वोट नहीं मिला। वायरल वीडियो कहां का है ये साफ नहीं हो सका है। वीडियो में प्रशांत किशोर कार्यकर्ताओं से बातचत करते नजर आ रहे हैं। वे कहते हैं, किसके पास प्रमाण है कि कौन ईमानदारी से काम कर रहा है? जितने लोग हमारे साथ फोटो खींचते हैं उतना वोट हमको नहीं मिला और सब आदमी यही कह रहा है कि भैया हम ही किए हैं दूसरा नहीं किया। उन बातों का कोई मतलब नहीं है।

दूसरी ओर प्रशांत किशोर बेगूसराय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बिहार में शराबबंदी और बढ़ रहे अपराध को लेकर एनडीए सरकार पर हमला बोला। एनडीए की सरकार चुनने पर जनता को भी खूब सुनाया। प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर शराबबंदी से महिलाओं का सशक्तिकरण हो रहा है तो इसे पूरे देश में लागू करना चाहिए। मीडिया से प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज ने तीन सालों तक रणनीति बनाकर काम किया। जनता ने लगभग 18 लाख वोट देकर सेवा के लिए उनको चुना, बिहार छोड़कर जाने के लिए नहीं। वे जनता के आदेश का पालन कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर ने कहा कि पिछले तीन सालों से जन सुराज की ओर से एक ही बात समझाई जा रही है कि जो बोओगे वही काटोगे। अगर आप एनडीए को चुनेंगे तो सरकार एनडीए के एजेंडे पर ही चलेगी।

बिल गेट्स और गेट्स फाउंडेशन से संबंध तोड़ने की मांग

राजद सांसद सुधाकर सिंह ने सीएम नीतीश कुमार को लिखा पत्र

पटना, 18 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर बिल गेट्स और उनके संस्थान गेट्स फाउंडेशन से राज्य सरकार के सभी प्रकार के संबंध तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में औपचारिक पत्र जारी कर सरकार से स्पष्ट रुख अपनाने को कहा है।

सुधाकर सिंह ने अपने पत्र में अमेरिका से जुड़े एपस्टीन प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि इस मामले में बिल गेट्स का नाम सामने आया है। उन्होंने लिखा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे को गंभीरता से लिया गया है और इससे जुड़े लोगों पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में बिहार सरकार को भी सावधानी बरतनी चाहिए।

राजद सांसद ने कहा कि सामाजिक और प्रशासनिक स्तर पर पारदर्शिता बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। उनका तर्क है कि जब किसी संस्था या व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगते हैं, तो उससे जुड़े सरकारी संबंधों की समीक्षा जरूरी हो जाती है। उन्होंने इसे नैतिकता का प्रश्न बताया। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि गेट्स फाउंडेशन बिहार सरकार के साथ विभिन्न नीतिगत कार्यक्रमों और योजनाओं में सहयोग कर रहा है। सुधाकर सिंह ने मांग की कि इन सहयोगों की विस्तृत समीक्षा की जाए और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें समाप्त किया जाए।

इस पत्र के सामने आने के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बहस तेज हो सकती है। अब सरकार की ओर से क्या प्रतिक्रिया आती है, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं।

'सहमति से बनाए संबंध दुष्कर्म नहीं', हाई कोर्ट ने पीसीएस अधिकारी पर लगे रेप के आरोपों को किया खारिज

प्रयागराज, 18 फरवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पीसीएस अधिकारी पर लगे बलात्कार के मामले में आज सुनवाई करते हुए अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि आपसी सहमति से बने संबंधों को लेकर रेप नहीं माना जा सकता है। महिला द्वारा वीडियो वायरल करने, ब्लैकमेलिंग और जान से मारने की धमकी के आरोप पहली नगर में टिकने लायक नहीं है। जिसके बाद कोर्ट ने चार्जशीट और क्रिमिनल कार्रवाई को रद्द कर दिया। जस्टिस अवनीश सक्सेना की पीठ में इस मामले पर सुनवाई हुई। कोर्ट इस मामले से जुड़े सभी दस्तावेजों और सबूतों को ध्यान से देखा, जिसके बाद ये फैसला सुनावया है। कोर्ट ने कहा कि दस्तावेजों में ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे साबित हो सके कि आरोपी ने पीड़िता को वीडियो वायरल करने की धमकी दी थी। दोनों एक-दूसरे से संपर्क में थे। ब

यूपी के जिलों में जातीय पत्ते फेंटने की तैयारी

भाजपा में संगठनात्मक बदलाव से दिखेगा नया समीकरण

लखनऊ, 18 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में पीडीए के चक्रव्यूह में फंसने के बाद भाजपा फूंक फूंककर कदम रख रही है। लंबे समय बाद संगठन बदलने में जुटी भाजपा की नजर सपा की हर चाल पर टिकी है। 14 जिलाध्यक्षों की घोषणा 20 फरवरी से पहले होनी है, ऐसे में सभी 98 संगठनात्मक जिलों में एक साथ पूरी टीम बनाने की योजना है। जमीनी फीडबैक जुटाने के लिए जिलों में पर्यवेक्षक भेजे जाएंगे। अगर पर्यवेक्षक बनाने में देरी हुई तो जिला प्रभारियों से इनपुट लेकर प्रदेश इकाई जिलों की टीम घोषित कर देगी।

पीडीए की काट के रूप में जिलों में जातीय पत्ते पूरी तरह फेंटने की तैयारी है। प्रयागराज के आसपास जिलों में निषाद, यादव, मल्लाह, पश्चिम उत्तर

प्रदेश में सैनी, पाल, प्राजापति, पूर्वांचल में यादव, कुशवाहा, काशी क्षेत्र में मौर्य एवं अवध में कुर्मी एवं पासी वर्ग के चेहरों की किस्मत खिल सकती है। वहीं, होली तक जिला संगठन एवं बाद में क्षेत्रीय टीम बनाने की चर्चा है, जिसके लिए पार्टी लंबे समय से समीकरणों को मथने में जुटी है। भाजपा मानकर चल रही कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 2027 विधानसभा चुनाव में यादव व मुस्लिम चेहरों के बजाय सवर्ण और भाजपा के कोर वोटर मानी जाने वाली ओबीसी जातियों को ज्यादा टिकट देंगे।

इसकी काट में भाजपा संगठन में कई जिलों यादव चेहरों को पदाधिकारी बना सकती है। महोबा के भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत और कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के बीच विवाद के तत्काल बाद लखनऊ में बड़े लोध नेताओं के जमावड़े से भाजपा की चिंता बढ़ गई। ब्रज क्षेत्र के कई जिलों लोधों की बड़ी संख्या को देखते हुए संगठन में वरीयता मिल सकती है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के रूप कुर्मी समीकरण संतुलित माना जा रहा है, ऐसे में अन्य ओबीसी जातियों का दावा बढ़ेगा।

लाड़ली बहनों के लिए 23,882 करोड़ का प्रावधान

8वीं तक के बच्चों को मिलेगा दूध; वित्त मंत्री बोले- हर हाथ को काम हमारा लक्ष्य

भोपाल, 18 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा में बुधवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा सदन में बजट भाषण पढ़ रहे हैं। साढ़े चार लाख करोड़ रुपये से अधिक आकार वाले इस बजट में नगर विकास, ग्रामीण अधोसंरचना, उद्योग, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्रों पर विशेष फोकस रहने की संभावना है। प्रत्यक्ष करों में वृद्धि के संकेत कम हैं, लेकिन राजस्व सुदृढ़ीकरण के लिए नए उपाय सामने आ सकते हैं।

छठवीं बार वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा प्रस्तुत कर रहे हैं बजट। पहली बार डिजिटल बजट पेश किया जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का मकसद हर हाथ को काम, हर युवा को रोजगार है। हर नारी को न्याय हमारी सरकार का उद्देश्य है। हम देश के तीसरे युवा प्रदेश हैं। युवाओं के हाथ को काम मिले ये हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि पीएम के सपने को साकार करने वाला बजट है।

तीन साल की आर्थिक प्लानिंग

बजट में तीन साल की आर्थिक प्लानिंग। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन। ये साल किसानों के विकास के लिए समर्पित। गौशाला की राशि बढ़ाई गई। किसानों को 337 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि का प्रावधान किया गया। पशुपालन के लिए 2364 करोड़ का प्रविधान किया गया। किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये का अल्पकालीन ऋण दिलाया जिएगा। बिना ब्याज का ऋण दिलाने 720 करोड़ का प्रविधान। कृषि क्षेत्र के लिए 1.15 लाख करोड़ का प्रविधान। एक लाख किसानों को सोलर पंप देंगे।

श्रमिक वर्ग को दी सौगात

आगामी वित्तीय वर्ष में श्रमिक वर्ग और असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए सरकार ने बड़ा बजटीय प्रावधान किया है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने घोषणा की कि वर्ष 2026-27 के लिए श्रम विभाग को 1,335 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव रखा गया है। इस राशि का उद्देश्य मजदूरों, दैनिक वेतनभोगियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से व्यापक रूप से जोड़ना है।

बैंकिंग से जुड़ाव में बड़ी बढ़ोतरी

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत प्रदेश में अब तक 4 करोड़ 61 लाख से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं। इससे बड़ी आबादी औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ी है और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे खातों में पहुंच रहा है।

बीमा सुरक्षा का दायरा विस्तृत

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में अब तक 3 करोड़ 64 लाख लोगों का पंजीयन हुआ है। यह योजना दुर्घटना की स्थिति में बीमा सुरक्षा प्रदान करती है, जिससे परिवारों को आर्थिक सहारा मिलता है। इसी तरह प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से 1 करोड़ 54 लाख से अधिक लोग जुड़ चुके हैं। इस योजना के माध्यम से असामयिक मृत्यु की स्थिति में परिवार को वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

खेल- युवा कल्याण के लिए 815 करोड़

वित्त मंत्री ने कहा कि बजट में सीएम युवा शक्ति योजना के अंतर्गत प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सर्व सुलभ और सर्व-सुविधायुक्त स्टेडियम बनाए जाने का इंतजाम किया जा रहा है। खेल-युवा कल्याण विभाग के लिए 815 करोड़ का बजट तय किया गया है। लाड़ली लक्ष्मी योजना में 52 लाख 29 हजार बालिकाओं को लाभान्वित किया गया है।

जनकल्याण का संकल्प

वित्त मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जनकल्याण के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। हमारा उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े नागरिक को प्रथम पंक्ति तक पहुंचाना है। इसी भावना के साथ हर वर्ग के उत्थान के लिए पूरी प्रतिबद्धता और तत्परता से कार्य किया जा रहा है। ज्ञानी से ज्ञानी की तरफ बढ़ रहा है प्रदेश। गौशालाएं आधुनिक पद्धति से संचालित होंगी। एमपी को मिल्क कैपिटल बनाना हमारा लक्ष्य है। 4 हजार सरदार पटेल कोचिंग का लक्ष्य है

गुल्लक लेकर पहुंचे कांग्रेस नेता

इससे पहले आज विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पूर्व विधानसभा परिसर में कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन किया। गुल्लक लेकर विधानसभा पहुंचे कांग्रेस नेता। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार कर्ज लेकर घी पी रही है। यह जनता की तिजोरी है, जनता के लिए है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता के पैसों का दुरुपयोग कर रही है और वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं कर रही। सरकार ने खजाना खाली कर दिया है।

मोहन भागवत के यूजीसी वाले बयान पर तनवीर सादिक बोले

देश में किसी पर विचार थोपना उचित नहीं

श्रीनगर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू में यूजीसी गाइडलाइन को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देश में किसी भी विचार को थोपना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान हर धर्म को अपने अधिकार देता है और किसी पर निर्णय थोपना लोकतांत्रिक भावना के खिलाफ है। तनवीर सादिक ने घुसपैठियों को रोजगार न देने संबंधी टिप्पणी पर भी सवाल उठाया।

उन्होंने कहा कि यह तय कैसे होगा कि घुसपैठिया कौन है? यदि किसी समुदाय को सामूहिक रूप से संदेह के दायरे में रखा जाता है तो यह गलत और अनुचित है। वहीं पीडीपी विधायक आगा सैयद मुंतजिर मेहदी ने कहा कि कानून का उद्देश्य लोगों के अधिकारों की रक्षा करना होता है, न कि किसी विशेष वर्ग को दंडित करना। उन्होंने यूजीसी से जुड़े प्रावधानों पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह कदम एक वर्ग को संतुष्ट करने और दूसरे को दंडित करने की भावना से प्रेरित प्रतीत होता है।

दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि यूजीसी के नियमों का पालन होना चाहिए और इसमें विवाद की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को राजनीति से दूर रखना चाहिए और संस्थानों में शैक्षणिक व्यवस्था सर्वोपरि होनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने यूजीसी गाइडलाइन से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा था कि कानून सभी को मानना चाहिए और यदि कानून गलत है तो उसे बदलने का संवैधानिक तरीका मौजूद है। उन्होंने यह भी कहा कि जातियां संघर्ष का कारण नहीं बननी चाहिए और समाज में अपनत्व का भाव मजबूत होना चाहिए।

भागवत ने कहा था कि जो लोग पीछे रह गए हैं, उन्हें आगे बढ़ाने के लिए समाज को झुककर सहयोग करना चाहिए। समाज में समन्वय से ही प्रगति संभव है, संघर्ष से नहीं। एक को दबाकर दूसरे को आगे बढ़ाने की मानसिकता समाज को कमजोर करती है। उन्होंने ये बातें लखनऊ के सरस्वती शिशु मंदिर, निराला नगर में आयोजित सामाजिक सद्भाव बैठक के दौरान कहीं थीं।

पश्चिम बंगाल के सुंदरबन में बाघ के हमले में एक और मछुआरे की मौत

कोलकाता, 18 फरवरी (एजेंसियां)। एक हफ्ते के भीतर पश्चिम बंगाल के सुंदरबन में बाघ के हमले में एक और मछुआरे की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान रामपद बर्मन (45) के रूप में हुई है। वह दक्षिण 24 परगना जिले के गोसाबा क्षेत्र के छोटा मोल्लाखली कालिदासपुर गांव का रहने वाला था। पुलिस के अनुसार, रामपद और उसके साथी मंगलवार को जरूरी अनुमति लेकर जंगल में केकड़े पकड़ने गए थे। इसी दौरान घने जंगल में एक बाघ ने अचानक उस पर हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके साथ मौजूद अन्य मछुआरों ने हिम्मत दिखाते हुए बाघ को भगाया और रामपद को बचाया। इसके बाद उसे नाव से गांव लाया गया और तुरंत पास के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। लेकिन, बाद में उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर सुंदरबन कोस्टल पुलिस स्टेशन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बुधवार को उसका पोस्टमार्टम किया जाएगा। साउथ 24 परगना (दक्षिण) डिवीजन की डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर निशा गोस्वामी ने कहा, "शुरुआत में जो लोग मारे गए, वे अनुमति लेकर जंगल में गए थे। वे वन विभाग के नियमों का पालन करते हुए केकड़े इकट्ठा कर रहे थे। इसके अलावा, मछुआरों को बार-बार जागरूक किया जाता है कि जंगल में जाते समय वे ज्यादा सावधानी बरतें।" गौरतलब है कि सुंदरबन इलाके में बाघ के हमले की घटनाएं नई नहीं हैं। रोजी-रोटी की तलाश में कई लोग हर दिन घने जंगल में चले जाते हैं। मृतक रामपद बर्मन के परिवार में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं। परगना जिले के पाथरप्रतिमा ब्लॉक में कलास आइलैंड के पास के इलाके में केकड़े पकड़ते समय बाघ के हमले में एक युवक की मौत हो गई थी।

मोहन यादव सरकार के बजट पर कमल नाथ ने की सवालों की बौछार, गिनाए सीएम के किए चार वादे

कमलनाथ ने याद दिलाए ये वादे

उन्होंने बीजेपी सरकार को उसके वादे याद दिलाते हुए लिखा कि विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश की जनता से जो चार प्रमुख वादे किए थे, वह इस प्रकार हैं:

किसानों को धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3100 रुपया प्रति क्विंटल

किसानों को गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2700 रुपया प्रति क्विंटल

लाड़ली बहन योजना में महिलाओं को प्रति महीने 3 हज़ार रुपया

घरेलू गैस सिलेंडर 450 रुपये में।

भोपाल, 18 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता कमल नाथ ने राज्य में सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी द्वारा पेश किए गए बजट पर प्रतिक्रिया दी है। बता दें एमपी के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने वर्ष 2026-27 के लिए मध्य प्रदेश का 4 लाख 38 हज़ार 317 करोड़ का कुल पेश किया है। पूर्व सीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार का आज का बजट जनता से विश्वासघात वाला बजट है। वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने आज जो बजट पेश किया है उसमें सिर्फ बातों के बताशे बनाए गए हैं और जनहित का मुद्दा पूरी तरह सफाचट है। नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश की जनता और मतदाताओं से जो प्रमुख वादे किए थे, वह सारे वादे ढाई साल बाद भी वित्त मंत्री के बजट भाषण से ग़ायब दिखाई दिए। प्रदेश के किसानों, नारी शक्ति, नौजवानों और सभी वर्गों से किए गए चुनावी वादों को बजट में कोई स्थान नहीं दिया गया। कमलनाथ ने लिखा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपनी इन चारों घोषणाओं को बजट में कोई स्थान नहीं दिया और स्पष्ट कर दिया है कि यह सरकार जनविरोधी है, जनता से विश्वासघात करने वाली है और वादा-खिलाफी इसका स्वभाव है। इस बजट से मध्य प्रदेश की जनता को भारी निराशा हुई है। इसके अलावा वित्त मंत्री ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि पिछले बजट में जो घोषणाएं की गई थीं, उनको पूरा क्यों नहीं किया गया।

कांग्रेस ने पूछे ये सवाल

उन्होंने लिखा कि वित्त मंत्री ने यह भी नहीं बताया कि आख़िर केंद्र सरकार से अगले पाँच साल में मिलने वाले करों की हिस्सेदारी में 50 हज़ार करोड़ रुपये की कमी पर सरकार की क्या रणनीति है। इसके अलावा केंद्र और राज्य के सहयोग से चलने वाली योजनाओं में चालू वित्त वर्ष में मध्य प्रदेश को केंद्र सरकार की ओर से कई हज़ार करोड़ की राशि का भुगतान नहीं किया गया। कांग्रेस नेता ने लिखा कि इन विभिन्न पहलुओं को देखते हुए साफ़ समझ में आता है कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार प्रदेश की जनता के हित को ध्यान में नहीं रख रही है और केंद्र सरकार की कठपुतली के रूप में प्रदेश की जनता के हित को केंद्र के हाथों में गिरवी रख दिया है।

बंगाल के कैनिंग में रसायनों से भरे ड्रम के फटने से चार बच्चे झुलसे

कोलकाता, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के कैनिंग में बुधवार को रसायनों से भरे एक ड्रम के फटने से चार बच्चे झुलस गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शाम को चार बच्चे सड़क किनारे खेल रहे थे तभी पास में रखे रसायनों से भरे एक ड्रम में विस्फोट हो गया। इस घटना में चार नाबालिग गंभीर रूप से झुलस गए। दर्द सहन न कर पाने के कारण एक नाबालिग पास के तालाब में कूद गया। इनमें से तीन बच्चों को कोलकाता के एमआर बांगुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार कैनिंग पुरबा विधानसभा क्षेत्र के घातकपुकुर से मध्य खारगाछी तक जाने वाली सात किलोमीटर लंबी कच्ची सड़क पर मरम्मत का काम चल रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क मरम्मत का काम कुछ दिन पहले शुरू हुआ था। मंगलवार को सड़क पर लगभग 200 लीटर हल्के डीजल तेल (एलडीओ) से भरा एक ड्रम पड़ा था। आठ से दस वर्ष की आयु के चार छात्र ड्रम के पास खेल रहे थे।

बमियाल बॉर्डर पर संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन मूवमेंट; सीमा पर बढ़ाई गई सुरक्षा चला तलाशी अभियान

पठानकोट, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के पठानकोट जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब बमियाल बॉर्डर एरिया में भारत-पाकिस्तान सीमा के नजदीक संदिग्ध ड्रोन मूवमेंट देखी गई। यह गतिविधि पाकिस्तान की सीमा की ओर नोट की गई बताई जा रही है। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और पूरे इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, यह संदिग्ध गतिविधि सुबह करीब 8:30 बजे देखी गई। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि सीमा के उस पार आसमान में ड्रोन जैसी हलचल नजर आई। इसके बाद तुरंत पुलिस और सीमा सुरक्षा बल को सूचित किया गया। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीमों ने मौके पर पहुंचकर इलाके को घेर लिया।

मुसलमानों का आरक्षण खत्म होने पर सियासी बवाल

एआईएमआईएम का तंज-सरकार ने रमजान का तोहफा दिया

मुंबई, 18 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े मुस्लिम वर्ग को दिए गए 5% आरक्षण से जुड़ा पुराना फैसला रद्द कर दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इस फैसले के अनुसार, अब कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में इस 5% आरक्षण के तहत प्रवेश नहीं मिलेगा। सरकार के इस फैसले पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष इम्तियाज जलील ने हमला बोला है। उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए निशाना साधा है।

इम्तियाज जलील ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'महाराष्ट्र सरकार ने मुसलमानों को रमजान का एक तोहफा दिया है। सरकार ने 5% आरक्षण को खत्म करने की घोषणा कर दी है। जलील ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यह तब दिया गया जब हाई कोर्ट ने कहा था कि मुसलमानों में पढ़ाई दर छोड़ने की दर सबसे ज्यादा है। इसके बाद भी सरकार ने मुसलमानों को दिए जाने वाले 5% आरक्षण को खत्म कर दिया। इसके बाद भी हम अपने लड़के-लड़कियों से कहेंगे कि पढ़ाई न छोड़ें। पढ़ेगा इंडिया तो बढ़ेगा इंडिया!'

महाराष्ट्र में साल 2014 में एक अध्यादेश के जरिए मुस्लिम समाज को विशेष पिछड़ा प्रवर्ग-ए (एसबीसी-ए) के तहत सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में 5% आरक्षण दिया गया था। इसके आधार पर जाति प्रमाण-पत्र और जाति वैधता प्रमाण-पत्र भी जारी किए जा रहे थे। इस अध्यादेश को मुंबई हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी और 14 नवंबर 2014 को हाई कोर्ट ने अध्यादेश पर रोक (स्टे) लगा दी। यह अध्यादेश 23 दिसंबर 2014 तक कानून में नहीं बदल पाया, इसलिए वह खुद ही निरस्त (लैप्स) हो गया। अब सरकार ने साफ किया है कि उस अध्यादेश के आधार पर जारी सभी शासन निर्णय और परिपत्र भी रद्द माने जाएंगे। महाराष्ट्र में पहले से ही मुस्लिमों के लिए 5 फीसदी आरक्षण रद्द है।

महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले के अनुसार, अब कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में इस 5% आरक्षण के तहत प्रवेश नहीं मिलेगा। नई जाति प्रमाणपत्र या वैधता प्रमाणपत्र जारी नहीं किए जाएंगे, और पहले जारी सभी संबंधित आदेश अब प्रभावी नहीं रहेंगे। ऐसे में मुसलमान युवाओं के सामने एक बड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। माना जा रहा है कि सरकार के इस फैसले के खिलाफ आने वाले समय में एआईएमआईएम और अन्य विपक्षी पार्टियां विरोध प्रदर्शन शुरू कर सकती हैं।

इससे पहले उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के तुरंत बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में 75 अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को दिए गए दर्जे पर भी रोक लगा दी थी। अजित पवार के निधन वाले दिन ही 7 संस्थानों को स्वीकृति मिली और कुछ दिनों में यह संख्या 75 से अधिक हो गई।

मुस्लिम लड़की ने हिंदू लड़के से की शादी, पिता ने नाबालिग साबित करने के लिए रची साजिश, कोर्ट ने ठोका जुर्माना

नूंह, 18 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के जिले के फिरोजपुर झिरका थाना क्षेत्र के गांव पाडला में एक मुस्लिम युवती द्वारा हिंदू लड़के से किए गए प्रेम विवाह के मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। लड़की के परिजनों ने इस मामले को अलग रंग देने की नियत से अदालत में लड़की का फर्जी जन्म प्रमाण पत्र पेश किया। इसमें लड़की को नाबालिग दिखाया गया था। जब यह मामला जांच के बाद पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट पहुंचा तो लड़की के फर्जी प्रमाण पत्र अदालत में पेश करने वाले प्रतिवादी नंबर 4 पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके साथ ही कोर्ट ने नूंह डीसी को 6 महीने के भीतर प्रतिवादी को पकड़कर वसूली करने के आदेश भी दिए हैं।

कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता गामिनी ने दिया तीन और शावकों को जन्म, देश में चीतों की संख्या 38 हुई

भोपाल, 18 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता गामिनी ने तीन शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 38 हो गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने लिखा, दक्षिण अफ्रीका से चीतों के आगमन के तीन वर्ष पूर्ण होने पर कूनो में तीन नए शावकों का स्वागत एक नया अध्याय है।

उन्होंने आगे लिखा कि यह खुशी की बात है कि भारत की धरती पर चीतों का यह नौवां सफल शावकों का झुंड है और इससे भारत में जन्मे शावकों की संख्या 27 हो गई है। इन नए शावकों के साथ, भारत में चीतों की कुल आबादी अब 38 हो गई है - जो देश के पक्के इरादे और ऐतिहासिक संरक्षण की कोशिशों का एक मजबूत प्रतीक है। भूपेन्द्र यादव ने कहा, हर बर्थ प्रोजेक्ट चीता की नींव को मज़बूत करता है और फील्ड स्टाफ और जानवरों की टीमों के जुनून, लगन और चौबीसों घंटे की लगन को दिखाता है, जिन्होंने इस सपने को हकीकत में बदला है।

कुनो और भारत के लिए गर्व का पल- भगवान करे गामिनी और उसके तीन छोटे शावक मजबूत बनें और देश में चीता को फिर से ज़िंदा करने की कहानी को तेज़ी और शान से आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में जन्मे ये नन्हे 'सप्रिंटर्स' देश में चीता पुनर्वास की दिशा में बढ़ते कदम का प्रतीक हैं। यह क्षण न केवल कूनो बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। विशेषज्ञों को उम्मीद है कि गामिनी और उसके शावक स्वस्थ रहेंगे और भारत में चीता संरक्षण की कहानी को नई गति देंगे। बता दें कि यह गामिनी का दूसरा प्रसव है और इसके साथ ही कूनो में चीतों के संरक्षण अभियान को एक नई मजबूती मिली है। गामिनी के इन शावकों के जन्म के साथ ही भारत में चीतों का यह नौवां सफल प्रसव दर्ज किया गया है।

अब तक भारत में जन्मे जीवित शावकों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है, जबकि देश में चीतों की कुल संख्या 38 तक पहुंच गई है। यह उपलब्धि 'प्रोजेक्ट चीता' के तहत चल रहे ऐतिहासिक संरक्षण प्रयासों का सशक्त प्रमाण मानी जा रही है। प्रत्येक नया जन्म न केवल परियोजना की नींव को मजबूत करता है, बल्कि वन विभाग के फील्ड स्टाफ और पशु चिकित्सा टीमों की अथक मेहनत, समर्पण और चौबीसों घंटे की निगरानी को भी दर्शाता है।

सुपर स्पेशलिटी सुपरिटेंडेंट की विभागीय जांच रद्द: हाईकोर्ट ने दिए नए सिरे से जांच के आदेश, मामला फर्जी दस्तावेजों से नौकरी पाने का

ग्वालियर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। ग्वालियर हाईकोर्ट की एकल पीठ ने गजराराजा मेडिकल कॉलेज (जीआरएमसी) के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के तत्कालीन सुपरिटेंडेंट डॉ. गिरजा शंकर गुप्ता की विभागीय जांच रद्द कर दी है। जस्टिस आशीष श्रोती ने जांच प्रक्रिया में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के उल्लंघन का हवाला देते हुए नए सिरे से चार्जशीट जारी करने के चरण से जांच शुरू करने का आदेश दिया। यह मामला डॉ. गुप्ता पर फर्जी दस्तावेजों से नौकरी पाने के आरोपों से जुड़ा है। डॉ. गुप्ता वर्ष 2019 में सुपरिटेंडेंट के पद पर नियुक्त हुए थे। जुलाई 2025 में शिकायत मिलने पर डीन ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसके बाद 30 अक्टूबर 2025 को चार्जशीट जारी की गई। हालांकि डॉ. गुप्ता का दावा है कि उन्हें यह चार्जशीट कभी नहीं मिली और इंक्वायरी ऑफिसर ने इसे पहली बार दिसंबर में सौंपा।

रिपेयरिंग के बाद फिर लगाऊंगी टीपू की तस्वीर

डिप्टी मेयर के बयान से फिर गरमाई महाराष्ट्र की राजनीति

मालेगांव, 18 फरवरी (एजेंसियां)। टीपू सुल्तान की तस्वीर को लेकर शुरू हुआ विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। शहर की डिप्टी मेयर शान-ए-हिंद ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि दफ्तर की मरम्मत पूरी होते ही वे अपनी कुर्सी के पीछे टीपू सुल्तान की तस्वीर दोबारा लगाएँगी। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल और गरमा गया है। डिप्टी मेयर के इस निर्णय पर बीजेपी नेता नितेश राणे ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मालेगांव जैसे शहर में चुने हुए प्रतिनिधियों को ऐसे कदम उठाने से पहले स्थानीय माहौल और जनभावनाओं का ध्यान रखना चाहिए। राणे ने आरोप लगाया कि टीपू सुल्तान को लेकर समाज में अलग-अलग मत हैं और ऐसे प्रतीकों को कार्यालय में लगाने से विवाद पैदा हो सकता है।

नितेश राणे ने क्या कहा?

राणे ने अपने बयान में कहा कि टीपू सुल्तान को लेकर ऐतिहासिक चर्चाएं हमेशा विवादित रही हैं, और किसी सरकारी पद पर बैठे व्यक्ति को उन

प्रतीकों को चुनने में सावधानी बरतनी चाहिए जो किसी समुदाय में असहमति या तनाव पैदा कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी जनप्रतिनिधि को ऐसा कदम नहीं उठाना चाहिए जिससे राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़े। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि यदि टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाई जा रही है, तो उन ऐतिहासिक व्यक्तित्वों को क्यों नहीं शामिल किया जा रहा जिनका योगदान सामाजिक समरसता और न्याय से जुड़ा है। उनका कहना है कि सार्वजनिक दफ्तरों में वही तस्वीरें लगाई जानी चाहिए जिन पर समाज में व्यापक सहमति हो।

इस पूरे विवाद पर डिप्टी मेयर शान-ए-हिंद का कहना है कि यह उनका वैचारिक निर्णय है और वे इसे बदलने वाली नहीं हैं। उनका दावा है कि टीपू सुल्तान को लेकर उनकी सोच ऐतिहासिक नजरिये पर आधारित है, न कि किसी तरह के राजनीतिक संदेश पर। उन्होंने कहा कि तस्वीर लगाने का उद्देश्य किसी समुदाय को निशाना बनाना नहीं, बल्कि अपनी अभिव्यक्ति का अधिकार है।

स्थानीय राजनीति जानने वाले विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसे मुद्दे अक्सर चुनावी मौसम में ज्यादा उभरते हैं और फिर प्रतीकों की राजनीति तेजी से बढ़ने लगती है। टीपू सुल्तान की तस्वीर पर शुरू हुआ यह विवाद अब सिर्फ एक फोटो तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मालेगांव की राजनीतिक स्थितियों और सामाजिक वातावरण को प्रभावित करने लगा है। फिलहाल दोनों पक्ष अपने रुख पर कायम हैं और देखना यह होगा कि आने वाले दिनों में स्थानीय प्रशासन और नगर निगम इस विवाद को कैसे संभालते हैं ताकि शहर का माहौल शांत रहे।

कनाडा ने 2025 में 2,800 भारतीयों को निकाला

6500 भारतीय को निकालने की तैयारी, शरणार्थी नियमों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई

ओटावा, 18 फरवरी (एजेंसियां)। कनाडा सरकार ने 2025 के पहले 10 महीनों में कनाडा ने 2,831 भारतीय नागरिकों को देश से बाहर निकाला है। ये जानकारी कनाडा की कैनेडियन बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी (सीबीएसए) के आंकड़ों से सामने आई है।

इसके मुताबिक पिछले साल कुल 18,785 लोगों को कनाडा से निकाला गया, जिनमें भारतीय दूसरे नंबर पर हैं। सबसे ज्यादा 3,972 लोग मेक्सिको के थे।

इतना ही नहीं, अभी 29,542 लोगों को निकालने की प्रक्रिया चल रही है, जिनमें 6,515 भारतीय भी शामिल हैं। यानी आने वाले समय में और भारतीयों पर भी कार्रवाई हो सकती है।

कनाडा सरकार ने बताया है कि जिन लोगों को निकाला गया, उनमें से कई पर क्रिमिनल मामले थे। लेकिन बड़ी संख्या उन लोगों की भी थी जिन्होंने शरणार्थी दावे से जुड़े नियमों का सही तरीके से पालन नहीं किया।

कनाडा में तीन तरीके बाहर निकाला जाता है

कनाडा में किसी को बाहर

करने के तीन तरीके होते हैं- डिपार्चर ऑर्डर, एक्सक्लूजन ऑर्डर और डिपोर्टेशन ऑर्डर। कुछ लोगों को 30 दिन के अंदर देश छोड़ने का आदेश दिया जाता है। अगर वे नहीं जाते तो उन पर कड़ी कार्रवाई होती है।

कुछ मामलों में एक साल या पांच साल तक दोबारा कनाडा आने पर रोक लगती है। वहीं डिपोर्टेशन ऑर्डर में बिना खास अनुमति के दोबारा एंट्री नहीं मिलती।

डिपार्चर ऑर्डर- इसमें जिस इंसान पर आदेश लागू होता है उसे 30 दिनों के अंदर कनाडा छोड़ना होता है। अगर वो समय पर नहीं जाता, तो यह आदेश डिपोर्टेशन ऑर्डर में बदल जाता है।

एक्सक्लूजन ऑर्डर- इसमें व्यक्ति को एक साल तक कनाडा लौटने की इजाजत नहीं होती। अगर मामला गलत जानकारी देने (मिसरिप्रेजेंटेशन) का हो, तो 5 साल तक वापसी पर रोक लग सकती है।

डिपोर्टेशन ऑर्डर- यह सबसे सख्त आदेश होता है। इसमें व्यक्ति के कनाडा वापस आने पर स्थायी रोक लग जाती है। दोबारा आने के लिए लिखित इजाजत लेना जरूरी होता है।

कनाडा में इमिग्रेशन इस समय बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना हुआ है। पिछले साल चुनाव के दौरान भी यही सबसे अहम मुद्दा था और अब भी सरकार और विपक्ष के बीच इसी पर बहस चल रही है। मुकाबला मुख्य रूप से लिबरल पार्टी और कंजर्वेटिव पार्टी के बीच है।

लिबरल पार्टी के नेता पीएम मार्क कार्नी का कहना है कि इमिग्रेशन सिस्टम में सुधार की जरूरत है। उनका कहना है कि जब तक घरों की कमी की समस्या ठीक नहीं होती, तब तक इमिग्रेशन की संख्या को कंट्रोल में रखा जाएगा।

2025 के लिए करीब 3 लाख 95 हजार लोगों को स्थायी निवास देने का टारगेट रखा गया था, जो देश की आबादी के 1% से कम है।

अमेरिकी सांसद बोले- कुत्तों-मुसलमानों में से एक को चुनना आसान

फिलिस्तीनी एक्टिविस्ट ने लिखा था- न्यूयॉर्क इस्लाम की ओर बढ़ रहा, कुत्ते घर में नहीं रखें

वॉशिंगटन, 18 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी सांसद रैंडी फाइन के एक सोशल मीडिया पोस्ट से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने मंगलवार को X पर लिखा कि अगर कुत्तों और मुसलमानों में से एक को चुनना पड़े तो यह मुश्किल फैसला नहीं है।

दरअसल, रैंडी फाइन ने यह टिप्पणी न्यूयॉर्क में एक फिलिस्तीनी-अमेरिकी एक्टिविस्ट नरदीन किसवानी की पोस्ट के जवाब में की थी। किसवानी ने लिखा था कि कुत्ते अपवित्र हैं। ऐसे समय में जब न्यूयॉर्क इस्लाम की ओर बढ़ रहा है, कुत्तों को घर के अंदर नहीं रखना चाहिए। इन्हें बैन करना चाहिए।

इस पर फाइन ने कहा कि दुनिया में 57 ऐसे देश हैं, जहां शरिया कानून लागू है। अगर आप ऐसा चाहते हैं तो वहीं चले जाइए। अमेरिका 58वां मुस्लिम देश नहीं बनेगा।

बाद में किसवानी ने कहा कि वह बस मजाक कर रही थीं। यह

न्यूयॉर्क में सार्वजनिक जगहों पर कुत्तों की गंदगी को लेकर चल रही बहस से जुड़ा था। ऐसा उन लोगों के लिए कहा गया था, जो राजनीति में मुस्लिमों के बढ़ते प्रभाव को खतरा मानते हैं।

किसवानी ने होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम के पुराने बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने अपने फार्म पर एक कुत्ते को गोली मारने की बात कही थी। किसवानी ने लिखा, 'क्रिस्टी नोएम ने अपने ही कुत्ते को गोली मारने की बात कही और ज्यादातर लोगों ने ध्यान नहीं दिया। न्यूयॉर्क में एक मुस्लिम कह दे कि शहर पालतू जानवरों के लिए सही जगह नहीं है तो उसे मौत की धमकियां मिलने लगती हैं।' किसवानी ने फाइन पर फिलिस्तीनियों और मुसलमानों को अमानवीय दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की ओर से आ रही मुस्लिम विरोधी भाषा पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं होती।

रैंडी फाइन के इस बयान पर वॉशिंगटन में भारी विरोध हुआ है। डेमोक्रेट्स, सिविल राइट्स ग्रुप्स और कई नेताओं ने इसे इस्लामोफोबिया और घृणा फैलाने वाला बताया।

अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस काउंसिल (CAIR) ने फाइन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और कहा कि उनके इस्तीफे की मांग पहले से चल रही है।

यास्मीन अंसारी ने हाउस स्पीकर से तुरंत निंदा करने को कहा।

कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने फाइन को नस्लवादी कहकर इस्तीफा देने को कहा। ब्रिटिश पत्रकार पीयर्स मॉर्गन ने भी उन्हें कड़ी फटकार लगाई।

चीनी रोबोट्स का इंसानों जैसा डांस वायरल

बच्चों के साथ मार्शल आर्ट्स भी किया, एक्सपर्ट्स बोले-चीन ने रोबोटिक्स में अमेरिका को पछाड़ा

बीजिंग, 18 फरवरी (एजेंसियां)। चीन ने सोमवार को दुनिया को अपनी तकनीकी ताकत दिखाई। एक कार्यक्रम में इंसानों जैसे दिखने वाले ह्यूमनॉइड रोबोट्स ने मार्शल आर्ट्स और डांस किया। करीब 25 रोबोट्स बच्चों के साथ तलवार भांजते, बैकलिफ्ट करते और डंडे घुमाते हुए डांस करते दिखाई दिए।

खास बात यह रही कि एक भी रोबोट गिरा नहीं। यह प्रदर्शन देख दुनिया हैरान रह गई। कई लोगों के मन में सवाल उठा कि अगर रोबोट अब नाच सकते हैं और कुंग फू कर सकते हैं, तो वे और क्या कर सकते हैं।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह प्रदर्शन पिछले साल के मुकाबले बिल्कुल अलग था। पिछले साल रोबोट्स सिर्फ रुमाल घुमाते और साधारण हरकतें करते नजर आए थे। लेकिन एक साल में सबकुछ बदल चुका है। चीन दुनिया को खासकर अमेरिका को दिखाना चाहता है कि वह तकनीक में बहुत आगे निकल चुका है।

एशिया में टेक्नोलॉजी कंसल्टेंसी कंपनी के प्रमुख जॉर्ज स्टीलर ने कहा कि जिस गाला में इन रोबोट्स ने प्रदर्शन किया, वह कई सालों से चीन की तकनीकी ताकत दिखाने का बड़ा मंच रहा है। इसी मंच पर चीन अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम, ड्रोन और रोबोट जैसी नई तकनीकों को दुनिया के सामने पेश करता रहा है।

उन्होंने कहा कि इस गाला की सबसे खास बात यह है कि यहां सरकार की औद्योगिक नीति और टीवी के बड़े शो के बीच सीधा संबंध दिखाई देता है। यानी जिन कंपनियों को इस मंच पर अपने प्रोडक्ट दिखाने का मौका मिलता है, उन्हें बाद में सरकारी ऑर्डर, निवेशकों की दिलचस्पी और बाजार में आसानी से एंट्री जैसे फायदे मिलते हैं।

मेयर ममदानी बोले- अमीरों पर टैक्स लगाना जरूरी, न्यूयॉर्क की आर्थिक हालत ठीक नहीं

न्यूयॉर्क, 18 फरवरी (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने चेतावनी दी है कि अगर राज्य के नेता अमीर लोगों और कॉर्पोरेशन्स पर ज्यादा टैक्स लगाने की मंजूरी नहीं देते हैं, तो न्यूयॉर्क में प्रॉपर्टी टैक्स में इजाफा करना पड़ सकता है। न्यूयॉर्क शहर में प्रॉपर्टी टैक्स कमाई का बड़ा जरिया है। टैक्स बढ़ने से सरकार को ज्यादा पैसा मिलेगा, जिससे वह अपने बजट घाटे को कम कर सकती है। हालांकि इससे महंगाई बढ़ जाएगी। ममदानी ने कहा कि शहर के सामने मुश्किल विकल्प हैं। घाटा भरने के लिए उन्होंने दो रास्ते बताए। पहला रास्ता यह है कि अमीर लोगों और बड़ी कंपनियों पर टैक्स बढ़ाया जाए। दूसरा रास्ता यह है कि प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ाया जाए और रिजर्व फंड से पैसा निकाला जाए। उन्होंने कहा कि यह विकल्प ज्यादा कठिन और

नुकसानदेह है। ममदानी का कहना है कि न्यूयॉर्क शहर राज्य को ज्यादा सेवाएं देता है, लेकिन बदले में उसे उतना पैसा नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि अगर राज्य के कानून बनाने वाले कदम नहीं उठाते, तो शहर के पास दूसरा रास्ता अपनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि प्रॉपर्टी टैक्स में करीब 9.5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो यह पिछले 20 साल से ज्यादा समय में पहली बड़ी बढ़ोतरी होगी।

अमेरिका के 50 फाइटर जेट मिडिल ईस्ट रवाना

इनमें एफ-22, एफ-35 और एफ-16 शामिल, अमेरिका बोला- ईरान शर्तें नहीं मान रहा, हमारे पास दूसरे रास्ते मौजूद

वॉशिंगटन, 18 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में पिछले 24 घंटों में 50 से ज्यादा फाइटर जेट भेजे हैं। इंडिपेंडेंट फ्लाइट-ट्रैकिंग डेटा और मिलिट्री एविएशन मॉनिटर्स ने कई एफ-22, एफ-35 और एफ-16 फाइटर जेट को मिडिल ईस्ट की ओर जाते हुए रिकॉर्ड किया है।

यह जानकारी अमेरिका और ईरान के बीच मंगलवार को जिनेवा में हुई दूसरी दौर की बातचीत के दौरान सामने आई है। दोनों देशों के बीच परमाणु समझौते से जुड़े मुद्दों को लेकर मतभेद बने हुए हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तय की गई शर्तों को ईरान मानने को तैयार नहीं है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में वेंस ने कहा कि बातचीत के कुछ हिस्से सकारात्मक रहे, लेकिन कई अहम मुद्दों पर अब भी सहमति नहीं बनी है। इन बयानों से साफ

है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चल रही बातचीत अभी भी नाजुक दौर में है। ट्रम्प पहले ही कह चुके हैं कि अगर ईरान अमेरिकी मांगें नहीं मानता, तो अमेरिका ताकत का इस्तेमाल करेगा।

अमेरिकी फाइटर जेट्स के साथ कई एरियल रिफ्यूलिंग टैंकर भी मिडिल ईस्ट की ओर जाते देखे गए हैं। इससे संकेत मिलता है कि विमान लंबे समय तक ऑपरेशन की तैयारी में हैं।

इस बीच, अमेरिकी अधिकारी ने मीडिया को बताया कि यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप कैरिबियन से रवाना होकर मिड-अटलांटिक में पहुंच चुका है और मिडिल ईस्ट की ओर बढ़ रहा है।

ईरान के खिलाफ पहली बार साथ आए भारत-अमेरिका

क्या है 1300 जहाजों का डार्क फ्लीट? ट्रंप चला रहे हथौड़ा

वॉशिंगटन/नई दिल्ली/तेहरान, 18 फरवरी (एजेंसियां)। अरब सागर में चीन के साथ मिलकर तेल का खेल कर रहे ईरान के खिलाफ भारत और अमेरिका साथ आ गए हैं। भारत ने अमेरिका के प्रतिबंधित 3 तेल टैंकरों को पकड़ा है। ये तीनों ही जहाज अरब सागर में अवैध तरीके से एक जहाज से दूसरे जहाज में तेल ट्रांसफर करने का खेल कर रहे थे। पश्चिमी विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील और टैरिफ को लेकर तनावपूर्ण संबंधों के बाद पहली बार हुआ है कि नई दिल्ली ने वॉशिंगटन के डॉर्क फ्लीट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में खुलकर मदद की है। ईरान के इस डार्क फ्लीट में 1300 तेल ढोने वाले जहाज शामिल हैं। इनकी मदद से ईरान अमेरिकी प्रतिबंधों को धता बताते हुए खुलकर चीन और अन्य देशों को तेल की सप्लाई कर रहा है।

भारतीय तटरक्षक बल ने 6 फरवरी को इन तीनों हीईरानी जहाजोंको मुंबई के 100 मील उत्तर पश्चिम में समुद्र में पकड़ा था। कोस्ट गार्ड ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि ये जहाज अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी रैकेट का हिस्सा थे। इन जहाजों को अब मुंबई लाया गया है और उनके चालक दल के सदस्यों के साथ पूछताछ जारी है। अमेरिकी वॉल स्ट्रीट जनरल अखबार ने पश्चिमी विश्लेषकों के हवाले से कहा कि भारत का यह ऐक्शन दिखाता है कि उसके अमेरिका के साथ रिश्ते में फिर से गर्माहट आ रही है।

इससे पहले रूस से तेल खरीदने को लेकर भारतऔर अमेरिका के बीच तनाव काफी बढ़ गया था और ट्रंप ने 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया था। हालांकि ट्रेड डील होने के बाद अब अमेरिका ने रूसी तेल को लेकर लगे टैरिफ को हटा दिया था। अमेरिकी थिंक टैंक कार्नेगी इंडिया के फेलो दिनाकर पेरी का कहना है कि भारत के ईरानी तेल टैंकरों के खिलाफ ऐक्शन लेने का समय काफी महत्वपूर्ण है जो भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बाद हुआ है। भारत ने इन 3 तेल टैंकरों को पकड़ने का ऐलान ठीक उसी दिन किया जब अमेरिका ने भारत के साथ डील को लेकर आधिकारिक ऐलान किया था।

जहाजों पर नजर रखने वाली वेबसाइट TankerTrackers.com के मुताबिक हाल के महीनों में पश्चिमी देशों ने करीब 1300 तेल टैंकरों के शैडो फ्लीट के खिलाफ एक पूरा अभियान चला रखा है। ये जहाज रूस, ईरान और वेनेजुएला के प्रतिबंधति तेल को एक देश से दूसरे देश तक पहुंचाते हैं। इसके लिए ये नकली झंडे का इस्तेमाल करते हैं और अपनी पहचान को भी बदलते रहते हैं।

रूस के साथ 'टैंक वाली दोस्ती'

भारत में बनेगा घातक टी-90 टैंक का नया वेरिएंट!

मॉस्को, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और रूस अपनी टैंक वाली दोस्ती को और ज्यादा मजबूत करने जा रहे हैं। दरअसल, रूस ने भारत को टी-90 भीष्म टैंक के नए वेरिएंट का प्रोडक्शन शुरू करने में भारत की मदद करने पर हामी भरी है। इस नए टैंक का नाम टी-90एमएस है। टी-90एमएस टैंक का प्रोडक्शन पहले से ही भारत में मौजूद टी-90 वेरिएंट बना रही मौजूदा फैसिलिटी में होगा। इससे भारत की मैन्यूफैक्चरिंग लागत में भारी कमी आएगी और बचे हुए पैसों का इस्तेमाल दूसरे कामों के लिए किया जाएगा।

डिफेंस मिरर के मुताबिक, 17 फरवरी को रोसोबोरोनएक्सपोर्ट ने कहा कि वह पहले से ही टी-90 वेरिएंट बना रही मौजूदा फैसिलिटी में टी-90एमएस का प्रोडक्शन शुरू करने में भारत की मदद करने के लिए तैयार है।

2019 में, भारत ने "मेक इन इंडिया" इनिशिएटिव के तहत 464 टी-90एमएस टैंकों के लाइसेंस-प्रोडक्शन के लिए 2.8 बिलियन डॉलर का एग्रीमेंट किया था।

टी-90एमएस टैंक में 125 मिमी की स्मूथबोर गन लगी है, जो पांच किलोमीटर तक गाइडेड मिसाइल दाग सकती है। इसे एक्सप्लोसिव रिएक्टिव आर्मर और कलिना फायर-कंट्रोल सिस्टम का सपोर्ट मिला है। टी-90एमएस टैंक में 1,130-हॉर्सपावर का वी-92एस2एफ डीजल इंजन लगा है। इस टैंक की अनुमानित रेंज 550 किलोमीटर है और टॉप स्पीड 60 से 72 किमी/प्रति घंटा के बीच है। टी-90एमएस टैंक को तीन लोगों का क्रू ऑपरेट करता है। इसमें एक ऑटोमेटेड लोडर लगा हुआ है।

टी-90एमएस टैंकों में ब्लोआउट पैनल के साथ रीडिजाइन किया गया एम्युनिशन स्टोरेज लगा हुआ है, जो टैंक की सुरक्षा को बढ़ाता है। यह टैंक मौजूदा टी-90 भीष्म की जगह ले सकता है, जो भारतीय सेना का मुख्य युद्धक टैंक है। भारत ने टी-90 भीष्म को 2020 में चीन के साथ गलवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद लद्दाख के अग्रिम इलाकों में तैनात किया था। टी-90 भीष्म को भारतीय सेना का रीढ़ माना जाता है।

एक परिवार के 3 लोगों की मौत

सूरजपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की दम घुटने से मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और उनकी चार साल की मासूम बच्ची भी शामिल है। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया दिया है।

घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के कोट चन्दरपुर की है। परिवार ने ठंड से बचने के लिए कमरे के अंदर पत्थर कोयला जलाया था और उसी कमरे में सो गया। दम घुटने से तीनों की जान गई है। इसके कारण कमरे में धुआं भर गया और दम घुटने से तीनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान 28 वर्षीय कवल सिंह, उनकी 25 वर्षीय पत्नी कुंती और उनकी 4 साल की बच्ची के रूप में हुई है।

इमरान खान को मिल सकती है बड़ी राहत

इस्लामाबाद, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इस हफ्ते जेल से हॉस्पिटल शिफ्ट किया जा सकता है। इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता, खासतौर से उनकी आंख की रोशनी घटने से जुड़ी रिपोर्ट के बाद ये फैसला लिया गया है। इमरान खान की आंख में इंजेक्शन लगाया जाना है। इसकी तारीख 21 फरवरी से 26 फरवरी के बीच है। ऐसे में जेल प्रशासन उनको हॉस्पिटल ले जाने की तैयारी कर रहा है। इमरान को अस्पताल में शिफ्ट करने के अलावा पत्नी बुशरा बीबी और परिवार के दूसरे करीबी सदस्यों से मुलाकात की इजाजत दी जा सकती है।

इमरान को आंख के इलाज के लिए अल-शिफा आई ट्रस्ट हॉस्पिटल ले जाया जाएगा। इस हॉस्पिटल में आंखों के इलाज के लिए आधुनिक मशीनें और माहिर

डॉक्टर हैं। यह साफ नहीं कि इमरान को किस दिन जेल से अस्पताल ले जाया जाएगा। फिलहाल इमरान को अस्पताल ले जाने की तारीख के साथ-साथ उनको एडमिट करने या आंख में जरूरी डोज के बाद वापस लाने पर चर्चा हो रही है। माना जा रहा है कि डॉक्टरों की टीम उनको एडमिट करने पर आखिरी फैसला लेगी। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार की ओर से इमरान को जेल से हॉस्पिटल शिफ्ट करने की बात कही जा चुकी है। बीते हफ्ते शहबाज सरकार में मिनिस्टर डॉक्टर तारिक फजल चौधरी ने कहा है कि इमरान खान की सेहतको देखते हुए उन्हें हॉस्पिटल शिफ्ट करने और मेडिकल बोर्ड बनाने का फैसला किया गया है।

साल 2023 से अडियाला जेल में बंद इमरान खान की हेल्थ रिपोर्ट ने उनके समर्थकों की चिंता बढ़ा रखी है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि खान की एक आंख की रोशनी 85 फीसदी तक खत्म हो गई है। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान की सेहत का संज्ञान लेते हुए उनको इलाज मुहैया कराने के लिए कहा है।

पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने वकील सलमान सफदर को एमिकस क्यूरी बनाया गया था। वह बीते हफ्ते जेल में इमरान खान से मिले। उन्होंने जेल में इमरान की सेहत के बारे में जाना और सुप्रीम कोर्ट को रिपोर्ट सौंपी। इमरान ने सफदर को बताया कि उनकी दाहिनी आंख की रोशनी 85 फीसदी तक खत्म हो चुकी है।

सड़क हादसे में महिला की मौत

कोडरमा, 18 फरवरी (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। पहली घटना में डोमचांच थाना क्षेत्र के गोलवाढाब गांव निवासी 35 वर्षीय सुनीता देवी की जान चली गई। मृतका के गांव के अजय यादव ने बताया कि सुनीता देवी बुधवार सुबह अपने भाई के साथ बाइक से झुमरीतिलैया जा रही थीं। वे अपने डेढ़ वर्षीय भतीजे का इलाज कराने के लिए चिकित्सक के पास जा रहे थे। झुमरीतिलैया बाजार में सामंतो पेट्रोल पंप के पास विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार बालू लदे ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

चीन में आतिशबाजी की दुकान में धमाका, 12 लोगों की मौत

बीजिंग, 18 फरवरी (एजेंसियां)। चीन के हुबेई में आतिशबाजी की एक दुकान में जोरदार विस्फोट होने से 12 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा बुधवार दोपहर शिंजियांन शहर में हुआ।

धमाके के बाद दुकान में भीषण आग लग गई। धमाके की सूचना मिलते ही राहत और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फिलहाल विस्फोट की असली वजह जानने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। चीन में लूनर न्यू ईयर और स्प्रिंग फेस्टिवल के दौरान बड़े पैमाने पर आतिशबाजी की जाती है। इसी वजह से इस समय हादसों का खतरा भी बढ़ जाता है। पहले रविवार को जियांगसु प्रांत में एक आतिशबाजी दुकान के पास हुए हादसे में 8 लोगों की जान चली गई थी।

हिंदुओं ने पैसे लगाए हैं, तुम्हें क्या दिक्कत?

अमेरिका में हनुमान मूर्ति पर सवाल उठाने वाले को भारतीयों ने जमकर सुनाया

वॉशिंगटन, 18 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास प्रांत स्थित भगवान हनुमान की विशाल प्रतिमा को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विवाद की वजह टेक्सास के कंजर्वेटिव एक्टिविस्ट का श्री अष्टलक्ष्मी मंदिर स्थित भगवान हनुमान की मूर्ति पर किया गया कमेंट है। शुगर लैंड की इस 90 फुट ऊंची मूर्ति को इस एक्टिविस्ट ने भारतीयों की अमेरिकी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कहा है। इस पर गुस्साए भारतीयों ने कहा है कि इस मूर्ति को हिंदुओं ने अपनी निजी जमीन पर बनाया है। ऐसे में उनको इस तरह का कमेंट नहीं करना चाहिए।

डलास-फोर्ट वर्थ इलाके के रिपब्लिकन एक्टिविस्ट और मागा समर्थक कार्लोस टर्सियोस ने एक्स पर भगवान हनुमान की मूर्ति का वीडियो शेयर किया है। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'थर्ड वर्ल्ड के एलियंस धीरे-धीरे टेक्सास और अमेरिका पर कब्जा कर रहे है। अमेरिका के लोगों को इस कब्जे को रोकने के लिए सामने आने की जरूरत है।'

कार्लोस टर्सियोस के पोस्ट पर भारतीय मूल के अमेरिकियों ने कड़ा जवाब दिया है। भारतीयों ने उनको जवाब देते हुए लिखा कि आपका दावा एकदम गलत है। एक यूजर ने कार्लोस के पोस्ट पर लिखा, 'हिंदुओं ने अपनी जमीन पर, अपने पैसे से मंदिर बनाया है। आप सालों पहले कल्चर वॉर हार गए थे।

वृंदावन में भगवान शिव का अद्भुत मंदिर

जहां बिंदी, सिंदूर, चूड़ी से होता है श्रृंगार

भगवान शिव को लीलाधर यानि भगवान श्रीकृष्ण प्रिय हैं और इसी प्रेम के अधीन महादेव एक बार गोपी भी बन गए थे। इस बात का प्रमाण कृष्ण नगरी वृंदावन में स्थित प्राचीन शिव मंदिर में मिलता है। जहां विश्व के नाथ महादेव गोपी के रूप में विराजमान हैं। वृंदावन, जहां हर कण में श्रीकृष्ण की लीला बसी है, वहां एक ऐसा प्राचीन मंदिर है, जहां देवाधिदेव महादेव स्वयं गोपी बनकर विराजमान हैं। इसे गोपेश्वर महादेव मंदिर के नाम से जाना जाता है, जहां बिंदी, सिंदूर, चूड़ी आदि से श्रृंगार होता है। आइए जानते हैं कि भगवान शिव ने गोपी अवतार क्यों धारण किया?

गोपेश्वर महादेव मंदिर

गोपेश्वर महादेव मंदिर भक्ति, प्रेम और समर्पण का अनोखा प्रतीक है। उत्तर प्रदेश सरकार के कल्चरल डिपार्टमेंट के अनुसार, यह मंदिर उस दिव्य क्षण का साक्षी है जब भगवान शिव ने श्रीकृष्ण की महारास लीला में शामिल होने के लिए गोपी रूप धारण किया।

भगवान शिव ने लिया गोपी अवतार

किंवदंतियों के अनुसार, श्रीकृष्ण शरद पूर्णिमा की रात राधा रानी और गोपियों के साथ रास रचाते थे। भगवान शिव इस रास के आनंद में शामिल होना चाहते थे, लेकिन पुरुष रूप में प्रवेश की अनुमति नहीं थी। वृंदा देवी ने उन्हें रोक दिया। तब झिझक को त्यागकर महादेव भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी की भक्ति में लीन हो गए।

उन्होंने पवित्र यमुना में स्नान किया और एक सुंदर गोपी के रूप में प्रकट हुए। श्री कृष्ण उनके इस सखी भाव को पहचान लिए और प्रसन्न होकर उन्हें 'गोपेश्वर' नाम दिया। उसी दिव्य लीला के स्मरण में आज गोपेश्वर महादेव मंदिर में शिवलिंग गोपी स्वरूप में पूजे जाते हैं।

गोपी भाव में होता है मंदिर का श्रृंगार

मंदिर का श्रृंगार गोपी भाव में किया जाता है, जिसमें बिंदी, सिंदूर, चूड़ियां, फूलों की माला और घाघरा-चोली समेत सोलह श्रृंगार के सामान दिखते हैं। यह दृश्य भक्तों को अलौकिक अनुभूति देता है और मन को शांति, हृदय को प्रेम तथा आत्मा को वैराग्य प्रदान करता है।

पुरुष-स्त्री शक्ति के मिलन का प्रतीक है मंदिर

गोपेश्वर नाथ मंदिर यमुना नदी के किनारे वंशी वट के पास स्थित है। यह वृंदावन के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। कथा के अनुसार, इस शिवलिंग की स्थापना भगवान कृष्ण के वंशज व्रजनाभ ने की थी। यहां पूजा करने वाली गोपियां ब्रज भूमि में कृष्ण को पति रूप में पाने की कामना करती थीं। मंदिर प्रकृति की पुरुष और स्त्री शक्ति के मिलन का भी प्रतीक माना जाता है।

शरद पूर्णिमा पर पर विशेष आयोजन

कल्चरल डिपार्टमेंट के अनुसार, गोपेश्वर महादेव मंदिर केवल एक तीर्थस्थल नहीं, बल्कि प्रेम की अनुभूति का केंद्र है। यहां का शांत वातावरण, प्राचीन स्थापत्य कला और प्रवाहित होने वाली आध्यात्मिक ऊर्जा सीधे हृदय से संवाद करती है। यहां आकर श्रद्धालु वृंदावन के रस में विलीन हो जाते हैं। शरद पूर्णिमा पर गोपेश्वरनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना होती है और भक्त बड़ी संख्या में दर्शन के लिए आते हैं।

कैसे पहुंचे गोपेश्वर महादेव मंदिर?

गोपेश्वर महादेव मंदिर वृंदावन में स्थित है, जो मथुरा से करीब 12 किलोमीटर दूर है। यहां पहुंचने के लिए मथुरा-वृंदावन की प्रमुख कार रेंटल कंपनियों से निजी टैक्सी या ऑटो रिक्शा आसानी से लिया जा सकता है। निकटतम एयरपोर्ट दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट लगभग 164 किमी और सबसे पास रेलवे स्टेशन मथुरा जंक्शन है, जो 13 किमी दूर है।

किन लड़कियों में होते हैं काली माता वाले गुण

मूलांक 1 वाली लड़कियां, यानी जिनका जन्म 1, 10, 19 या 28 तारीख को हुआ हो, नेतृत्व क्षमता से भरपूर मानी जाती हैं। इनमें आत्मविश्वास कूट-कूटकर भरा होता है। ये अपनी बात खुलकर कहती हैं और गलत को सहन नहीं करतीं। अगर कोई इनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाए, तो ये तुरंत प्रतिक्रिया देती हैं। ये दूसरों पर निर्भर

प्रकृति से उदारता सीखें; अपने ज्ञान, समय और संसाधन दूसरों के साथ साझा करें

प्रकृति हमें हर पल सीख देती रहती है। पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, नदियां और झरने सब बिना स्वार्थ के हमें कुछ न कुछ देते रहते हैं। सूर्य से प्रकाश और ऊर्जा मिलती है, आकाश से वायु, धरती से अन्न मिलता है। जल हमें जीवन देता है। प्रकृति का कोई भी हिस्सा खाली नहीं है; हर तत्व किसी न किसी रूप में हमारे लिए उपयोगी है। प्रकृति हमें देती रहती है, बदले में कुछ नहीं मांगती। हमें भी प्रकृति से सीखना चाहिए कि हम उदार बनें, अपने ज्ञान, समय और संसाधन दूसरों के साथ साझा करें। जब हम बांटते हैं, तभी जीवन सार्थक बनता है।

रहना पसंद नहीं करतीं और अपने फैसले खुद लेना चाहती हैं। इनका स्वभाव मजबूत और स्पष्टवादी होता है, जो कई बार लोगों को सख्त भी लग सकता है।

मूलांक 8 वाली लड़कियां, यानी 8, 17 या 26 तारीख को जन्मी, गंभीर और न्यायप्रिय मानी जाती हैं। यह अंक शनि से जुड़ा होता है, जो कर्म, अनुशासन और न्याय का प्रतीक है। ऐसी लड़कियां जीवन में संघर्षों का सामना मजबूती से करती हैं। ये किसी के साथ अन्याय होता नहीं देख सकतीं। अगर इन्हें धोखा या अपमान मिले, तो ये चुपचाप सहने की बजाय कठोर निर्णय लेती हैं। इनके भीतर धैर्य तो बहुत होता है, लेकिन जब सीमा टूटती है, तो ये अपने जीवन से नकारात्मक लोगों को पूरी तरह बाहर कर देती हैं।

मूलांक 9 वाली लड़कियां, जिनका जन्म 9, 18 या 27 तारीख को हुआ हो, ऊर्जा और जुनून से भरी होती हैं। यह अंक मंगल ग्रह से जुड़ा माना जाता है, जो साहस और शक्ति का प्रतीक है।

ऐसी लड़कियां अपने परिवार और प्रियजनों के लिए बेहद समर्पित होती हैं। लेकिन अगर कोई इनके करीबियों को नुकसान पहुंचाए या इन्हें भावनात्मक रूप से चोट दे, तो ये बेहद प्रखर रूप ले सकती हैं। इनका गुस्सा तेज होता है, पर दिल से ये संवेदनशील और भावुक भी होती हैं।

हालांकि यह समझना जरूरी है कि "विनाश" शब्द का अर्थ यहां किसी को हानि पहुंचाना नहीं है। इसका मतलब है गलत परिस्थितियों, झूठे रिश्तों और अन्यायपूर्ण व्यवहार का अंत करना। काली माता जैसे गुण दरअसल आत्मबल, साहस और सत्य के साथ खड़े होने की क्षमता का प्रतीक हैं। हर लड़की में यह शक्ति किसी न किसी रूप में मौजूद होती है, बस अंतर इतना है कि कुछ में यह ज्यादा स्पष्ट दिखाई देती है।

शकुनि के जिन पासों ने महाभारत की दिशा बदल दी, उनका अंत कैसे हुआ?

ऋषि वेदव्यास द्वारा रचित मूल संस्कृत महाभारत के अनुसार, शकुनि के पासे कोई साधारण हाथीदांत के पासे नहीं थे। पौराणिक कथाओं के अनुसार, ये पासे शकुनि के पिता, राजा सुबल की हड्डी से बने थे। मरते समय सुबल ने शकुनि से कहा था कि मेरी हड्डियों के पासे हमेशा तुम्हारी आज्ञा मानेंगे। इन पासों में शकुनि के पूरे परिवार के अपमान और दुख की ऊर्जा समाहित थी। यही वजह थी कि शकुनि जब भी चाहता, पासे वही अंक दिखाते थे।

शकुनि के जादुई पासे की उत्पत्ति से अंत तक की कहानी

1. पासों का निर्माण और बदले की शपथ (लोक कथा)

महाभारत की प्रचलित लोक कथाओं के अनुसार, शकुनि के पासे हाथीदांत के नहीं, बल्कि उसके पिता राजा सुबल की रीढ़ की हड्डियों से बने थे।

जब धृतराष्ट्र ने शकुनि और उसके पूरे परिवार को जेल में डालकर भूखा रखा था, तब शकुनि के पिता ने मरने से पहले अपनी हड्डियों से पासे बनाने को कहा था। उन्होंने कहा था, इन पासों में मेरा क्रोध और प्रतिशोध बसता है, ये हमेशा तुम्हारी बात मानेंगे। यही कारण था कि चौसर के खेल में पासे हमेशा वही अंक दिखाते थे जो शकुनि चाहता था।

2. महाभारत युद्ध और शकुनि का वध

महाभारत के युद्ध में शकुनि ने कौरवों की ओर से कूटनीति और युद्ध दोनों में भाग लिया। युद्ध के 18वें और अंतिम दिन, पांडव नकुल और सहदेव ने शकुनि की सेना का संहार किया। अंत में, सहदेव ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी करते हुए शकुनि का वध कर दिया।

3. पासों का अंत: श्री कृष्ण का निर्णय (रहस्य)

शकुनि की मृत्यु के बाद सबसे बड़ा सवाल यह था कि उन मायावी पासों का क्या होगा? कहानी के अनुसार:

शकुनि के वध के बाद पांडव उसके शिविर में उन जादुई पासों को ढूंढने पहुंचे ताकि उन्हें नष्ट किया जा सके और उनका दुरुपयोग फिर न हो।

लेकिन, पांडवों के पहुंचने से पहले ही भगवान श्री कृष्ण वहां पहुंच गए थे। कृष्ण जानते थे कि इन पासों में कलयुग के विनाश के बीज छिपे हैं।

. जल में विसर्जन और कलयुग का आगमन

कहा जाता है कि श्री कृष्ण ने उन पासों को अपने हाथों से मसलकर राख (चूर्ण) बना दिया था। जब अर्जुन वहां पहुंचे, तो कृष्ण ने उन्हें वह राख दी और उसे किसी गहरे जल स्रोत या समुद्र में बहाने का आदेश दिया।

अर्जुन ने उस राख को जल में प्रवाहित कर दिया।

शकुनि ने पासों को ऐसा मंत्र दिया था कि वे जल के स्पर्श से पुनः जागृत हो सकते थे। राख के जल में मिलते ही वह नकारात्मक ऊर्जा फिर से अस्तित्व में आ गई।

माना जाता है कि यही ऊर्जा कलयुग के आगमन पर जुए और अधर्म के रूप में वापस लौटी, जिसे आज भी लालच और धोखे के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

जो समय के साथ बदल जाता है, वह सत्य नहीं है

सत्य वह है जो तीनों कालों- भूत, वर्तमान और भविष्य में एक समान रहता है। जो समय के साथ बदल जाता है, वह सत्य नहीं है। हमारा शरीर बदलता है, विचार बदलते हैं, रूप-रंग बदलते हैं, इसलिए ये स्थायी सत्य नहीं हैं। आज जो है, वह कल वैसा नहीं रहता, लेकिन जो कभी नहीं बदलता, जो हमेशा एक जैसा रहता है, वही सत्य है। सत्य अटल और अविनाशी है, इसलिए सत्य को जानने का प्रयास करना चाहिए।

छत्रपति वीर शिवाजी महाराज

शिवाजी महाराज का पूरा नाम – शिवाजी राजे भोंसले

शिवाजी महाराज का उप नाम – छत्रपति शिवाजी महाराज

शिवाजी महाराज का जन्म – 19 फ़रवरी 1630, शिवनेरी दुर्ग, महाराष्ट्र

शिवाजी महाराज की मृत्यु – 3 अप्रैल 1680, महाराष्ट्र

शिवाजी महाराज के पिता का नाम – शाहजी भोंसले

शिवाजी महाराज के माता का नाम – जीजाबाई

शिवाजी महाराज की शादी – सईबाई निम्बालकर के साथ, लाल महल पुणे में सन 14 मई 1640 में हुई.

शिवाजी महाराज का जन्म 19 फ़रवरी 1630 में शिवनेरी दुर्ग में हुआ था। इनके पिता का नाम शाहजी भोसलें और माता का नाम जीजाबाई था। शिवनेरी दुर्ग पुणे के पास हैं, शिवाजी का ज्यादा जीवन अपने माता जीजाबाई के साथ बीता था। शिवाजी महाराज बचपन से ही काफी तेज और चालाक थे। शिवाजी ने बचपन से ही युद्ध कला और राजनीति की शिक्षा प्राप्त कर ली थी।

भोसलें एक मराठी क्षत्रिय हिन्दू राजपूत की एक जाति हैं। शिवाजी के पिता भी काफी तेज और शूरवीर थे। शिवाजी महाराज के लालन-पालन और शिक्षा में उनके माता और पिता का बहुत ही ज्यादा प्रभाव रहा हैं। उनके माता और पिता शिवाजी को बचपन से ही युद्ध की कहानियां तथा उस युग की घटनाओं को बताती थीं।

खासकर उनकी माँ उन्हें रामायण और महाभारत की प्रमुख कहानियाँ सुनाती थी जिन्हें सुनकर शिवाजी के ऊपर बहुत ही गहरा असर पड़ा था। शिवाजी महाराज की शादी सन 14 मई 1640 में सईबाई निम्बलाकर के साथ हुई थीं।

शिवाजी महाराज का सैनिक वर्चस्व

सन 1640 और 1641 के समय बीजापुर महाराष्ट्र पर विदेशियों और राजाओं के आक्रमण हो रहे थें। शिवाजी महाराज मावलों को बीजापुर के विरुद्ध इकट्ठा करने लगे। मावल राज्य में सभी जाति के लोग निवास करते हैं, बाद में शिवाजी महाराज ने इन मावलो को एक साथ आपस में मिलाया और मावला नाम दिया। इन मावलों ने कई सारे दुर्ग और महलों का निर्माण करवाया था।

इन मावलो ने शिवाजी महाराज का बहुत भी ज्यादा साथ दिया। बीजापुर उस समय आपसी संघर्ष और मुगलों के युद्ध से परेशान था जिस कारण उस समय के बीजापुर के सुल्तान आदिलशाह ने बहुत से दुर्गो से अपनी सेना हटाकर उन्हें स्थानीय शासकों के हाथों में सौप दी दिया था।

तभी अचानक बीजापुर के सुल्तान बीमार पड़ गए थे और इसी का फायदा देखकर शिवाजी महाराज ने अपना अधिकार जमा लिया था। शिवाजी ने बीजापुर के दुर्गों को हथियाने की नीति अपनायी और पहला दुर्ग तोरण का दुर्ग को अपने कब्जे में ले लिया था।

शिवाजी महाराज का किलों पर अधिकार

तोरण का दुर्ग पूना (पुणे) में हैं। शिवाजी महाराज ने सुल्तान आदिलशाह के पास अपना एक दूत भेजकर खबर भिजवाई की अगर आपको किला चाहिए तो अच्छी रकम देनी होगी, किले के साथ-साथ उनका क्षेत्र भी उनको सौपं दिया जायेगा। शिवाजी महाराज इतने तेज और चालाक थे की आदिलशाह के दरबारियों को पहले से ही खरीद लिया था।

शिवाजी जी के साम्राज्य विस्तार नीति की भनक जब आदिलशाह को मिली थी तब वह देखते रह गया। उसने शाहजी राजे को अपने पुत्र को नियंत्रण में रखने के लिये कहा लेकिन शिवाजी महाराज ने अपने पिता की परवाह किये बिना अपने पिता के क्षेत्र का प्रबन्ध अपने हाथों में ले लिया था और लगान देना भी बंद कर दिया था।

वे 1647 ई। तक चाकन से लेकर निरा तक के भू-भाग के भी मालिक बन चुके थें। अब शिवाजी महाराज ने पहाड़ी इलाकों से मैदानी इलाकों की और चलना शुरू कर दिया था। शिवाजी जी ने कोंकण और कोंकण के 9 अन्य दुर्गों पर अपना अधिकार जमा लिया था। शिवाजी महाराज को कई देशी और कई विदेशियों राजाओं के साथ-साथ युद्ध करना पड़ा था और सफल भी हुए थे।

शाहजी की बंदी और युद्ध बंद करने की घोषणा

बीजापुर के सुल्तान शिवाजी महाराज की हरकतों से पहले ही गुस्से में था। सुल्तान ने शिवाजी महाराज के पिता को बंदी बनाने का आदेश दिया था। शाहजी उनके पिता उस समय कर्नाटक राज्य में थें और दुर्भाग्य से शिवाजी महाराज के पिता को सुल्तान के कुछ गुप्तचरों ने बंदी बना लिया था।

उनके पिता को एक शर्त पर रिहा किया गया कि शिवाजी महाराज बीजापुर के किले पर आक्रमण नहीं करेगा। पिताजी की रिहाई के लिए शिवाजी महाराज ने भी अपने कर्तव्य का पालन करते हुए 5 सालों तक कोई युद्ध नहीं किया और तब शिवाजी अपनी विशाल सेना को मजबूत करने में लगे रहे।

शिवाजी महाराज का राज्य विस्तार

शाहजी की रिहा के समय जो शर्ते लागू की थी उन शर्तो में शिवाजी ने पालन तो किया लेकिन बीजापुर के साउथ के इलाकों में अपनी शक्ति को बढ़ाने में ध्यान लगा दिया था पर इस में जावली नामक राज्य बीच में रोड़ा बना हुआ था। उस समय यह राज्य वर्तमान में सतारा महाराष्ट्र के उत्तर और वेस्ट के कृष्णा नदी के पास था।

कुछ समय बाद शिवाजी ने जावली पर युद्ध किया और जावली के राजा के बेटों ने शिवाजी के साथ युद्ध किया और शिवाजी ने दोनों बेटों को बंदी बना लिया था और किले की सारी संपति को अपने कब्जे में ले लिया था और इसी बीच कई मावल शिवाजियो के साथ मिल गए थे।

शिवाजी महाराज का मुगलों से पहला मुकाबला

मुगलों के शासक औरंगजेब का ध्यान उत्तर भारत के बाद साउथ भारत की तरफ गया। उसे शिवाजी के बारे में पहले से ही मालूम था। औरंगजेब ने दक्षिण भारत में अपने मामा शाइस्ता खान को सूबेदार बना दिया था। शाइस्ता खान अपने 150,000 सैनिकों को लेकर पुणे पहुँच गया और उसने 3 साल तक लूटपाट की।

एक बार शिवाजी ने अपने 350 मावलो के साथ उनपर हमला कर दिया था तब शाइस्ता खान अपनी जान निकालकर भाग खड़ा हुआ और शाइस्ता खान को इस हमले में अपनी 4 उँगलियाँ खोनी पड़ी। इस हमले में शिवाजी महाराज ने शाइस्ता खान के पुत्र और उनके 40 सैनिकों का वध कर दिया था। उसके बाद औरंगजेब ने शाइस्ता खान को दक्षिण भारत से हटाकर बंगाल का सूबेदार बना दिया था।

जब हुई सूरत में लूट

इस जीत से शिवाजी की शक्ति ओर मजबूत हो गयी थीं। लेकिन 6 साल बाद शाइस्ताखान ने अपने 15,000 सैनिको के साथ मिलकर राजा शिवाजी के कई क्षेत्रो को जला कर तबाह कर दिया था। बाद में शिवाजी ने इस तबाही को पूरा करने के लिये मुगलों के क्षेत्रों में जाकर लूटपाट शुरू कर दी।

सूरत उस समय हिन्दू मुसलमानों का हज पर जाने का एक प्रवेश द्वार था। शिवाजी ने 4 हजार सैनिको के साथ सूरत के व्यापारियों को लुटा लेकिन उन्होंने किसी भी आम आदमी को अपनी लुट का शिकार नहीं बनाया।

शिवाजी महाराज को आगरा बुलाया गया जहाँ उन्हें लगा कि उन्हें उचित सम्मान नहीं दिया गया है। इसके खिलाफ उन्होंने अपना रोष दरबार पर निकाला और औरंगजेब पर छल का आरोप लगाया। औरंगजेब ने शिवाजी को कैद कर लिया था और शिवाजी पर 500 सैनिको का पहरा लगा दिया।

कुछ ही दिनों बाद 1666 को शिवाजी महाराज को जान से मारने का औरंगजेब ने इरादा बनाया था लेकिन अपने बेजोड़ साहस और युक्ति के साथ शिवाजी और संभाजी दोनों कैद से भागने में सफल हो गये।

संभाजी को मथुरा में एक ब्राह्मण के यहाँ छोड़ कर शिवाजी महाराज बनारस चले गये थे और बाद में सकुशल राजगड आ गये। औरंगजेब ने जयसिंह पर शक आया और उसने विष देकर उसकी हत्या करा दी।

जसवंत सिंह के द्वारा पहल करने के बाद शिवाजी ने मुगलों से दूसरी बार संधि की। 1670 में सूरत नगर को दूसरी बार शिवाजी ने लुटा था, यहाँ से शिवाजी को 132 लाख की संपति हाथ लगी और शिवाजी ने मुगलों को सूरत में फिर से हराया था।

शिवाजी महाराज का राज्यभिषेक

सन 1674 तक शिवाजी ने उन सारे प्रदेशों पर अधिकार कर लिया था जो पुरंदर की संधि के अन्तर्गत उन्हें मुगलों को देने पड़े थे। बालाजी राव जी ने शिवाजी का सम्बन्ध मेवाड़ के सिसोदिया वंश से मिलते हुए प्रमाण भेजे थें। इस कार्यक्रम में विदेशी व्यापारियों और विभिन्न राज्यों के दूतों को इस समारोह में बुलाया था।

शिवाजी ने छत्रपति की उपाधि धारण की और काशी के पंडित भट्ट को इसमें समारोह में विशेष रूप से बुलाया गया था। शिवाजी के राज्यभिषेक करने के 12वें दिन बाद ही उनकी माता का देहांत हो गया था और फिर दूसरा राज्याभिषेक हुआ।

शिवाजी महाराज की मृत्यु और वारिस

शिवाजी अपने आखिरी दिनों में बीमार पड़ गये थे और 3 अप्रैल 1680 में शिवाजी की मृत्यु हो गयी थी। उसके बाद उनके पुत्र को राजगद्दी मिली। उस समय मराठों ने शिवाजी को अपना नया राजा मान लिया था। शिवाजी की मौत के बाद औरंगजेब ने पुरे भारत पर राज्य करने की अभिलाषा को पूरा करने के लिए अपनी 5,00,000 सेना को लेकर दक्षिण भारत का रूख किया। 1700 ई। में राजाराम की मृत्यु हो गयी थी उसके बाद राजाराम की पत्नी ताराबाई ने 4 वर्ष के पुत्र शिवाजी 2 की सरंक्षण बनकर राज्य किया। आखिरकार 25 साल मराठा स्वराज के युद्ध थके हुए औरंगजेब की उसी छत्रपति शिवाजी के स्वराज में दफन किये गये।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 19 फरवरी - 2026

आग में जला भरोसा

भिवाड़ी में अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट और अग्निकांड ने एक बार फिर देश की औद्योगिक सुरक्षा व्यवस्था, प्रशासनिक निगरानी और राजनीतिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह केवल एक स्थानीय हादसा नहीं, बल्कि उस तंत्र की विफलता की कहानी है, जो कागज़ों पर नियमों से भरा पड़ा है। हकीकत में जमीन पर कहीं दिखाई नहीं देता है। जब बंद कमरों के अंदर काम कर रहे मजदूरों की जान कुछ ही मिनटों में आग और धुएँ में घिर जाती है, तो यह साफ संकेत है कि व्यवस्था में कहीं न कहीं गहरी दरार है। देश के अलग-अलग हिस्सों में समय-समय पर ऐसे हादसे सामने आते रहे हैं। कभी अवैध पटाखा इकाई, कभी केमिकल गोदाम, तो कभी छोटे उद्योग। हर बार हादसे के बाद जांच, मुआवजे और कार्रवाई की औपचारिक घोषणाएं होती हैं। लेकिन समय बीतते ही मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। राजस्थान के भिवाड़ी का हादसा भी उसी पैटर्न का एक हिस्सा है, जहां सवाल यह नहीं कि दुर्घटना क्यों हुई, बल्कि यह है कि इतने जोखिम भरे काम लंबे समय तक बिना प्रभावी निरीक्षण के कैसे चलते रहे? दुखद पहलू यह है कि इन फैक्ट्रियों में काम करने वाले अधिकतर मजदूर गरीब और असंगठित वर्ग से आते हैं। रोजी-रोटी की मजबूरी उन्हें ऐसे कार्यस्थलों तक ले जाती है जहां न सुरक्षा उपकरण होते हैं, न उचित प्रशिक्षण और न ही आपातकालीन इंतजाम। उनके लिए हर दिन काम पर जाना सिर्फ रोजगार नहीं, बल्कि जीवन और मौत के बीच एक जोखिम भरा समझौता बन जाता है। जब कोई हादसा होता है, तो खबरों में कुछ दिन चर्चा होती है, लेकिन कुछ दिनों बाद उनकी खबरें विलुप्त हो जाती हैं। ऐसे उद्योग अक्सर प्रशासनिक निगरानी के दायरे से बाहर कैसे रह जाते हैं, क्या स्थानीय स्तर पर निरीक्षण पर्याप्त नहीं थे? क्या भ्रष्टाचार और लापरवाही ने नियमों को अर्थहीन बना दिया है? ये सवाल सिर्फ किसी एक अधिकारी तक सीमित नहीं हैं। यह पूरी प्रशासनिक श्रृंखला की जवाबदेही का मामला है, जिसमें पुलिस, श्रम विभाग, उद्योग विभाग और स्थानीय निकाय सहित सभी की भूमिका की निष्पक्ष जांच जरूरी है। एक ओर तो भारत तेजी से औद्योगिक विकास की ओर बढ़ रहा है। छोटे और मध्यम उद्योग आर्थिक वृद्धि की रीढ़ बनते जा रहे हैं, लेकिन विकास का आधार ही अवैध गतिविधियों पर टिका है। ऐसे में यह प्रगति नहीं बल्कि एक खतरनाक भ्रम है। औद्योगिक विकास का अर्थ केवल उत्पादन और मुनाफा नहीं, बल्कि सुरक्षित कार्यस्थल और मानवीय गरिमा की रक्षा भी है। यदि मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो पाती, तो विकास की पूरी कहानी अधूरी रह जाती है। केवल मुआवजे का झुनझुना ही समाधान नहीं है। जरूरत है कि लाइसेंस प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाए, निरीक्षण प्रणाली को मजबूत किया जाए और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कठोर आपराधिक कार्रवाई हो। जब तक नियमों के उल्लंघन का डर पैदा नहीं होगा, तब तक ऐसी घटनाएं होती रहेंगी। भिवाड़ी की त्रासदी एक चेतावनी है कि विकास और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए बिना आगे बढ़ना संभव नहीं है। यह हादसा हमें बताता है कि सिस्टम की चुप्पी भी आग से ज्यादा घातक होती है। अगर अब भी व्यवस्था नहीं जागी, तो आने वाले समय में ऐसे हादसे केवल आंकड़ों में बदलते रहेंगे और समाज संवेदनहीन होता जाएगा।

अपनों के निशाने पर राहुल गांधी

राजेश पासी

ऐसा लगता है कि धीरे-धीरे कांग्रेस के नेताओं का धैर्य जवाब दे रहा है। इसकी वजह यह हो सकती है कि कांग्रेसियों को धीरे-धीरे अहसास होने लगा है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सत्ता में आने वाली नहीं है। पूरा देश कांग्रेस के पतन को देख रहा है। ऐसा कैसे हो सकता है कि कांग्रेस के बड़े नेता इसे देख न रहे हों। गांधी परिवार के दो बड़े वफादार नेताओं ने राहुल की कांग्रेस पर सवाल खड़ा कर दिया है। मध्यप्रदेश के कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कुछ समय पहले 'संगठन की शक्ति' के नाम पर एक बयान दिया था जिसका अप्रत्यक्ष रूप से निशाना राहुल गांधी ही थे। दिग्विजय सिंह ने भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी और प्रधानमंत्री मोदी की एक तस्वीर पोस्ट करके लिखा था कि चित्र बेहद प्रभावशाली है। उन्होंने लिखा था कि आरएसएस का जमीनी स्वयंसेवक और और जनसंघ-बीजेपी का कार्यकर्ता नेताओं के चरण में बैठकर प्रदेश का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री बना, ये संगठन की शक्ति है। इससे यह संदेश गया कि दिग्विजय सिंह भाजपा और मोदी जी की तारीफ कर रहे हैं।

जब इस बारे में पत्रकारों ने उनसे सवाल किया कि इसका क्या मतलब है, क्या वो कांग्रेस के संगठन में सुधार चाहते हैं। इसका जवाब देते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा था कि वो आरएसएस और भाजपा के घोर विरोधी हैं, उन्होंने केवल संगठन की तारीफ की है। उनसे पूछा गया कि क्या वो कांग्रेस के संगठन में सुधार चाहते हैं। उनका कहना था कि इसमें सुधार की गुंजाइश है और हर संगठन में सुधार की गुंजाइश रहनी चाहिए । उन्होंने कहा था कि कांग्रेस मूल रूप में एक आंदोलन की पार्टी है लेकिन अब किसी आंदोलन को वोटों में तब्दील करने में हम कमजोर पड़ जाते हैं। कांग्रेस के नेताओं ने उनके बयान पर चुप्पी साध ली थी और कहा था कि दिग्विजय सिंह ने बैठक में संगठन में सुधार की कोई बात नहीं की है। 19 दिसम्बर को अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने लिखा था कि उन्होंने राहुल गांधी से कहा है कि वो सामाजिक और आर्थिक मुद्दों के साथ-साथ कांग्रेस संगठन पर भी ध्यान दें। देखा जाए तो दिग्विजय सिंह ने यह बता दिया था कि वो कांग्रेस के वर्तमान संगठन से खुश नहीं हैं।

अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने राहुल गांधी और उनके कुछ नजदीकी नेताओं पर सीधा हमला कर दिया है। दिग्विजय सिंह ने सीधा हमला नहीं किया था लेकिन मणिशंकर अय्यर ने तो नाम लेकर हमला किया है। उन्होंने कहा है कि वो गांधीवादी, नेहरूवादी और राजीववादी हैं लेकिन राहुलवादी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी तो भूल गए हैं कि मैं भी पार्टी में हूँ। इसके अलावा उन्होंने जयराम रमेश, शशि थरूर, पवन खेड़ा और केसी वेणुगोपाल पर भी तंज कसा। कांग्रेस इस बार केरल में अपनी सरकार बनने की उम्मीद कर रही है लेकिन मणिशंकर अय्यर ने कहा कि कांग्रेस केरल में नहीं जीतेगी। सबसे बड़ी बात यह है कि उन्होंने यह बयान केरल में ही दिया है। उनका कहना है कि आगामी चुनाव के बाद भी विजयन मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे। कांग्रेस ने उनके बयानों से किनारा कर लिया है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि अय्यर का अब कांग्रेस से कोई संबंध नहीं है, वो अपनी निजी हैसियत से बोल रहे थे। इससे चिढ़ कर अय्यर ने पवन खेड़ा को कठपुतली बता दिया। उन्होंने कहा कि खेड़ा दूसरों के इशारे पर बोलते हैं और उनके प्रति मेरे मन में कोई सम्मान नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रवक्ता पद पर ऐसी नियुक्ति पार्टी की मूर्खता को दर्शाती है. वो केवल जयराम के इशारों पर बोलते हैं। वह प्रवक्ता न होकर, तोता हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल पर हमला करते हुए उन्हें गुंडा करार दिया। अय्यर ने कहा कि आप कल्पना करें कि वेणुगोपाल ने वह पद संभाल रखा है, जो कभी सरदार पटेल के पास था। शशि थरूर के बारे में कहा कि वो मोदी सरकार में विदेश मंत्री का पद लेना चाहते हैं। उन्होंने शशि थरूर को सबसे बड़ा गैरसिद्धान्तवादी करियरवादी बताया और कहा कि वो नरेंद्र मोदी की कई बार प्रशंसा कर चुके हैं।

उन्होंने 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत करने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को सबसे उपयुक्त व्यक्ति बताया । उन्होंने कहा कि स्टालिन नारेबाजी से दूर रहकर संघवाद और नीतिगत मुद्दों को उठाते हैं और राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने की राह में बाधा नहीं बनेंगे। उन्होंने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि स्टालिन 'वोट चोर, गद्दी छोड़' और 'सूट-बूट की सरकार' जैसे नारे भी नहीं देते। उन्होंने केरल कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव में नहीं जीतेगी क्योंकि कांग्रेस नेता कम्युनिस्टों से जितनी नफरत करते हैं, उससे कहीं ज्यादा एक-दूसरे से नफरत करते हैं।

दिग्विजय सिंह और मणिशंकर अय्यर कांग्रेस के बड़े नेता रहे हैं, हालांकि वो अब पहले की तरह सक्रिय नहीं हैं। वैसे भी इस समय कांग्रेस में राहुल गांधी और उनकी जुंडली के कुछ नेता ही सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस संगठन पर आरोप लगाया था जिसका मतलब था कि कांग्रेस में भाजपा की तरह कार्यकर्ता मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री नहीं बन सकता। उनके द्वारा भाजपा और संघ के संगठन की तारीफ करना ही कांग्रेस के संगठन की कमी की ओर इशारा था। मणिशंकर अय्यर ने कोई इशारा नहीं किया है, सीधी बात की है। देखा जाए तो उन्होंने राहुल गांधी को अपना नेता मानने से मना कर दिया है। गांधी परिवार की भक्ति भी उन्होंने नहीं छोड़ी है, इसलिए कहा है कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

उन्होंने कहा है कि कांग्रेस को विचार करना चाहिए कि क्यों कांग्रेस के नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। ये बात सभी जानते हैं कि राहुल गांधी से निराश होकर कांग्रेस छोड़ने वालों की गिनती करना मुश्किल है। जहां कुछ नेता राहुल गांधी के रवैये से परेशान होकर कांग्रेस को अलविदा बोल चुके हैं तो कुछ नेता कांग्रेस में अंधकारमय भविष्य को देखते हुए कांग्रेस से किनारा कर चुके हैं। राहुल गांधी के आसपास ऐसे नेताओं का जमघट है, जिनका जनता में कोई समर्थन नहीं है। देखा जाए तो राहुल गांधी की सलाहकार मंडली में सोशल मीडिया में दिखने वाले नेताओं का दबदबा है। ये नेता मीडिया में दिखाई देते हैं लेकिन जनता में इनकी पकड़ नहीं है, इसलिए इन्हें जनता के मुद्दों की भी समझ नहीं है। अय्यर ने राहुल गांधी के नारों का मजाक बनाकर बता दिया है कि राहुल गांधी के नारे हवा-हवाई हैं जिनका जनता में कोई असर नहीं है। देखा जाए तो राहुल गांधी हवा-हवाई मुद्दों को लेकर मोदी सरकार से भिड़े रहते हैं। राहुल गांधी को जनता के मुद्दों से कोई मतलब नहीं है. वो अपनी धुन में चले जा रहे हैं। यही कारण है कि उन्होंने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि स्टालिन 'वोट चोर, गद्दी छोड़' और 'सूट-बूट की सरकार' जैसे नारे भी नहीं देते। इसका मतलब है कि ऐसे नारे देना उनकी नजर में मूर्खतापूर्ण हरकत है और राहुल गांधी यही कर रहे हैं। मणिशंकर अय्यर ने वही कहा है जो आज हर कांग्रेसी के मन में है। यहां उस कांग्रेसी की बात नहीं की जा रही है, जो आंख बंद करके राहुल गांधी के पीछे चल रहा है। जिसे भी राजनीति की थोड़ी भी समझ है, वो जानता है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस विपरीत दिशा में जा रही है।

जातीय, धार्मिक व क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काने वाली प्रवृत्ति

कमलेश पांडेय

दुनिया को 'वसुधैव कुटुम्बकम' का संदेश देने वाला जनतांत्रिक भारत आज जातीय, धार्मिक और क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काने वाली 'ब्रितानी' व 'मुगलिया' सियासत के चक्रव्यूह में फंसा पड़ा है। इससे 'सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया' जैसी उसकी उदात्त सोच भी कठघरे में खड़ी प्रतीत हो रही है। यहां की प्रतिभाशाली और प्रभुत्ववाली सामान्य जातियों (सवर्णों) के खिलाफ देश में जो लक्षित पूर्वाग्रही राजनीति कथित दलित-ओबीसी नेताओं के द्वारा की जा रही है, उससे देश व समाज के सामने विभिन्न नैतिक व वैधानिक सवाल उठ खड़े हुए हैं!

हैरत की बात है कि सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की जगह बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय के नारे लगाए जाते हैं। कहीं जाति, कहीं धर्म और कहीं भाषा-क्षेत्र के नाम पर लोगों के उत्पीड़न हो रहे हैं। वहीं कहीं सामाजिक न्याय आधारित आरक्षण और साम्प्रदायिक सोच आधारित अल्पसंख्यकवाद के अव्यवहारिक पहलुओं को हवा देकर आमलोगों को उल्लू बनाया जा रहा है। आलम यह है कि ऐसे करने वाले नेता, उनके हमकदम मस्त हैं जबकि आमलोग त्रस्त हैं।

हद तो यह कि हमारे संविधान के संरक्षक अनर्गल दलीलें देकर मानवता का गला घोंट रहे हैं जबकि यही प्रवृत्ति कतिपय संविधान निर्माताओं में भी दिखी थी। वहीं आज के कथित रखवाले जन्मांध 'धृतराष्ट्र' की भूमिका निभा रहे हैं।

इनके जैसे ही नेताओं की खामोशी से जहां 1947 में साम्प्रदायिक विभाजन हुआ, वहीं इनके षडयंत्र से आजादी के बाद से ही जातीय, क्षेत्रीय व नवसंप्रदायिक विभाजन की प्रवृत्ति हावी होती दिख रही है, जो आज भी जारी है। ऐसे में एक और महाभारत छिड़ना तय है। पुनः विभाजन होना तय है। इतिहास साक्षी है कि जब कभी भी महाभारत होता है तो संख्याबल पर बुद्धिबल ही भारी पड़ती है और आगे भी यही होगा।

कहना न होगा कि कोई भी लोकतंत्र स्वतंत्रता, समानता व बन्धुत्व की बुनियाद पर मजबूत होता है, लेकिन जब बहुमत की सियासी शरारत शुरू हो जाए और वामपंथियों के वर्गवादी राजनीति को मात देने के लिए पूंजीवादी प्रभाव वश जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र की सियासत तेज हो जाए तो देर सबेर राष्ट्र राज्य का बिखरना तय होता है। इसलिए इनसे जुड़े राजनीतिक हथकंडों और उन्हें शह देने वाले संवैधानिक प्रावधानों को यदि समय रहते ही नहीं बदला गया तो बाद में इन्हें नियंत्रित करना आसान नहीं होगा!

ऐसा इसलिए कि जातिवादी कैंसर, सांप्रदायिक एड्स और क्षेत्रवादी तपेदिक (टीबी) से शांतिप्रिय व सहनशील भारतीय समाज सदियों से ग्रसित है लेकिन बीती सदी में इन्हें एक कानूनी स्वरूप देकर स्थिति को जटिल चुनौती बना दी गई है। किसी समूह के इतिहास को साक्षी मानकर उनके वर्तमान को रौंदने की जो सियासी प्रवृत्ति भारत में हावी है, उससे सामान्य व कथित सवर्ण जातियों में भारी रोष व्याप्त है।

इसलिए समावेशी संवैधानिक प्रावधानों, हिंसा-प्रतिहिंसा पर समान कानूनी सख्ती और सामाजिक जागरूकता के संयोजन से ही अब इस जटिल स्थिति से निबटना संभव है, लेकिन हमारी सियासी सोच इसके विपरीत है। वह आज भी विदेशी फूट डालो, शासन करो पर केंद्रित है। लिहाजा, कतिपय कानूनी उपाय अपेक्षित हैं। पहले चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों और नेताओं के भाषणों पर सख्त निगरानी रखनी चाहिए, तथा IPC की धारा 153A (समूहों के बीच शत्रुता फैलाना), 295A (धार्मिक भावनाएं ठेस पहुंचाना) और प्रतिनिधित्व ऑफ पीपल एक्ट की धारा 123(3) के तहत तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही मौजूदा कानूनों को और सख्त बनाकर, जैसे नफरत भरी भाषा पर त्वरित गिरफ्तारी और पार्टी मान्यता रद्द करने का प्रावधान जोड़ना, ऐसे हथकंडों पर अंकुश लग सकता है।

लगे हाथ संस्थागत सुधार के लिए भी समवेत कदम उठाने होंगे। खासकर राजनीतिक दलों को टिकट वितरण और मंत्रिमंडल गठन में जाति-धर्म आधारित समीकरणों से ऊपर उठना होगा, जबकि चुनाव सुधारों के जरिए आंतरिक लोकतंत्र सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, सोशल मीडिया पर घृणा फैलाने वाले एआई-जनरेटेड कंटेंट और प्रचार पर सख्त नियंत्रण लगाया जाए, जैसा कि हालिया चुनावी दौर में देखा गया।

वहीं, सामाजिक व शैक्षिक प्रयास से भी इस स्थिति से निबटा जा सकता है। विशेषकर शिक्षा प्रणाली में समावेशी पाठ्यक्रम लागू कर नई पीढ़ी को जाति-धर्म से ऊपर उठने की प्रेरणा दी जाए, तथा धर्मगुरुओं और सामाजिक नेताओं पर निगरानी रखी जाए। मतदाताओं को जागरूक अभियान चलाकर वोटिंग में योग्यता और नीतियों को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, ताकि विभाजनकारी रणनीतियां अप्रभावी हो जाएं।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने भी दो टूक शब्दों में कहा है कि राजनीतिक नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाने का काम करना चाहिए। जस्टिस नागरत्ना ने स्पष्ट कहा कि राजनीतिक नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाने का काम करना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि गाइडलाइन बनने पर भी उनका पालन कौन करेगा क्योंकि भाषण विचारों से उत्पन्न होते हैं और इन्हें नियंत्रित करना कठिन है। कोर्ट ने संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने पर जोर दिया, साथ ही राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी पर भी इशारा किया।

जस्टिस बागची ने कहा कि हेट स्पीच पर पहले से सिद्धांत बने हैं, लेकिन आदेश लागू करना चुनौतीपूर्ण है।

कोर्ट ने जहरीले सामाजिक माहौल की चिंता स्वीकारी, लेकिन चुनिंदा नेताओं को टारगेट करने के बजाय व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी। दरअसल याचिकाकर्ताओं ने नेताओं और संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के भाषणों को हेट स्पीच से रोकने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश बनाने की मांग की थी।

याचिका में दो प्रमुख दिशानिर्देश मांगे गए थे। पहला, संवैधानिक पदों या सार्वजनिक कार्यालयों पर बैठे लोगों के भाषण संवैधानिक नैतिकता के अधीन हों और दूसरों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन न करें। दूसरा, इन पदधारकों के सार्वजनिक भाषणों को नियंत्रित करने के लिए बिना पूर्व सेंसरशिप के दिशानिर्देश जारी किए जाएं ताकि संवैधानिक मूल्यों का पालन सुनिश्चित हो।

उल्लेखनीय है कि यह जनहित याचिका 12 पूर्व नौकरशाहों, राजनयिकों और सिविल सोसायटी सदस्यों द्वारा दायर की गई थी। इसमें असम सीएम हिमंत बिस्व सरमा, उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश सीएम योगी आदित्यनाथ जैसे नेताओं के कथित नफरती बयानों का हवाला दिया गया। हालांकि कोर्ट ने इसे पक्षपाती मानते हुए नई व्यापक याचिका दायर करने को कहा जिसमें अन्य नेताओं की टिप्पणियों का भी उल्लेख हो।

मीठे पानी की कमी नहीं, कुप्रबंधन

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज विश्व जिस सबसे गंभीर संसाधन संकट का सामना कर रहा है, उनमें मीठे जल का संकट अत्यंत गहन और बहुआयामी है। पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल का लगभग 97 प्रतिशत खारा है और केवल लगभग 3 प्रतिशत मीठा जल है, जिसमें से भी बहुत छोटा भाग ही मानव उपयोग के लिए सुलभ है। इसके बावजूद, आज विश्व की 2–3 अरब आबादी वर्ष के किसी न किसी समय जल संकट से जूझती है। यह संकट केवल जल की भौतिक कमी का नहीं, बल्कि जल की घटती उपलब्धता और समान व सुरक्षित पहुँच—दोनों का संयुक्त संकट है, जो पर्यावरणीय, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आयामों को एक साथ प्रभावित करता है।

पिछले कुछ दशकों में मीठे जल की उपलब्धता में निरंतर गिरावट देखी गई है। इसका एक प्रमुख कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। कृषि, उद्योग और घरेलू उपयोग की बढ़ती माँग ने जलभृतों पर असहनीय दबाव डाला है। हरित क्रांति के बाद सिंचाई के लिए ट्यूबवेल और बोरवेल पर बढ़ती निर्भरता ने प्राकृतिक पुनर्भरण की क्षमता को पीछे छोड़ दिया है। भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में भूजल स्तर का तीव्र पतन भविष्य की जल सुरक्षा के लिए गंभीर चेतावनी है। कई क्षेत्रों में जलभृत स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए जल उपलब्धता और भी अनिश्चित हो गई है। जल स्रोतों का प्रदूषण मीठे जल संकट का दूसरा बड़ा कारण है। नदियों, झीलों और भूजल में बिना शोधन के छोड़ा गया घरेलू सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट, भारी धातुएँ और कृषि रसायन जल को अनुपयोगी बना रहे हैं। विकासशील देशों में यह समस्या और भी गंभीर है, जहाँ शोधन अवसंरचना का अभाव है। परिणामस्वरूप, कई स्थानों पर जल उपलब्ध होते हुए भी पीने योग्य नहीं रह जाता, जिससे स्वास्थ्य संकट उत्पन्न होता है और जल की प्रभावी उपलब्धता घट जाती है। जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण हिमनदों का तीव्र पिघलना, वर्षा के पैटर्न में अनिश्चितता और सूखे-बाढ़ की बढ़ती आवृत्ति देखी जा रही है। हिमालय, आल्प्स और एंडीज़ जैसे क्षेत्रों में हिमनदों का सिकुड़ना दीर्घकाल में नदियों के प्रवाह को अस्थिर कर रहा है। अल्पकाल में यह बाढ़ का कारण बनता है, जबकि दीर्घकाल में स्थायी जल संकट को जन्म देता है। मानसूनी क्षेत्रों में अनियमित वर्षा ने जल भंडारण और कृषि योजना को भी चुनौतीपूर्ण बना दिया है। इसके साथ ही, आर्द्रभूमियों और प्राकृतिक पुनर्भरण क्षेत्रों का तेजी से क्षरण हुआ है। शहरीकरण, अवैज्ञानिक भूमि उपयोग और रियल एस्टेट विकास ने झीलों, तालाबों, बाढ़ मैदानों और दलदलों को नष्ट कर दिया है। ये पारिस्थितिक तंत्र न केवल जल संग्रह और भूजल पुनर्भरण में सहायक होते हैं, बल्कि बाढ़ और सूखे के प्रभावों को भी संतुलित करते हैं। इनके विनाश से जल चक्र का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है।

जनसंख्या वृद्धि और उपभोग के बदलते पैटर्न ने भी मीठे जल पर दबाव बढ़ाया है। शहरी जीवनशैली, जल-गहन उद्योग और भोजन की बदलती आदतें—विशेषकर मांसाहारी आहार—ने प्रति व्यक्ति जल पदचिह्न को बढ़ाया है। परिणामस्वरूप, जल की माँग प्राकृतिक पुनर्भरण क्षमता से कहीं अधिक हो गई है।

जहाँ एक ओर जल की उपलब्धता घट रही है, वहीं दूसरी ओर कई क्षेत्रों में जल उपलब्ध होते हुए भी लोगों की पहुँच उससे वंचित है। इसका प्रमुख कारण अपर्याप्त अवसंरचना है। कई देशों में जल संग्रहण, शोधन और वितरण की व्यवस्थाएँ कमजोर हैं। पुराने पाइपलाइन नेटवर्क, उच्च लीकेज और अपर्याप्त भंडारण के कारण बड़ी मात्रा में जल उपभोक्ताओं तक पहुँचने से पहले ही नष्ट हो जाता है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार विकासशील देशों में शहरी जल का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा वितरण के दौरान ही नष्ट हो जाता है। इसके अतिरिक्त, जल गुणवत्ता की समस्या भी पहुँच को सीमित करती है। जहाँ जल भौतिक रूप से उपलब्ध है, वहाँ भी प्रदूषण के कारण वह पीने योग्य नहीं रहता। दूषित जल से होने वाली बीमारियाँ आज भी कई देशों में सार्वजनिक स्वास्थ्य की बड़ी चुनौती हैं, जिससे गरीब और हाशियाकृत समुदाय सबसे अधिक प्रभावित होते हैं।

राजनीतिक और कानूनी बाधाएँ भी जल तक पहुँच को सीमित करती हैं। जल एक साझा संसाधन है, जिसके कारण अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय विवाद उत्पन्न होते हैं। नदियों के बँटवारे, संघीय ढाँचे में अधिकारों के टकराव और अंतरराष्ट्रीय नदी समझौतों की जटिलताओं के कारण कई बार जल-समृद्ध क्षेत्रों में भी समान पहुँच संभव नहीं हो पाती।

सामाजिक असमानता इस संकट का एक और महत्वपूर्ण पहलू है। जल संकट का सबसे बड़ा बोझ समाज के कमजोर वर्गों—ग्रामीण गरीबों, शहरी झुग्गी बस्तियों, महिलाओं और बच्चों—पर पड़ता है। कई स्थानों पर सामाजिक भेदभाव, गरीबी और वहन क्षमता की कमी के कारण सुरक्षित जल तक समान पहुँच नहीं मिल पाती, जिससे असमानता और गहरी हो जाती है। कमजोर जल शासन भी समस्या को जटिल बनाता है। जल प्रबंधन से जुड़ी संस्थाओं में समन्वय की कमी, विश्वसनीय डेटा का अभाव और अल्पकालिक नीतियाँ दीर्घकालिक समाधान के मार्ग में बाधा बनती हैं।

जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य दर्जा बहाल होने पर क्या लौट पाएगा पुराना रुतबा

अशोक भाटिया

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा 2019 में खत्म कर दिया गया और उसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। तब से जम्मू-कश्मीर के नेताओं ने सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक केंद्र सरकार से लड़ाई लड़ी है, ताकि इसका पूरा राज्य का दर्जा वापस मिल सके। हालांकि, अभी तक पूरा राज्य का दर्जा नहीं मिला है। इस बीच, पूरे राज्य का दर्जा मिलने की संभावना को लेकर अहम संकेत मिल रहे हैं। केंद्रीय कानून और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने दोहराया कि इस मामले पर जल्द ही फैसला आ सकता है। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब घाटी में राजनीतिक दल लंबे समय से पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग कर रहे हैं। कानून मंत्रालय द्वारा आयोजित एक क्षेत्रीय कार्यक्रम में शामिल हुए मेघवाल ने पत्रकारों से बात करते हुए इस मुद्दे को बेहद संवेदनशील बताया था । उन्होंने कहा कि चूंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा है कि जम्मू-कश्मीर अपने अधिकार वापस पाएगा, इसलिए ऐसा जरूर होगा। इसे एक प्रक्रिया बताते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को इस बारे में जल्द ही फैसला सुनने को मिल सकता है।

जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के अनुसार कि राज्य सरकार लगातार केंद्र सरकार के संपर्क रहा है और बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि जब तक राज्य का दर्जा बहाल नहीं हो जाता, लोग संतुष्ट नहीं होंगे। उन्होंने यह भी माना कि इस प्रोसेस में उम्मीद से ज़्यादा समय लगा है। केंद्रीय मंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, उमर अब्दुल्ला ने कहा कि लोग लंबे समय से अच्छी खबर का इंतज़ार कर रहे हैं और उम्मीद है कि इसमें बहुत देर नहीं होगी। उन्होंने कहा कि यह उम्मीद डेढ़ साल से बनी हुई है और सरकार को जल्द ही कोई फैसला लेना चाहिए।

गौरतलब है कि मोदी सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म करने के साथ-साथ प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करते हुए उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में बांट दिया था। इसके बाद से लगातार जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य दर्जा बहाल करने की मांग उठाई जाती रही। अब अगर छह साल बाद जम्मू-कश्मीर का पूर्ण दर्जा बहाल भी कर दिया जाता है तब भी विशेष राज्य वाला पुराना रुतबा हासिल नहीं हो सकेगा?

इसके पूर्व पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से रविवार को मुलाकात की थी ।

इसके बाद से चर्चा चल पड़ी थी कि सरकार कोई बड़ा कदम उठाने जा रही है, लेकिन क्या फैसला लेगी, ये तस्वीर अब तक साफ नहीं थी । 5 अगस्त 2019 को मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को खत्म कर ऐतिहासिक कदम उठाया था।

अब छह साल के बाद क्या फिर जम्मू-कश्मीर से जुड़े मुद्दे पर मोदी सरकार कुछ बड़ा फैसला लेने जा रही है? ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि जम्मू-कश्मीर को सरकार फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा दे सकती है।

दस महीने पहले ही जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के प्रस्ताव को उपराज्यपाल ने मंजूरी दे रखी है और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की कैबिनेट ने प्रस्ताव पास कर उपराज्यपाल के जरिए केंद्र सरकार को भेज रखा है, जिस पर फैसला मोदी सरकार को लेना बाकी है ।

बताया जाता है कि पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव करने के लिए संसद का रास्ता अपनाना होगा। इसीलिए उमर अब्दुल्ला की अगुवाई वाली सरकार, केंद्र से राज्य के लिए दर्जा बहाली की मांग कर रही है।

पर्सनल ब्रांडिंग का रायता

डॉ. सुरेश कुमार

मैं 'आर्यन' उर्फ 'आर्यन ओपी' को समझा रहा था कि भाई, अपने इस नए स्टार्टअप के 'लॉन्च इवेंट' में इतना पैसा मत फूँको। रेंटेड लेम्बोर्गिनी और फाइव स्टार होटल के बुफे से बिज़नेस नहीं चलता। पर आर्यन के भीतर का 'इंटरप्रेन्योर' जाग गया था। बोला, ब्रो, आप ओल्ड स्कूल बातें कर रहे हो। मार्केट में 'रिज़' मेंटेन नहीं की, तो इन्वेस्टर भाव नहीं देंगे। रिश्तेदारों और फॉलोअर्स में 'नाक' कट जाएगी।

उसकी नाक काफी 'लॉन्ग' थी, वैसे ही जैसे किसी स्कैम का अंत होता है। मेरा ख्याल है, नाक की हिफाजत हमारे यहाँ 'डिजिटल फुटप्रिंट' से भी ज़्यादा की जाती है। और या तो नाक बहुत 'सेंसिटिव' होती है या इंटरनेट का 'कैंसिल कल्चर' बहुत तेज़, जिससे एक 'मिम' बनते ही नाक कट जाती है। छोटे 'क्रिएटर' की नाक बहुत नाजुक होती है—वह इसे 'प्राइवेसी सेटिंग' में छिपाकर क्यों नहीं रखता?

कुछ 'बड़े इन्फ्लुएंसर', जिनकी हैसियत 'ब्लू टिक' वाली है, वे अपनी नाक पर 'स्टील की कोटिंग' करवा लेते हैं। क्रिप्टो स्कैम में जेल हो आए हैं, खुलेआम दूसरे का 'कंटेंट' कॉपी करके रील पेल रहे हैं, स्पॉन्सरशिप का पैसा डकार चुके हैं। लोग 'कीबोर्ड' लिए उनकी नाक काटने को उत्सुक हैं। मगर काटें कैसे? नाक तो 'अनकैंसिलेबल' है! चेहरे पर वैसी ही 'फिल्टर' लगाकर फिट है और बायो में 'अंत्रप्रेन्योर' लिखकर शोभा बढ़ा रही है। कुछ और भी 'प्रो' लेवल के खिलाड़ी हैं, वे अपनी नाक को 'क्लाउड स्टोरेज' में रखते हैं। तुम सारे सोशल मीडिया पर ढूँढो, नाक ही नहीं मिलती। हज़ारों फॉलोअर्स का पैसा खा चुके हैं, 'डार्क वेब' पर पकड़े जा चुके हैं, पर नाक मिलती ही नहीं। वह तो 'इन्कॉग्निटो मोड' में है! कोई 'एथिकल हैकर' अगर नाक की तलाश भी कर दे तो वर्चुअल नाक काटने से क्या होता है? नाक तो 'फेस-कैम' पर कटे, तो कुछ मतलब निकले। और जो लोग 'ठग लाइफ' जीते हैं और नाक रखते ही नहीं, उन्हें तो कोई डर ही नहीं। वे बिना 'डीपी' के भी दुनिया लूट लेते हैं। खैर, बात मैं उन 'आर्यन' की कर रहा था जो मेरे सामने बैठकर 'फंडिंग' आने से पहले ही 'सक्सेस पार्टी' का प्लान बना रहे थे। पहले वे 'मिडिल क्लास' थे, अब 'स्ट्रगलिंग फाउंडर' थे। बिगड़ा हुआ 'टेक-ब्रो' और 'क्रैश' हुआ सर्वर, दोनों एक जैसे होते हैं—दोनों का कोई भरोसा नहीं कि कब आपको 'लॉन्ग प्रेस' करके डिलीट कर दें। आदमी को बिगड़े हुए रईस और 'बैटरी लो' वाले स्मार्टफोन, दोनों से दूर रहना चाहिए। मैं तो ज़रा सा 'कंटेंट क्रिएटर' देखते ही 'एयरप्लेन मोड' लगा लेता हूँ—बड़े भाई साहब आ रहे हैं, इनका आदर करना चाहिए वरना 'टैग' कर देंगे।

तो ये 'आधुनिक बुजुर्ग' (उम्र 24 साल, पर खुद को थका हुआ सीईओ समझते थे) प्रोग्रेसिव थे। एआई और ब्लॉकचेन की बातें कर रहे थे। पर विरोधाभास यह था कि लॉन्च इवेंट 'रॉयल' करना चाहते थे। मैंने समझाया, जब जेब में 'बिटकॉइन' के नाम पर चवन्नी नहीं है, तो 'क्रेडिट कार्ड' स्वाइप करके इवेंट क्यों कर रहे हो?

रोज 4-5 मिनट 'तेज दौड़ने' का फायदा

जामा आन्कोलॉजी रिसर्च में प्रकाशित एक रिसर्च में कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति रोजाना करीब 4-5 मिनट तेज गति से दौड़ता है तो इससे करीब 13 से अधिक प्रकार के कैंसर का खतरा घटता है।

रिसर्च में करीब 22000 से अधिक पुरुषों और महिलाओं के गतिविधि ट्रैकर से मिले डाटा का उपयोग किया गया है। इनमें उन लोगों को भी शामिल किया गया था जिन्हें किन्हीं कारणों से तेजी से सीढ़ियां चढ़ना पड़ता है या जिन्हें लोकल ट्रेन पकड़नी होती है। डाटा का एनालिसिस करने से पाया गया है कि इनमें करीब 32 प्रतिशत तक कैंसर की आशंका घटती है। यह एक प्रभावशाली विश्लेषण और अध्ययन है।

ह्यूस्टन में एम.डी. एंडरसन कैंसर सैंटर के सीनियर डा. सुसान गिलक्रिस्ट का कहना है कि कैंसर और व्यायाम के बीच सीधा संबंध है। अब सवाल उठता है कि आखिर वे कौन-सी एक्टिविटीज है जिनसे कैंसर का खतरा घटता है। इस स्टडी में कहा गया है कि पसीना बहा लेने वाली चंद मिनट की गतिविधियों में कड़ी मेहनत वाला घरेलू कामकाज, किराने की दुकान से भारी सामान की खरीदारी, बहुत तेज कदमों से चलना, बच्चों के साथ थकाने वाले खेल खेलना आदि शामिल हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि जो वयस्क मेहनत नहीं करते हैं उनमें छाती, कोलेन जैसे कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है इसलिए व्यायाम बेहद जरूरी है। अलग-अलग रिसर्च की मानें तो मानव की शारीरिक रचना दौड़ने के लिए बनाई गई है। पहले लोग भोजन के लिए ज्यादा भागदौड़ करते थे। अब दिनचर्या बदल गई है ज्यादातर लोग निष्क्रिय जीवनशैली में रहते हैं इसलिए डाक्टर के पास जाने से बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि अपनी शारीरिक सक्रियता को बढ़ा दिया जाए। इसमें भी सबसे अच्छा व्यायाम दौड़ना है। इससे शरीर का हर सिस्टम सुधरता है। नहीं दौड़ने वालों की तुलना में दौड़ लगाने वाले लोगों के किसी भी कारण से मरने की 27 प्रतिशत कम आशंका रहती है। उनके दिल की बीमारियों से 30 प्रतिशत और कैंसर से जान गंवाने का खतरा 23 प्रतिशत कम रहता है।

दौड़ने से धमनियों में ब्लड का प्रवाह ठीक ढंग से होता है और हार्ट को पर्याप्त ऑक्सीजन मिलती है। इससे हार्ट अटैक का रिस्क भी कम हो जाता है।

यदि आप नियमित रूप से रोज सुबह या शाम को दौड़ने की आदत डालते हैं तो इससे आपको स्वास्थ्य के लिहाज से काफी लाभ मिल सकते हैं जो लोग पहले से ही काफी हैवी वर्कआऊट करते हैं, वे सप्ताह में 5 दिन ऐसा कर सकते हैं।

'नहाते' और 'सोते' समय आजमाएं ये टिप्स

* नहाने से पूर्व शरीर में शुद्ध सरसों के तेल से मालिश कर लेने से मांसपेशियों को पोषक तत्व मिल जाते हैं और नहाने के बाद शरीर पर पानी भी नहीं ठहर पाता।

* नहाते समय साबुन लगाने के बाद शरीर को तेजी से हाथ से रगड़ने पर मांसपेशियां मजबूत होती हैं और जिस्म से चिपके हानिकारक कीटाणु और मैल झाग के साथ मिलकर शरीर से अलग हो जाते हैं।

* नहाने के बाद भीगे हुए तौलिए से शरीर को रगड़ कर साफ करने से रोम छिद्र साफ हो जाते हैं जिससे हानिकारक पदार्थ शरीर से बाहर निकलते रहते हैं।

* नहाने के तत्काल बाद भीगे हुए बालों में कंघी न करें। सूखने के बाद ही कंघी करनी चाहिए क्योंकि भीगे हुए बालों में कंघी करने से बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं। फलतः बाल झड़ने की समस्या उत्पन्न हो जाती है।

* दही एवं बेसन की मालिश कर नहाने से शरीर में स्फूर्ति एवं त्वचा में निखार आता है।

* सरसों के तेल में हल्दी का पाऊडर डाल कर उसे गाढ़ा मरहम जैसा बना लें। नहाने से पहले उसे शरीर में लगाने से शरीर में प्राकृतिक रूप से गोरापन आता है। * नहाने से पूर्व सेब का छिलका हटाकर कद्दूकस करके चेहरे पर लेप करें। आधा घंटा बाद नहाएं। चेहरा खिल उठेगा।

*जाड़ा हो या गर्मी अधिक देर तक न नहाएं। बीमार होने का भय बना रहता है।

* तालाब या नदी में नहाते हैं तो तैरने का भी अभ्यास करें। इससे पूरे शरीर का व्यायाम भी हो जाएगा और आप तरोताजा अनुभव करेंगे।

* नहाते समय यदि आप अपनी एड़ी को लकड़ी के पाट या चिकने फर्श पर रगड़ देते हैं तो एड़ियां नहीं फटेंगी क्योंकि एड़ी में जो थोड़ी-बहुत दरार पड़ जाती है

* रात में सोने से पहले बिछावन को फर्श के घर्षण से आपस में चिपक जाती हैं जिससे बिवाइयां नहीं होतीं। अच्छी तरह झाड़ने के बाद बिछाना चाहिए।

* सोने से पहले मौसम के अनुसार हल्के, गर्म या ठंडे ताजे पानी के साथ मुंह और पैरों को धो लेने से नींद अच्छी आती है।

* तेज प्रकाश में न सोएं। नीले व हल्के हरे रंग के धीमे प्रकाश में अच्छी नींद आती है।

* बिछावन पर जाने के बाद यदि आप धीमी आवाज में कोई मधुर संगीत सुनते हैं तो वह आपके मस्तिष्क को तरोताजा बना देगा। फलतः आपको गहरी नींद आएगी।

* भूल कर भी कभी सोने के लिए नींद की गोलियों का प्रयोग न करें। ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

* सोते समय शरीर से चिपके कसे हुए वस्त्र न पहनें। वे नींद में बाधा डालेंगे। * नहाने से पूर्व थोड़ी-सी मसूर दाल को महीन पीस लें। फिर उसमें थोड़ा दूध मिला लें। उसके बाद थोड़ा चंदन घिस करइसमें डाल कर लेप बना कर चेहरे पर लगा लें। चेहरे को दस मिनट हवा में सूखने दें। फिर नहाते समय चेहरा अच्छी तरह धो कर थपथपा लेने से त्वचा में निखार आता है।

* यदि आपकी जेब में सिक्के, कलम या किसी प्रकार की नुकीली वस्तु है तो सोने से पहले बाहर रख दें।

फरवरी की यह गर्मी नहीं आम, फूड चेन पर पड़ सकता है असर, सेहत पर भी खतरा

फरवरी को सर्दी का महीना माना जाता है लेकिन तापमान को लेकर अप्रत्याशित बदलाव देखने को मिलने लगा है। तपिश गर्मी का अहसास कराने लगी है। देश की राजधानी दिल्ली की बात करें तो 16 फरवरी को साल का सबसे गर्म दिन रहा। सुबह की ठंड कम हो रही है और कोहरा मुश्किल से दिख रहा है। दिन का तापमान भी 30 डिग्री के आसपास तक पहुंच जाता है। ऐसी गर्मी आम नहीं है। इंडियन एक्सप्रेस में हाल में प्रकाशित एक आलेख के अनुसार चल रहे सर्दियों के मौसम के बावजूद मुंबई में असामान्य रूप से ज़्यादा तापमान में तप रहा है पिछले हफ़्ते अधिकतम तापमान लगातार सामान्य से 3.4 डिग्री ज़्यादा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों ने तापमान में हालिया बढ़ोतरी का कारण पूर्वी हवाओं का आना या समुद्र के बजाय ज़मीन की तरफ़ से आने वाली गर्म हवाओं को बताया है।

आईएमडी के वैज्ञानिकों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से निचले लेवल पर पूर्वी हवाएं चल रही हैं जो ज़मीन से गर्म हवाओं के आने का इशारा है। इससे पिछले हफ़्ते टेम्परेचर में बढ़ोतरी हुई है। मुंबई में आमतौर पर अरब सागर से आने वाली ठंडी हवाएं चलती हैं। ज़मीन पानी के मुकाबले तेज़ी से गर्म होती है और अंदरूनी इलाकों से आने वाली हवाएं गर्म सूखी हवा लाती हैं जिससे दिन का टेम्परेचर बढ़ जाता है। इस सीज़न में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस भी कम देखे गए हैं. ये वे वेदर सिस्टम हैं जो आमतौर पर नॉर्थ इंडिया में बादल, बारिश या स्नोफॉल लाते हैं और वेस्टर्न इंडिया में टेम्परेचर कम करने में मदद करते हैं। साल 2025 की फरवरी 125 साल में सबसे गर्म महीना था। इससे पहले 2024 को 1901 के रिकॉर्ड में सबसे गर्म साल घोषित किया गया था। एक्सपर्ट के अनुसार तापमान में अप्रत्याशित बढ़ोतरी लोगों की सेहत पर भी असर डाल सकती है। इसलिए बढ़ते तापामान के लिए बेहतर अर्बन प्लानिंग, ज़्यादा ग्रीन कवर और बेहतर वॉटर मैनेजमेंट की ज़रूरत है। बेहतर अर्ली वॉर्निंग सिस्टम भी अब जरुरी हो गया है।

जानिए क्या कहते हैं आंकडे

डाउन टू अर्थ में छपे एक अन्य आलेख के अनुसार देशभर मे 36 में से 27 शहरों में फरवरी के पहले 15 दिनों के दौरान अधिकतम दिन का तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। रात का तापमान यानी न्यूनतम तापमान भी ऊंचा रहा। 20 राज्यों में पहले 15 दिनों में से कम से कम 10 दिनों तक रात का तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया। उत्तर भारत में बेमौसमी गर्मी का असर खास तौर पर अधिक स्पष्ट रहा। यहां 27 में से 15 शहरों में अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किए गए। आमतौर पर कड़ाके की सर्दी के लिए पहचाने जाने वाले इस क्षेत्र में मौसमी पैटर्न से यह बड़ा अंतर था। नई दिल्ली, जयपुर, जम्मू, हिसार, लुधियाना, लखनऊ और चंडीगढ़ जैसे शहरों में अधिकतम और रात का तापमान इस समय के औसत से कई डिग्री अधिक रहा और कई बार 25 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर पहुंच गया।

विशेषज्ञों के अनुसार तेज गर्मी से गेहूं की फसल समय से पहले पक सकती है। इसके उत्पादन में कमी आ सकती है। 2022 के मार्च महीने में लू के कारण गेहूं फसल पर असर पड़ा था। सरसों, चना, मसूर और मटर समय से पहले फूल दे सकती हैं जिससे फलियों का विकास कमजोर रहेगा। पैदावार घट सकती है। गर्म परिस्थितियां चेंपा और अन्य रस चूसने वाले कीटों की तेजी से वृद्धि के लिए भी अनुकूल हो सकती हैं।आलू, प्याज, लहसुन, टमाटर, फूलगोभी, पत्तागोभी और मटर जैसी सब्जी फसलें भी कंद बनने, गांठ विकसित होने, फूल आने और फल लगने जैसे महत्वपूर्ण चरणों में प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो सकती हैं। पशुधन और पोल्ट्री में हीट स्ट्रेस बढ़ सकता है। चारे का सेवन घट सकता है, दूध और अंडा उत्पादन में कमी आ सकती है। बीमारियों का भी खतरा बढ़ सकता है।

पुनीत उपाध्याय

'बच्चे से मां का दूध छुड़वाने' के आसान तरीके

बच्चा जन्म लेने के बाद सबसे पहले अपनी मां का दूध पीता है। बच्चे के विकास के लिए मां के दूध से बेहतर और कुछ नहीं होता। स्तनपान करवाने से मां और बच्चे दोनों के बीच का रिश्ता मजबूत होता है। इसके अलावा शिशु को पोषण भी मिलता है। जितना मां का दूध पिलाना बच्चे के लिए जरूरी है, उतना ही बच्चे की उम्र बढ़ने के बाद बच्चे का दूध छुड़वाना भी जरूरी है, ताकि ठोस आहार की पूर्ति हो सके। बच्चे से मां का दूध छुड़वाना बहुत कठिन होता है। इसके लिए महिलाओं को कई प्रयास करने होते हैं।

बच्चे को थोड़ा दूर सुलाना बच्चे के साथ सोना मां और बच्चे के रिश्ते का सबसे खास पल होता है लेकिन बच्चे का दूध छुड़ाने के लिए आपको उसके साथ नहीं सोना चाहिए। इसके लिए आप बच्चे के बैड के पास ही थोड़ी दूरी पर सो सकती हैं। अगर आप बच्चे के पास सोती हैं तो वह रात को स्तनपान करने की जिद कर सकता है।

केवल तब दूध पिलाएं जब वह मांग करे

अगर आपको हर उस समय दूध पिलाने की आदत है, जैसे आप पहले पिलाती थीं, तो अब ऐसा न करें। अगर आप ऐसा ही करती रहेंगी, तो आपके बच्चे की यह आदत कभी जा ही नहीं पाएगी।

इसके लिए आप बच्चे को केवल उस खास समय दूध पिलाएं, जब वह इसकी मांग करता है या अधिक रोता है। कोशिश करें वही मेन समय बन जाए और एक ही समय आप ब्रेस्ट फीडिंग कराएं।

दबाव न डालें

जब बच्चा मां का दूध पीता है, तो निप्पल काफी संवेदनशील हो जाते हैं। ऐसे में आप केवल पीठ के बल ही सोएं और ध्यान दें कि ब्रेस्ट पर ज्यादा दबाव न पड़े। ऐसा करने से स्तनों में दूध बनने की प्रक्रिया कम होने लगती है, जिससे बच्चा आसानी से दूध छोड़ पाता है।

स्किप करें फीडिंग सैशन

हर बच्चे का दूध पीने का एक ऐसा समय होता है, जब उसे दूध जरूर चाहिए होता है इसलिए आप केवल उसे उसी एक या दो वक्त दूध दें, जिनके बिना वह नहीं रह सकता, जिस कारण उसका पेट भर जाए। दूध पिलाने के अन्य समय में आप उसे घर के किसी अन्य व्यक्ति के साथ खेलने या किसी और काम में व्यस्त कर दें, ताकि वह दूध को याद ही न कर पाए। पैसिफायर और फॉर्मूला मिल्क बच्चों का दूध छुड़ाने के लिए उनके मुंह में पैसिफायर (चूसनी) देना भी एक अच्छा उपाय है।

बच्चों के लिए दूध जरूरी है, इसलिए स्तनपान बंद करने पर आप उन्हें फॉर्मूला मिल्क देना शुरू कर दें। दिन में एक बार बच्चे को स्तनपान करवाएं और फिर दूसरी बाद बोतल या कप से दूध पिलाएं। मां के दूध की तुलना में फॉर्मूला मिल्क भारी होता है और इससे बच्चे का पेट लंबे समय तक भरा रहता है।

लगातार आती खांसी को न लें हल्के में

सर्दी- जुकाम और खांसी जैसी बीमारियों को सब हल्के में लेते हैं, क्योंकि ये कुछ दिनों में खुद ही ठीक हो जाती है। लेकिन अगर ये खांस लंबे समय तक ना जाए तो आपको सतर्क होने की जरूरत है। ये लंग्स कैंसर का लक्षण हो सकता है। ये खांसी समय के साथ और ज्यादा बेकार हालत कर सकती है। खांसी के अलावा, लंग्स के कैंसर के रोगियों को सीने में दर्द, घरघराहट, सांस लेने में तकलीफ, वजन कम होना जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

लंग्स कैंसर के लक्षणों और कारण

लंबे वक्त तक खांसी का रहना
छाती में दर्द
सांस लेने में कठिनाई
खाँसी में खून आना
हर समय बहुत थकान महसूस करना
बिना किसी कारण के वजन कम होना
भूख न लगना
आवाज का बैठना
सिर में दर्द
हड्डियों में दर्द रहना

लंग्स कैंसर के कारण

स्मोकिंग

जो लोग सिगरेट पीते हैं, उन्हें भी बहुत खांसी आती है और ये लंग्स कैंसर के भी प्रमुख कारणों में से एक है। स्मोकिंग से लंग्स के कैंसर का खतरा काफी हद तक बढ़ जाता है।

सेकंडहैंड स्मोकिंग

भले ही आप स्मोकिंग नहीं करते हों, लेकिन अगर आप स्मोकिंग के संपर्क में आते हैं, तो भी लंग्स कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

रेडिएशन थैरेपी का इतिहास

यदि आपने किसी अन्य प्रकार के कैंसर के लिए छाती पर रेडिएशन थैरेपी ली है, तो आपको लंग्स का कैंसर होने का खतरा बढ़ सकता है।

रेडॉन गैस के संपर्क में आना

मिट्टी, चट्टान और पानी में यूरेनियम के प्राकृतिक रूप से टूटने पर उत्पन्न हुआ रेडॉन आपके द्वारा सांस लेने वाली हवा का हिस्सा बन जाता है। रेडॉन का असुरक्षित स्तर घरों सहित किसी भी इमारत में जमा हो सकता है।

पारिवारिक इतिहास

जिन लोगों के घर में मां- बाप, भाई-बहन या परिवार के किसी अन्य सदस्य को लंग्स का कैंसर है, तो उनमें इस बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।

परीक्षा प्रतिस्पर्धा नहीं, निर्माण यात्रा

बोर्ड परीक्षाएं सर पर है और परीक्षा को लेकर बच्चों, माता-पिता और विद्यालयों के मन में एक स्वाभाविक डर एवं बेचैनी है लेकिन डरना या परेशान होना किसी समस्या का हल नहीं होता. हल है उस समस्या का शांत मन एवं सही तरीके से सामना करना।

अंक नहीं पहचान

आज का सबसे बड़ा सच यह है कि बच्चे असफलता से नहीं, अपेक्षाओं से डरते हैं। वे प्रश्नपत्र से नहीं, परिणाम से घबराते हैं। परीक्षा उनके लिए ज्ञान का उत्सव नहीं, बल्कि भय का उत्सव बनती जा रही है। ऐसे में सबसे पहली आवश्यकता मानसिक तैयारी की है।

बच्चे को यह समझाना जरूरी है कि परीक्षा जीवन नहीं है बल्कि जीवन का एक चरण मात्र है। अंक उनकी पहचान नहीं केवल एक आकलन है । परिणाम चाहे जैसा हो उसके लिए तैयार भी रहना है लेकिन बेहतरी के लिए निरंतर प्रयास जरूर करना है।

आत्मविश्वास और संतुलन

आत्मविश्वास, धैर्य और संतुलन ही वास्तविक सफलता की नींव हैं। बच्चों को तुलना की संस्कृति से बाहर निकालना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, क्योंकि हर बच्चा अलग क्षमता, गति और प्रतिभा लेकर जन्मता है। एक ही मापदंड से सबको तौलना न केवल अन्याय , बल्कि मानसिक हिंसा भी है। मानसिक संतुलन के लिए दैनिक जीवन में अभ्यास आवश्यक हैं। प्रतिदिन कुछ समय शांत बैठकर मन को स्थिर करना, अपनी चिंता को शब्दों में लिखकर बाहर निकालना, स्वयं से सकारात्मक संवाद करना और अपने लक्ष्य की स्पष्ट कल्पना करना छोटे मगर बड़े परिणाम देने वाले उपाय हैं।

नींद और खान पान

इसके साथ-साथ खान-पान की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आज बच्चों का भोजन स्वाद केंद्रित हो गया है, पोषण केंद्रित नहीं जबकि मस्तिष्क का विकास भोजन पर निर्भर करता है। दूध, दही, दाल, फल, सूखे मेवे, हरी सब्जियाँ, अंकुरित अनाज जैसे खाद्य पदार्थ न केवल शरीर को शक्ति देते हैं, बल्कि स्मरण शक्ति और एकाग्रता को भी मजबूत करते हैं। इसके विपरीत अत्यधिक तला-भुना भोजन, कृत्रिम पेय, अत्यधिक मिठास और अनियमित भोजन दिनचर्या मानसिक थकान और चिड़चिड़ेपन को जन्म देती है। भोजन केवल पेट भरने स्वाद लेनेका साधन नहीं है, वह मस्तिष्क का ईंधन है। इसलिए स्वाद या पेट भरने के लिए नहीं बल्कि अंदर से पुष्ट होने के लिए संतुलित भोजन जरुरी है।

तैयारी और अध्ययन

परीक्षा में सफलता का सबसे बड़ा आधार है बच्चों की खुद की तैयारी। यदि बच्चा केवल विद्यालय, शिक्षकों या बाहरी सहायता पर निर्भर है, तो उसकी तैयारी अच्छी नहीं हो सकती । लेकिन यदि वह स्वयं समय प्रबंधन, नियमित अध्ययन, आत्ममूल्यांकन और निरंतर अभ्यास सीख लेता है, तो उसकी सफलता तय है। रोज़ थोड़ा, पर नियमित पढ़ना, रटने की बजाय समझना, प्रश्नों के माध्यम से अभ्यास करना और बार-बार पुनरावृत्ति करना यें सरल सिद्धांत हैं, पर प्रभाव अत्यंत गहरा है।

माता-पिता और परिवार

माता-पिता की भूमिका इस पूरी प्रक्रिया में सबसे निर्णायक होती है। आज अनेक बच्चे परीक्षा से नहीं, घर के दबाव से टूटते हैं। जब घर तुलना का केंद्र बन जाता है, जब संवाद की जगह उपदेश ले लेता है, जब भरोसे की जगह नियंत्रण आ जाता है, तब बच्चा भीतर से अकेला हो जाता है। आदर्श माता-पिता वह नहीं जो केवल अच्छे परिणाम पर गर्व करें बल्कि वे होते हैं जो प्रयास पर गर्व करना सिखाते हैं। बच्चे को यह भरोसा देना कि परिणाम कुछ भी हो, परिवार उसके साथ खड़ा है, यही भावनात्मक सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी शक्ति बनती है। शांत वातावरण, सकारात्मक भाषा, धैर्यपूर्ण संवाद और संवेदनशील व्यवहार बच्चों के भीतर साहस पैदा करता है।

शिक्षक और विद्यालय

विद्यालयों की भूमिका भी केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। विद्यालय यदि केवल अंक उत्पादन केंद्र बनेंगे तो बच्चे संवेदनशील मनुष्य नहीं, थके हुए यंत्र बनेंगे। विद्यालय का कार्य केवल परीक्षा की तैयारी नहीं, जीवन की तैयारी होना चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य पर संवाद, जीवन कौशल की शिक्षा, व्यक्तित्व विकास के कार्यक्रम, मार्गदर्शन सत्र और नैतिक मूल्यों का संस्कार – यह सब विद्यालयी व्यवस्था का अनिवार्य अंग होना चाहिए। शिक्षा यदि केवल प्रतियोगिता सिखाएगी, तो समाज असंवेदनशील बनेगा; यदि सहयोग सिखाएगी, तो समाज मानवीय बनेगा।

शिक्षकों की भूमिका भी केवल विषय विशेषज्ञ की नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की होनी चाहिए। एक सच्चा शिक्षक वह है जो बच्चे के भीतर डर नहीं, विश्वास पैदा करे। जो दंड नहीं, दिशा दे। जो तुलना नहीं, प्रेरणा दे। शिक्षक यदि बच्चे को स्वयं पर भरोसा करना सिखा दे, तो वही शिक्षा की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

मोबाइल और तकनीक

डिजिटल साधनों का संतुलित उपयोग भी आज अत्यंत आवश्यक है। तकनीक ज्ञान का साधन बने, लत नहीं। मोबाइल और डिजिटल माध्यम पढ़ाई में सहायक हों, बाधक नहीं। बच्चों को यह अनुशासन सिखाना जरूरी है कि हर सुविधा का उपयोग हो लेकिन सीमाओं के साथ।

अंततः यह समझना होगा कि परीक्षा की पुरानी सोच बदलनी होगी। परीक्षा को डर और दबाव का माध्यम नहीं, विकास और आत्मनिर्माण का अवसर बनाना होगा।

स्पर्धा नहीं, निर्माण यात्रा

और हां, सफलता का अर्थ केवल अच्छे अंक लाना नहीं है. सफलता का अर्थ है, आत्मविश्वास, संतुलन, स्थिरता और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टि क्योंकि अंक केवल भविष्य की दिशा दिखाते हैं लेकिन जीवन की दिशा चरित्र तय करता है। यदि हम बच्चों को केवल सफल विद्यार्थी नहीं, बल्कि सशक्त मनुष्य बनाना चाहते हैं तो परीक्षा की तैयारी को प्रतिस्पर्धा नहीं, निर्माण यात्रा बनाना होगा।

डॉ घनश्याम बादल

सिद्धार्थ मल्होत्रा के पिता सुनील मल्होत्रा का निधन

इंस्टाग्राम पर पिता को याद कर एक्टर ने लिखा- पापा, आपकी ईमानदारी मेरी सबसे बड़ी विरासत

एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के पिता सुनील मल्होत्रा का निधन हो गया। इस बात की जानकारी मंगलवार शाम एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने पिता के साथ पुरानी तस्वीरें शेयर करते हुए श्रद्धांजलि दी और अपने पिता को याद किया।

बता दें कि सिद्धार्थ के पिता सुनील मल्होत्रा मर्चेंट नेवी में कैप्टन थे। आज तक की रिपोर्ट के अनुसार, सिद्धार्थ के पिता का शनिवार, 14 फरवरी को दिल्ली में निधन हुआ।

सिद्धार्थ ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर पिता के साथ अपनी बचपन से लेकर हाल के समय तक की कई तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें पिता के साथ बिताए पल दिखे। तस्वीरों में पिता के साथ उनकी मां रीमा, भाई हर्षद और पत्नी कियारा आडवाणी भी नजर आईं।

पोस्ट के कैप्शन में सिद्धार्थ ने लिखा कि उनके पिता ऐसे इंसान थे, जो हमेशा मूल्यों पर टिके रहे। वे अनुशासित थे, लेकिन सख्त नहीं; मजबूत थे, पर अहंकारी नहीं। जीवन की कठिन परीक्षाओं के दौरान भी उन्होंने पॉजिटिव सोच बनाए रखी।

उन्होंने आगे लिखा, "मर्चेंट नेवी कैप्टन के रूप में समुद्रों का नेतृत्व करने से लेकर बीमारी का साहस से सामना करने तक, उन्होंने कभी समझौता नहीं किया। स्ट्रोक के बाद व्हीलचेयर पर होने के बावजूद उनका हौसला अडिग रहा।" सिद्धार्थ ने अपनी पोस्ट में यह भी लिखा, "पापा, आपकी ईमानदारी मेरी सबसे बड़ी विरासत है। आपकी ताकत मुझे हर दिन प्रेरित करती है। आप शांति से नींद में हमें छोड़ गए, लेकिन आपकी कमी अपार है। मैं जो भी हूं, आपकी वजह से हूं।"

कियारा ने भी इमोशनल पोस्ट शेयर की

सिद्धार्थ के पिता के निधन पर कियारा ने भी इमोशनल पोस्ट शेयर की है। उन्होंने लिखा कि शुरुआत से ही पापा ने उन्हें खुले दिल से अपनाया। उनका प्यार, समझदारी और स्नेह पूरे परिवार को संभाल कर रखने वाला था।

कियारा ने कहा कि वे हमेशा परिवार के साथ खड़े रहे और बिना किसी अपेक्षा के सबको प्यार देते रहे। उनकी कहानियां, हंसी, सादगी और मजबूत व्यक्तित्व हमेशा याद रहेंगे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धार्थ आखिरी बार फिल्म परम सुंदरी में नजर आए थे। पर्सनल लाइफ की बात करें, सिद्धार्थ और कियारा की पहली संतान, बेटी सरायाह मल्होत्रा का जन्म 15 जुलाई 2025 को मुंबई के रिलायंस अस्पताल में हुआ था।

ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बना रहे हैं विवेक अग्निहोत्री? अफवाहों पर निर्देशक ने तोड़ी चुप्पी

फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' फेम निर्देशक विवेक अग्निहोत्री को लेकर ऐसी चर्चा है कि वे पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। ऐसी अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने चुप्पी तोड़ी है।

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 आतंकी हमला हुआ था इसके बाद भारतीय सेना की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया, जिसके तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि विवेक, टी-सीरीज के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने वाले हैं। वहीं, इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, एक बातचीत में विवेक अग्निहोत्री ने इस टॉपिक पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि वे एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने और डिटेल्स बताने से मना कर दिया।

जल्द करेंगे बड़े प्रोजेक्ट का एलान

विवेक अग्निहोत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने संबंधी रिपोर्ट्स की पुष्टि करने या खारिज करने से मना करते हुए कहा, 'मैं किसी का नाम नहीं बता रहा हूं। मैं कह रहा हूं कि मैं एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहा हूं और मैं अपने समय पर इसका एलान करूंगा। यह बहुत बड़ा और बहुत ही दिलचस्प प्रोजेक्ट है।

अफवाहों को न खारिज किया, न ही पुष्टि की

पिंकविला के मुताबिक, प्रोडक्शन हाउस के करीबी सूत्रों ने बताया, 'भूषण कुमार और विवेक अग्निहोत्री ने अपनी अगली फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए हाथ मिलाया है। इसे टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जाएगा। विवेक अग्निहोत्री इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, विवेक अग्निहोत्री से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बताया। उन्होंने न ही पुष्टि की, न ही खारिज किया। हालांकि, देखना दिलचस्प होगा कि निर्देशक ने अपने जिस अगले प्रोजेक्ट की बात की है, क्या वह इसी मुद्दे पर है या किसी और विषय पर फिल्म बना रहे हैं।

सलीम खान को ब्रेन हेमरेज

डॉक्टर बोले- छोटी सर्जिकल प्रोसीजर की गई, यह ब्रेन सर्जरी नहीं, कुछ दिन अस्पताल में ही रहेंगे

सलमान खान के पिता और दिग्गज स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान को ब्रेन हेमरेज हुआ है, जिसके बाद उनकी एक छोटी सी सर्जिकल प्रोसीजर की गई है।

लीलावती अस्पताल के डॉक्टर जलील पार्कर ने मीडिया से बातचीत में बताया कि सलीम खान की डिजिटल सब्स्ट्रैक्शन एंजियोग्राफी की गई है। यह कोई ब्रेन सर्जरी नहीं है। डिजिटल सब्स्ट्रैक्शन एंजियोग्राफी एक हाईक्वालिटी का एक्स-रे होता है। इसमें शरीर की नसों में हुए ब्लॉकेज को ज्यादा साफ देखा जा सकता है। इसे सेरेब्रल एंजियोग्राफी भी कहा जाता है।

डॉक्टर पार्कर के अनुसार, फिलहाल सलीम खान को डिस्चार्ज नहीं किया जाएगा। उन्हें कुछ दिनों तक डॉक्टर्स की निगरानी में रखा जाएगा। हालांकि, उनकी हालत स्थिर है और वे रिकवरी कर रहे हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा तो उन्हें आज या कल तक वेंटिलेटर सपोर्ट से हटाया जा सकता है, लेकिन डिस्चार्ज को लेकर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।

सलीम खान की तबीयत बिगड़ने के बाद मंगलवार को सलमान खान शूटिंग छोड़कर अस्पताल पहुंचे। वहीं, संजय दत्त और जावेद अख्तर भी अस्पताल पहुंचे।

एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए अरबाज

मंगलवार को अरबाज खान अपनी पत्नी शूरा के साथ पिता से मिलने अस्पताल पहुंचे थे। वहीं, बुधवार सुबह उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर एंट्री करते हुए स्पॉट किया गया।

'साइको सैयां' जुनूनी आशिकी बने रवि किशन तेजस्वी प्रकाश का दिखा दमदार अंदाज

रवि किशन एक मंझे हुए कलाकार हैं, हर किरदार में जान डाल देते हैं। आज उनकी अपकमिंग सीरीज 'साइको सैयां' का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें 'नागिन' से फेमस हुईं टीवी एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश भी एक अहम किरदार निभा रही हैं। जानिए, क्या खास दिखा 'साइको सैयां' के ट्रेलर में। दो मिनट के इस ट्रेलर में सबसे पहले कार्तिक (अनुद सिंह) की एंट्री होती है। वह उज्जैन का एक लड़का है, जिसकी दुनिया तब उलट जाती है, जब वह चारू से मिलता है। चारू का रोल तेजस्वी प्रकाश ने निभाया है। ट्रेलर में पहले रोमांस नजर आता है, लेकिन जैसे जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, कार्तिक का प्यार जुनून में बदल जाता है। वह शहर में चारू का पीछा करता है। जो भी चारू के करीब आता है, उसे रास्ते से हटाने के लिए कड़े कदम भी उठाता है। फिर ट्रेलर में नजर आते हैं, रवि किशन। वह भी इस सीरीज में एक और जुननी आशिक बने हैं। उनके किरदार की एंट्री के बाद कहानी में नए ट्विस्ट आते हैं।

रवि किशन ने अपने किरदार को लेकर क्या कहा?

इस सीरीज में अपने किरदार के बारे में रवि किशन कहते हैं, 'मेरे किरदार अपने ही नियमों से खेलता है और अपने साथ एक तरह की अनप्रेडिक्टेबिलिटी लाता है। यह एक इंटेंस, बेबाक रोल है। इसे करने में मुझे मजा आया।' इस सीरीज से ओटीटी पर तेजस्वी प्रकाश डेब्यू कर रही हैं। वह कहती हैं, 'साइको सैयां से ओटीटी पर डेब्यू कर रही हूं। मेरे रोल काफी लेयर्ड हैं। मैं इस रोल के लिए शुक्रगुजार हूं।'

ये एक्टर्स भी हैं सीरीज का हिस्सा

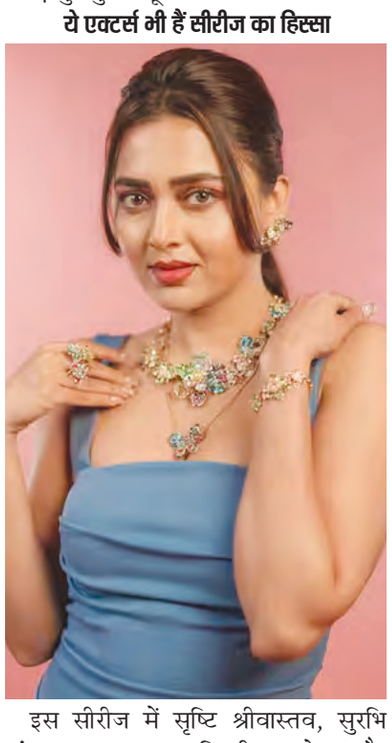

इस सीरीज में सृष्टि श्रीवास्तव, सुरभि चंदना, वरुण भगत, अश्विनी कालसेकर और यशपाल शर्मा भी सपोर्टिंग रोल में हैं। 'साइको सैयां' 25 फरवरी से अमेजन एमएक्स प्लेयर, प्राइम वीडियो जैसे सभी प्लेटफॉर्म पर फ्री में स्ट्रीम होगी।

सीनियर एक्ट्रेस प्रवीना देशपांडे का निधन: सलमान खान की फिल्म रेडी में नजर आई थीं

सीनियर एक्ट्रेस प्रवीना देशपांडे का मंगलवार को निधन हो गया। इस बात की जानकारी एक्ट्रेस के परिवार ने उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर दी। जिसके बाद मंगलवार दोपहर मुंबई के अंधेरी स्थित श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। एक्ट्रेस समय से कैंसर से जूझ रही थीं। 2019 में उन्हें मल्टीपल मायलोमा डायग्नोज हुआ था। बोन मैरो ट्रांसप्लांट के दौरान वे 17 दिन आइसोलेशन में रहीं। बता दें कि प्रवीना देशपांडे ने सलमान खान की सुपरहिट फिल्म रेडी में शालिनी चौधरी का रोल प्ले किया था। इसके अलावा उन्होंने एक विलेन, गब्बर इज़ बैक और परमाणुः द स्टोरी ऑफ पोखरण जैसी फिल्मों में काम किया। हाल ही में वे इमरान हाशमी की वेब सीरीज 'तस्करीः द स्मगलर्स वेब'' में कैमियो रोल में नजर आई थीं।

एक्ट्रेस के निधन पर सिने एंड टेलीविजन आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, "CINTAA प्रवीना देशपांडे जी (2008 से सदस्य) के निधन पर दुख व्यक्त करता है।" एक्टर पलाश दत्ता, जिन्होंने प्रवीना देशपांडे के साथ शॉर्ट फिल्म 'थैंक्स मॉम' में काम किया था, ने दुख जताते हुए लिखा कि प्रवीना जी एक बेहतरीन कलाकार और प्यारी इंसान थीं। पलाश ने बताया कि वे पिछले 22 साल से उन्हें जानते थे। उन्होंने यह भी कहा कि 'थैंक्स मॉम' की शूटिंग के दौरान प्रवीना कैंसर से जूझ रही थीं, लेकिन दर्द और कीमोथेरेपी के बावजूद उन्होंने काम पूरा किया और इसके लिए पुरस्कार भी जीते।

चेक बाउंस मामले में अमीषा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

एक्ट्रेस बोलीं- मामला पहले ही सुलझ चुका है, कानूनी कार्रवाई करूंगी

चेक बाउंस मामले में एक्ट्रेस अमीषा पटेल की मुश्किलें भी बढ़ती नजर आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2017 के एक इवेंट विवाद से जुड़े मामले में मुरादाबाद की अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। हालांकि, इन खबरों पर अब एक्ट्रेस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए अमीषा पटेल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, मीडिया में मुरादाबाद में पवन वर्मा द्वारा की गई कुछ कार्यवाही को लेकर खबरें चल रही हैं। मैं सभी को बताना चाहती हूं कि यह बहुत पुराना मामला है, जिसमें पवन वर्मा ने सालों पहले समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए थे और पूरी सहमति राशि प्राप्त कर ली थी।

उन्होंने आगे कहा, इसके बावजूद उन्होंने झूठे आरोप लगाकर फिर से मामला शुरू कर दिया है। मेरे वकील उनके खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज करेंगे ताकि सच्चाई सामने आ सके। मैं इन बातों पर ध्यान देने के बजाय अपने काम पर फोकस करना चाहती हूं और ऐसे लोगों को नजरअंदाज करूंगी जो झूठ बोलकर पब्लिसिटी पाने की कोशिश करते हैं।

जानिए पूरा मामला क्या है?

फ्री प्रेस जर्नल के मुताबिक, अमीषा पटेल के खिलाफ यह शिकायत मुरादाबाद के इवेंट आयोजक पवन वर्मा ने कराई है। उनका कहना है कि 16 नवंबर 2017 को मुरादाबाद में एक शादी में परफॉर्म करने के लिए अमीषा को बुलाया गया था। इसके लिए 14.50 लाख एडवांस दिए गए थे और होटल में ठहरने की व्यवस्था भी की गई थी। लेकिन वह कार्यक्रम में नहीं पहुंचीं।

आयोजक का आरोप है कि बाद में बातचीत के दौरान उन्होंने पूरी रकम लौटाने का आश्वासन दिया। 10 लाख रुपए नकद लौटा दिए गए थे, लेकिन बाद में दिया गया 4.50 लाख का चेक बाउंस हो गया। भुगतान को लेकर विवाद बढ़ने के बाद उन्होंने कानूनी कार्रवाई के लिए अदालत का रुख किया।

मुरादाबाद की अतिरिक्त सिविल जज (जूनियर डिवीजन) की अदालत से कई बार समन जारी होने के बावजूद अमीषा पेश नहीं हुईं, जिसके बाद अदालत ने उनकी मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए गैर-जमानती वारंट जारी किया। अब इस मामले में 27 मार्च को सुनवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई एल्विश यादव को फटकार समाज पर बुरा प्रभाव पड़ने की कही बात

एक रेव पार्टी में एल्विश यादव पर कथित तौर पर सांप के जहर का इस्तेमाल करने की बात सामने आई थी। इस मामले में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया। नवंबर 2023 में मामला दर्ज किया गया था। इस मामले को लेकर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने काफी सख्त रवैया अपनाया है।

कोर्ट ने एल्विश को लेकर क्या कहा?

सांप के जहर के मामले में वाइल्डलाइफ (प्रोटेक्शन) एक्ट के तहत यूट्यूबर एल्विश यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई। इस मामले की जांच करने का संकेत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि अगर मशहूर लोगों को सांपों की तरह बेजुबान जानवरों का इस्तेमाल करने दिया गया, तो इससे समाज में बहुत बुरा संदेश जा सकता है।खबर के अनुसार जस्टिस एमएम सुंदरेश और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच, एल्विश यादव द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में उनके खिलाफ दायर चार्जशीट और क्रिमिनल कार्रवाई को चुनौती दी गई थी।

कोर्ट में एल्विश यादव के व्यवहार की कड़ी निंदा की

कोर्ट ने कहा, 'अगर मशहूर लोगों को सांप जैसे बेजुबान जानवरों का इस्तेमाल करने दिया गया, तो इससे समाज में बहुत बुरा संदेश जाएगा। आप सांप को लेकर खेलते हैं। आपने

सांप से डील किया या नहीं? क्या आप जू जाकर वहां जानवरों के साथ खेल सकते हैं? क्या यह जुर्म नहीं होगा? आप यह नहीं कह सकते कि आप जो चाहें करेंगे। कोर्ट ने एल्विश यादव के वकील से पूछा कि हम वाइल्डलाइफ (प्रोटेक्शन) एक्ट के तहत शिकायत को लेकर चिंतित हैं।' एल्विश यादव की तरफ से पेश हुईं सीनियर वकील मुक्ता गुप्ता ने कहा कि यूट्यूबर सिंगर फाजिलपुरिया के एक वीडियो में गेस्ट अपीयरेंस के लिए पार्टी में गया था। वहां किसी रेव पार्टी या किसी शेड्यूल्ड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस के सेवन का कोई सबूत नहीं मिला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एल्विश यादव कथित जगह पर मौजूद नहीं था। रिकॉर्ड में मौजूद मेडिकल रिपोर्ट से पता चला कि जिन नौ सांपों की जांच की गई, वे जहरीले नहीं थे।

नीना गुप्ता को पसंद नहीं आई थी सुभाष घई की यह बात, हो गई थीं आग बबूला; साझा किया 'खलनायक' के सेट का किस्सा

अभिनेत्री नीना गुप्ता की फिल्म 'वध 2' हाल ही में रिलीज हुई। इस फिल्म के लिए फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। इसी बीच अभिनेत्री ने एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में सुभाष घई के साथ गाने की शूटिंग के दौरान हुए अपने अनुभव साझा किए।

सुभाष घई ने डिजाइनर से की ऐसी डिमांड

शुभंकर मिश्रा को दिए एक इंटरव्यू में नीना ने अपने पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने अपने सेट पर हुए कड़वे अनुभव शेयर किए। ऐसी ही एक घटना याद करते हुए उन्होंने निर्देशक सुभाष घई और कॉस्ट्यूम डिजाइनर के बीच हुई बातचीत साझा की।

फिल्म 'खलनायक' के गाने 'चोली के पीछे' की शूटिंग के दौरान का किस्सा साझा करते हुए नीना ने बताया कि सुभाष ने उनके सामने डिजाइनर से एक अजीबो गरीब डिमांड की थी। उन्होंने डिजाइनर से नीना के आउटफिट्स में बदलाव करने के लिए कहा था जिससे नीना और आकर्षक दिखें।

नीना बोलीं- तब गुस्सा आई थी अब सही लगता है

नीना ने कहा, 'उस समय मुझे यह सुनकर बहुत गुस्सा आया था और मुझे लगा था कि उनका ऐसा कहना गलत था। मगर अब मुझे लगता है कि वह बस अपना काम कर रहे थे। गाने में किरदार के लिए उनके मन में एक खास छवि थी और गाने की डिमांड को सुभाष जी ने साफ-साफ व्यक्त किया।'

'खलनायक' में था एक्सटैंडिड कैमियो

1993 में रिलीज हुई संजय दत्त और माधुरी दीक्षित अभिनीत फिल्म 'खलनायक' में नीना ने चंपा नाम की डांसर का किरदार निभाया था। फिल्म में माधुरी के साथ उनका आइटम नंबर 'चोली के पीछे..' खूब चर्चित हुआ था।

'जालिम दुनिया मुझे अपनी सोच के हिसाब से जीने देगी?' तान्या मित्तल का पहनावे पर ट्वीट, यूजर्स भड़के

तान्या मित्तल ने बिग बॉस के घर में अपने पहनावे को लेकर जो बात कही थी, वह उससे अब यू-टर्न लेती नजर आईं। तान्या ने कभी कहा था कि वह कुछ पैसों के लिए छोटे कपड़े पहनकर दुनिया के सामने नहीं जा सकतीं और अब कहा है कि वह ऐसे कपड़े पहनना चाहती हैं, पर जालिम दुनिया नहीं पहनने देगी। इसी पर यूजर्स उन्हें खरी-खोटी सुना रहे हैं।

तान्या मित्तल जब 'बिग बॉस 19' में थीं, तब तो सुर्खियां बटोर ही रही थीं, पर अब भी लगातार चर्चा में हैं। 'बिग बॉस 19' को खत्म हुए दो महीने से अधिक हो चुके हैं, पर तान्या अभी भी उसी ज़ोन में हैं। वह कुछ न कुछ ऐसा बोल रही हैं और बयान दे रही हैं कि चर्चाओं के साथ फैंस की सिंपथी भी मिल रही है, लेकिन हाल ही सोशल मीडिया पर तान्या ने कुछ ऐसा लिख दिया कि वह निशाने पर आ गईं। यूजर्स ने उन्हें खरी-खोटी सुनाई और लताड़ा।

तान्या मित्तल ने बिग बॉस के घर में एक बार कहा था कि वह चंद पैसे कमाने के लिए छोटे कपड़े पहनकर सबके सामने नहीं आ सकती हैं। वह हमेशा साड़ी ही पहनती हैं। शो में तान्या ने खुद को सांस्कृतिक और पारंपरिक लड़की के रूप में प्रेजेंट किया था, पर अब उनके तेवर बदले हुए हैं। बेशक, तान्या अभी हर जगह साड़ी में ही नजर आती हैं, पर

सोशल मीडिया पर लिखा है कि वह वेस्टर्न कपड़े पहनना चाहती हैं, लेकिन जालिम दुनिया उन्हें पहनने नहीं देगी।

तान्या मित्तल के इस ट्वीट को देख भड़के यूजर्स

तान्या मित्तल ने अपने X अकाउंट पर लिखा, 'मैं वेस्टर्न कपड़े पहनना चाहती हूं- शॉर्ट्स, स्कर्ट्स, ड्रेसेस। पर क्या ये जालिम दुनिया मुझे अपनी सोच के हिसाब से जीने देगी?' इस ट्वीट पर यूजर्स ने तान्या मित्तल को आड़े हाथों ले लिया और खूब खरी-खोटी सुनाई। कुछ ने तान्या मित्तल को 'बिन पैंदे का लोटा' और 'दोगला' बताया।

'जो कैरेक्टर पकड़ा है, उसी में रहो'

एक यूजर ने लिखा, 'जो पहनना है पहनो, बस कैमरा बंद करके पहनो।' एक का कमेंट है, 'बिल्कुल बर्दाश्त नहीं। जो कैरेक्टक पकड़ा हुआ है, उसी के साथ रहो।'

'कच्ची कॉलोनी की आंटियों का क्या करोगी?'

एक ने लिखा, 'दुनिया तो जीने दे देगी पर कच्ची कॉलोनी की आंटियों का क्या करोगी?'

'पहले कांड करूं, झूठ बोलूं, ट्रोलिंग से फेम लूं और फिर सिंपथी कार्ड'

एक और बोला, 'पहनो पहले जैसा मन कौन कर रहा? बस पहनने के बाद मत बोलो कि कभी नहीं पहना। तब फिर से ट्रोल करेगी। खुद झूठ बोलती हो ट्रोल होने के लिए फिर सिंपथी जाप शुरू। पहले कांड करूं, झूठ बोलूं, ट्रोलिंग से फेम लूं और फिर सिंपथी कार्ड फेंकू।'

कुछ यूजर्स ने तान्या मित्तल का किया सपोर्ट

हालांकि, कुछ यूजर्स ने तान्या मित्तल का सपोर्ट किया और कहा कि वह जो चाहें पहन सकती हैं। समय के साथ सोच बदलने में कोई बुराई नहीं है। ऐसा नहीं है कि तान्या मित्तल ने पहले कभी वेस्टर्न कपड़े नहीं पहने, बल्कि इंस्टाग्राम पर पुराने रील्स में वह उसी तरह के कपड़ों में हैं, पर 'बिग बॉस' के घर में कपड़ो को लेकर दिया गया बयान उन्हीं पर भारी पड़ता दिखा, तो अब यू-टर्न ले लिया है।

तान्या मित्तल को शोहरत मिली, पर खूब विवाद और झूठ भी

तान्या मित्तल के करियर की बात करें, तो उन्हें 'बिग बॉस 19' से शोहरत तो खूब मिली और काम भी मिल रहा है। जहां शो खत्म होने के बाद तान्या ने कुछ विज्ञापन किए, तो वहीं एकता कपूर ने भी उन्हें अपने एक शो के लिए साइन किया था। हालांकि, वह शो अभी तक न तो शुरू हुआ है और ना ही उसका कोई आधिकारिक ऐलान किया गया है। शो में तान्या झूठ बोलने को लेकर भी खूब सुर्खियों रहीं। उन्होंने अपनी रईसी की एक अलग दुनिया दिखाई। दावा किया कि उनकी बड़ी फैक्ट्रियां हैं, घर में लिफ्ट लगी है और फाइव स्टार होटल भी उनके घर के आगे फेल है। इन दावों का सच पता लगाने के लिए कई सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स ने पूरी खोजबीन चालू कर दी थी। और जब तान्या खुद 'बिग बॉस 19' से बाहर आईं, तो अपने घर और फैक्ट्री दिखाने ले गईं, पर उतना आलीशान और लग्जरी जैसा कुछ भी नहीं निकला, जैसा बताया था।

मिलिट्री कॉलेज से भागे, पत्रकार बने, सहयोगी ने तंज कसा तो आईएएस बन कर दिखाया

लेकिन घोटाले ने सब मिट्टी में मिला दिया

रांची, 18 फरवरी (एजेंसियां)। घोटाले का दाग एक सफल जीवन का अंत कर देता है। सुकीर्ति अपयश में बदल जाती है। चारा घोटाला के जिस चाईबासा कोषागार अवैध निकासी मामले में लालू यादव को सजा हुई थी उसी मामले में आईएएस अधिकारी सजल चक्रवर्ती को भी सजा सुनायी गयी थी। गंभीर बीमारियों से ग्रसित सजल चक्रवर्ती का जब 2020 में निधन हुआ था उस समय वे जमानत पर बाहर थे। अंतिम समय में वे बिल्कुल अकेले पड़ गये थे। अपना कहने वाला कोई नहीं था। दो शादियां की लेकिन दोनों असफल रहीं। कोई संतान नहीं थी। माता-पिता और भाई का पहले ही निधन हो चुका था। बीमारी, चारा घोटाला के अपमान और एकाकी जीवन के कारण वे डिप्रेशन में चले गये थे। पैसा, पद का रुआब, शान शौकत कुछ भी काम न आया। एक प्रतिभाशाली व्यक्ति के जीवन का दुखद अंत हो गया।

सजल चक्रवर्ती एक मेधावी विद्यार्थी थे। लेकिन मन स्थिर नहीं था। उस समय बिहार का बंटवारा नहीं हुआ था। रांची के संत जेवियर स्कूल में पढ़ते थे। पिता और भाई सेना में बड़े अधिकारी थे। परिवार की परम्परा के देखते हुए उन्हें भी सैन्य अधिकारी बनाने की कोशिश की गयी। मिलिट्री कॉलेज देहरादून में सेलेक्शन हुआ। वहां एडमिशन तो लिया लेकिन यहां मन नहीं लगा। पढ़ाई बीच में छोड़ कर भाग आये। फिर पढ़ने के लिए पूना गये। वहां पढ़ाई के साथ-साथ अखबारों में काम किया। वहां से भी रांची लौट आये। संत जेवियर कॉलेज में एडमिशन लेकर फिर पढ़ाई शुरू की। ग्रेजुएशन किया। पढ़ाई के दौरान ही वे रांची से निकलने वाले अंग्रेजी अखबार न्यू रिपब्लिक में रिपोर्टर के रूप में भी काम करते थे। उनकी धारदार रिपोर्टिंग कुछ ही दिनों में ही चर्चित हो गयी। वे साइकिल से अखबार के दफ्तर आते थे। कहा जाता है कि अखबार में काम करने के दौरान ही उनके एक सहयोगी ने तंज कस दिया, क्या तुम खुद को आईएएस समझते हो। ये बात सजल चक्रवर्ती को चुभ गयी। उन्होंने यूपीएससी की परीक्षा देने की ठान ली। इस संबंध में आईएएस सजल चक्रवर्ती ने खुद कहा था, उस समय मेरे पास करने के लिए कुछ था नहीं। सोचा यूपीएससी की तैयारी ही कर लेता हूं। पहली बार गंभीरता से कुछ करने के लिए ठाना। खूब पढ़ाई की। 1980 में उनका चयन भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के लिए हो गया। उन्हें बिहार कैडर मिला।

आईएएस सजल चक्रवर्ती की पहचान मिलने के बाद सेवाकाल के दौरान चाईबासा में डिप्टी कमिश्नर (कलेक्टर) बने। वे 1992 से 1995 तक चाईबासा के डीसी रहे थे। 1996 में जब चारा घोटाला उजागर हुआ तो चाईबासा कोषागार अवैध निकासी मामले में उनका भी नाम आया। इस मामले में वे पहली बार 1998 में जेल गये। 18 महीने तक जेल में रहे। 2000 में झारखंड राज्य बनने के बाद उनका कैडर झारखंड हो गया। 2008 में उन्हें रांची स्थित सीबीआइ की स्पेशल कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में दोषी ठहराया था।

झारखंड में बढ़ने लगी गर्मी चाईबासा सबसे गर्म

10 जिलों में पारा 35 डिग्री तक पहुंचने के आसार, पांच दिन शुष्क रहेगा मौसम

रांची, 18 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड में अब मौसम तेजी से करवट ले रहा है। राज्य के अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के ऊपर पहुंच चुका है, जबकि अधिकतम तापमान 30 डिग्री के पार चला गया है। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 33.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोपहर के समय यहां अच्छी-खासी गर्मी महसूस की गई। लोग हल्के कपड़ों में नजर आए। दक्षिणी जिलों पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम तथा सरायकेला-खरसावां में भी अधिकतम तापमान 33 से 34 डिग्री के बीच बना हुआ है। इन इलाकों में न्यूनतम तापमान 15 से 16 डिग्री के आसपास दर्ज किया जा रहा है। देवघर, पाकुड़, धनबाद, बोकारो, गोड्डा और साहिबगंज में न्यूनतम तापमान में करीब 2 डिग्री की वृद्धि दर्ज की जा रही है। यहां न्यूनतम तापमान 13 से 14 डिग्री तक पहुंच सकता है, जबकि अधिकतम 30 से 31 डिग्री के आसपास रहेगा।

आदिवासी-ईसाइयों के शव कब्र से निकालने पर रोक

याचिकाकर्ता बोला-सरकार कर रही समर्थन, सुप्रीम कोर्ट का आदेश-अंतिम फैसले तक नहीं निकाली जाए लाश

रायपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आदिवासी ईसाइयों के दफनाए गए शवों को जबरन कब्र से निकालकर दूसरे स्थान पर दफनाने की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि, अगली सुनवाई तक किसी भी दफनाए गए शव को कब्र से बाहर नहीं निकाला जाएगा। यह आदेश जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने दिया। मामला एक जनहित याचिका के जरिए सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से अंतरिम राहत की मांग की गई थी।

उन्होंने कोर्ट को बताया कि राज्य प्रशासन कथित रूप से शवों को हटाने की कार्रवाई का समर्थन कर रहा है। इस पर पीठ ने कहा कि, फिलहाल दफनाए गए शवों को आगे और नहीं निकाला जाएगा। दरअसल, याचिका में कहा गया कि छत्तीसगढ़ में आदिवासी ईसाइयों को अपने गांव की सीमा के भीतर अपने मृत परिजनों के शव दफनाने से रोका जा रहा है, जबकि दूसरे समुदायों को ऐसा करने की अनुमति है।

याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि कुछ मामलों में उनके परिजनों के शवों को उनकी जानकारी के बिना कब्र से निकाल लिया गया और गांव से दूर दूसरी जगह दफनाने की कोशिश की गई।

वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस ने अदालत में कहा कि, राज्य प्रशासन कथित रूप से इस कार्रवाई का समर्थन कर रहा है। इसी पर अदालत ने अंतरिम राहत देते हुए रोक लगाने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अभी के लिए दफनाए गए शवों को और नहीं निकाला जाएगा। जब तक अंतिम फैसला नहीं आता, तब तक किसी भी तरह की जबरन खुदाई या शवों को स्थानांतरित करने की कार्रवाई नहीं हो सकती।

याचिका में यह भी कहा गया है कि, एक पुराने मामले के फैसले का हवाला देकर पुलिस कार्रवाई कर रही है। मामला रमेश बघेल बनाम स्टेट ऑफ छत्तीसगढ़ का था। इसमें एक ईसाई व्यक्ति ने अपने पिता, जो एक पादरी थे, उनके शव को अपने मूल गांव चिंडवाड़ा के कब्रिस्तान या अपनी निजी कृषि भूमि में दफनाने की अनुमति मांगी थी।

मां-बेटे को जिंदा जलाकर मार डाला

चाईबासा, 18 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले से इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। कुमारडुंगी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात कथित तौर पर डायन होने के संदेह में एक महिला और उसके मासूम बच्चे को पेट्रोल छिड़क कर जिंदा जला दिया गया।

इस खौफनाक वारदात में मां और बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि महिला का पति गंभीर रूप से झुलस गया है। उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। वारदात की जानकारी बुधवार को पुलिस को तब हुई जब 12 आरोपियों ने खुद थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण किया। उनका कहना था कि महिला डायन है। झारखंड में डायन के आरोप में इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे इलाके में खौफ पसर गया है।

पुलिस से प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गांव के करीब 12 लोगों ने मिलकर इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि कुछ दिनों से गांव में बीमारी और अन्य घटनाओं को लेकर अफवाहें फैली हुई थीं। इसके लिए महिला और उसके परिवार को जिम्मेदार ठहराया जा रहा था और महिला को डायन घोषित किया जा रहा था।

मंगलवार देर रात ग्रामीणों के एक समूह ने महिला और उसके परिवार को निशाना बनाया। देर रात आरोपितों ने घर में घुसकर पेट्रोल छिड़का और आग लगा दी। आग की लपटों में घिरकर महिला और उसका बच्चा बाहर नहीं निकल सके। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। गांव में दहशत का माहौल है और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। फॉरेंसिक टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया है। बुधवार सुबह सभी आरोपित स्वयं कुमारडुंगी थाना पहुंचे और आत्मसमर्पण कर दिया।

टाटा पार्क में अब दिखेंगे युवा अफ्रीकी शेर

दो नर मैनड्रिल बंदरों को भेजा गया हैदराबाद

जमशेदपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क में पशु विविधता में एक शानदार और नया आकर्षण जुड़ गया है। हैदराबाद से अफ्रीकी शेरों की एक जोड़ी मनोहर (नर) और श्रीदेवी (मादा) यहां लाई गई है। यह जोड़ी स्वीकृत पशु आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत नेहरू जूलॉजिकल पार्क से लाई गई है। इसके बदले दो नर मैनड्रिल बंदरों को हैदराबाद भेजा गया है।

मनोहर और श्रीदेवी लगभग नौ वर्ष के हैं और अपनी प्रजनन आयु के सर्वोत्तम चरण में हैं। चिड़ियाघर प्रबंधन को आशा है कि आने वाले वर्षों में यह जोड़ी सफलतापूर्वक प्रजनन करेगी, जिससे पार्क में शेरों की आबादी की आनुवंशिक विविधता और दीर्घकालिक सस्टेनेबिलिटी को मजबूती मिलेगी।

टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क की एक समर्पित टीम 11 फरवरी 2026 की दोपहर हैदराबाद के लिए दो विशेष रूप से तैयार किए गए वाहनों से रवाना हुई, जिन्हें पशुओं के सुरक्षित और आरामदायक परिवहन के लिए डिजाइन किया गया था। सभी आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया और स्वास्थ्य संबंधी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद टीम ने वापसी यात्रा शुरू की और 16 फरवरी 2026 की आधी रात के आसपास शेरों को सुरक्षित रूप से जमशेदपुर ले आई।

पूरी परिवहन प्रक्रिया सेंट्रल जू अथॉरिटी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप और विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की निगरानी में संपन्न की गई, ताकि पशुओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके। वर्तमान में टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क में तीन अफ्रीकी शेर हैं दो नर, जंबो और एड, तथा एक मादा, जोया जिनकी आयु लगभग 14.5 वर्ष है।

ये शेर वर्ष 2012 में उस समय चिड़ियाघर लाए गए थे, जब वे केवल छह महीने के थे। तब से वे दर्शकों के लिए प्रमुख आकर्षण बने हुए हैं। मनोहर और श्रीदेवी के आगमन के साथ, चिड़ियाघर अब एक युवा और आनुवंशिक रूप से सशक्त शेर आबादी विकसित करने की दिशा में अग्रसर है।

मानक प्राणी उद्यान प्रोटोकॉल के अनुसार, मनोहर और श्रीदेवी को अनिवार्य 40 दिनों की क्वारंटीन अवधि में रखा गया है। इस दौरान उनके स्वास्थ्य, आहार के अनुकूलन तथा नए वातावरण में सामंजस्य स्थापित करने की प्रक्रिया पर विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों द्वारा लगातार निगरानी रखी जाएगी। क्वारंटीन अवधि सफलतापूर्वक पूरी होने के बाद शेरों को उनके निर्धारित बाड़ों में रखा जाएगा, और इसके बाद दर्शक इन शानदार शेरों का दीदार कर सकेंगे। जू की पूरी टीम को नए सदस्यों के आगमन पर अत्यंत खुशी और गर्व है।

सराफा कारोबारी से 3.35 करोड़ की लूट

कार को टक्कर मारी, पिस्टल तानी, हथौड़े से सिर पर मारा, 2 किलो सोना-कैश लेकर फरार

बिलासपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सराफा कारोबारी पर हमला कर 3 करोड़ 35 लाख की लूट की गई है। कार सवार बदमाशों ने पहले उनकी कार को टक्कर मारी। फिर विवाद करते हुए पिस्टल तान कर हथौड़े से सिर पर जानलेवा हमला कर दिया।

इसके बाद लुटेरे उनकी कार समेत 2 किलो 200 ग्राम सोना, 3 लाख 50 हजार कैश सहित 3 करोड़ 35 लाख का माल लूटकर भाग गए। हमले में घायल कारोबारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लूट की इस घटना का CCTV वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में कारोबारी पर लुटेरे हमला करते दिख रहे हैं। फिलहाल, पुलिस शहर और पड़ोसी जिलों में नाकेबंदी कर लुटेरों की तलाश कर रही है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, शहर के अरपापार स्थित पॉश कॉलोनी राजकिशोर नगर निवासी संतोष तिवारी की राजकिशोर नगर वसंत विहार चौक में महालक्ष्मी ज्वेलरी शॉप है। सराफा कारोबारी संतोष बिक्री के लिए दुकान में रखे सोने के जेवरों को रोज कार से लाना-ले जाना करते हैं। मंगलवार रात करीब 8.30 बजे वो दुकान बंद कर अपनी कार में गहनों को रखकर घर जा रहे थे। अभी वो राजकिशोर नगर कॉलोनी के बीएसएनएल ऑफिस गली के तिराहे पर पहुंचे। उसी समय सामने एक सफेद रंग की कार (सीजी 10 बीजे 8147) खड़ी थी।

उनकी कार आते देखकर सामने कार में सवार ड्राइवर ने टक्कर मार दी, जिससे सराफा कारोबारी की कार पर डैश लगा।

रांची में मर्सिडीज ड्राइवर का आतंक

युवक को बोनट पर लटकाकर दौड़ाई कार

रांची, 18 फरवरी (एजेंसियां)। रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां एक लग्जरी मर्सिडीज कार सवार ने पहले एक महिला को टक्कर मारी और विरोध करने पर एक युवक को कार के बोनट पर लटकाकर कई किलोमीटर तक घसीटता रहा। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लिया है, जिनकी पहचान हाईकोर्ट के अधिवक्ता मनोज टंडन के रूप में हुई है। घटना डोरंडा स्थित राजेंद्र चौक के पास हुई। बताया जा रहा है कि मर्सिडीज कार से एक महिला को चोट लगी।

मौके पर मौजूद एक युवक ने जब इसका विरोध किया और वाहन रोकने की कोशिश की, तो चालक ने कथित तौर पर उस पर कार चढ़ाने का प्रयास किया। युवक कार के बोनट पर फंस गया, लेकिन चालक ने वाहन नहीं रोका और उसे उसी स्थिति में कई किलोमीटर तक लेकर भागता रहा। बताया जा रहा है कि रास्ते में ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड जवानों ने कार को रोकने का प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद कार नहीं रुकी। आरोप है कि युवक को बाद में आरोपी अधिवक्ता अपने आवास तक ले गए, जहां उसके साथ मारपीट भी की गई।

सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी का पीछा किया और उसके ठिकाने से युवक को मुक्त कराया। पुलिस ने कार चलाने वाले अधिवक्ता को हिरासत में लिया है, जबकि घायल युवक को चिकित्सकीय जांच के लिए भेजा गया है। इस बीच घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में लोग डोरंडा थाना पहुंच गए और आरोपी अधिवक्ता पर कार्रवाई की मांग की। इधर, मामला झारखंड हाई कोर्ट भी पहुंच गया। अधिवक्ता एसोसिएशन की ओर से कोर्ट को सूचित किया गया कि अधिवक्ता को हिरासत में लिया गया है और भीड़ से सुरक्षा की आवश्यकता है।

इस पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश एम. एस. सोनक की पीठ ने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और पुलिस नियमानुसार कार्रवाई करे। कोर्ट ने तत्काल राहत देने से इनकार करते हुए राज्य के महाधिवक्ता को अधिवक्ता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस से समन्वय करने का निर्देश दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

अनियंत्रित पिकअप ने बच्ची को रौंदा

नालंदा, 18 फरवरी (एजेंसियां)। नालंदा जिले में एक सड़क हादसे में 7 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। रहुई थाना क्षेत्र के बिहटा-सरमेरा मुख्य मार्ग पर सोनसिकरा मोड़ के पास एक अनियंत्रित पिकअप वाहन ने स्कूल से लौट रहे तीन बच्चों को टक्कर मार दी।

इस घटना में एक बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह घटना बुधवार को हुई जब सोनसिकरा गांव निवासी भूषण चौहान की पुत्री कामिनी कुमारी (7 वर्ष), अनुज चौहान के पुत्र सुमित कुमार और शशिभूषण चौहान के पुत्र अधिराज कुमार अलीपुर स्थित स्वामी विवेकानंद इंग्लिश स्कूल से घर लौट रहे थे। तीनों बच्चे पैदल थे।

गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव हत्याकांड: हाईकोर्ट ने बदला आदेश

विकास तिवारी सहित 5 दोषी होंगे रिहा 2015 में कोर्ट परिसर में हुई थी हत्या

रांची, 18 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव और उनके साथियों की हत्या मामले में बड़ी राहत देते हुए पांच सजायाफ्ता आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने हजारीबाग की निचली अदालत द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा को निरस्त कर तत्काल रिहाई का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय और न्यायमूर्ति प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने विकास तिवारी, संतोष पांडे, विशाल कुमार सिंह, राहुल देव पांडे और दिलीप साव की अपील स्वीकार की। सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रखा गया था, जिसे अब सुनाया गया।

यह मामला हजारीबाग सदर कांड संख्या 610/2015 से जुड़ा है। हजारीबाग सिविल कोर्ट ने वर्ष 2020 में पांचों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। विभिन्न धाराओं में जुर्माना भी लगाया गया था।

कुल सात लोगों को आरोपी बनाया गया था, जिनमें से पांच को दोषी ठहराया गया, जबकि एक आरोपी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया था। निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दोषियों ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी।

2 जून 2015 को गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव और उनके दो सहयोगियों को पेशी के लिए जेपी कारागार से हजारीबाग सिविल कोर्ट लाया गया था। सुबह करीब 11 बजे कोर्ट परिसर में पहले से घात लगाए अपराधियों ने एके-47 से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमले में सुशील श्रीवास्तव समेत ग्यास खान और कमाल खान की मौत हो गई थी। घटना ने राज्यभर में कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे।

कोयला इलाकों में सुशील श्रीवास्तव का नाम लंबे समय तक दहशत का पर्याय रहा। गैंग में उसकी पकड़ इतनी मजबूत थी कि साथी ही नहीं, जेल के कैदी और कुछ पुलिसकर्मी भी उसे 'बाबा' कहकर पुकारते थे।

चूड़ी-प्रथा के आरोप पर भी पत्नी को मिलेगा गुजारा भत्ता

बिलासपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भरण-पोषण को लेकर एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि केवल दूसरी शादी या चूड़ी प्रथा से विवाह के आरोप लगने भर से पत्नी को भरण-पोषण (गुजारा भत्ता) देने से इनकार नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक यह आरोप ठोस सबूतों से साबित नहीं हो जाता, तब तक पत्नी का भरण-पोषण का अधिकार खत्म नहीं किया जा सकता। इस मामले में कोर्ट ने पति की याचिका को खारिज कर दिया और पत्नी को भरण-पोषण देने के आदेश को सही माना। दरअसल, जशपुर जिले के रहने वाले युवक की शादी उसी जिले की युवती के साथ 2009 में हुई थी। शादी के बाद पति-पत्नी की तीन बेटियां भी हैं। बेटी होने के बाद से पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया।

आरोप है कि पति ने अपनी पत्नी को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। फिर बाद में उसने किसी दूसरी महिला को पत्नी बनाकर रख लिया। साथ ही पत्नी को घर से निकाल दिया। पति के घर से निकालने के बाद परेशान महिला ने फैमिली कोर्ट में परिवाद पेश किया, जिसमें उसने हिंदू विवाह अधिनियम के तहत भरण-पोषण दिलाने की मांग की। जशपुर के फैमिली कोर्ट ने सभी साक्ष्यों, दस्तावेजों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद पति को आदेश दिया कि वो अपनी पत्नी को गुजारा भत्ता दे।

इस पर पति ने फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील की। पति ने तर्क दिया कि उसकी पत्नी ने अपनी इच्छा से घर छोड़ा है।

मिडिल स्कूल के 35 बच्चों ने हाथ काटे

ब्लेड-पिन-कांटे से खुद को पहुंचाया नुकसान, कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश

धमतरी, 18 फरवरी (एजेंसियां)। धमतरी जिले में मीडिल स्कूल के 35 बच्चों ने ब्लेड, पिन और कांटो से अपने हाथ काट लिए। घटना 18 फरवरी की है।

स्कूल प्रबंधन को अचानक सभी बच्चों के हाथ कटे पीटे दिखे तो तुरंत डॉक्टरों की टीम बुलाई गई। जहां जांच में 6वीं 8वीं के बच्चों के हाथों पर ब्लेड या पिन से बने गहरे निशान देखे गए हैं।

मामला कुरूद ब्लॉक के दहदहा गांव स्थित शासकीय माध्यमिक शाला का है। बच्चों ने हाथ क्यों काटा या फिर किसी दूसरे ने काटा। ये बात सामने नहीं आई है। कलेक्टर ने भी मामले में संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा है कि जांच के बाद कारण पता चल पाएगा। प्राचार्य ने कहा है कि बच्चों ने अपने घर में ही इस घटना को अंजाम दिया।

मामले की जानकारी मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। डॉक्टरों की टीम स्कूल पहुंची और बच्चों की जांच की गई। अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) द्वारा घटना की जांच की जा रही है। कलेक्टर ने जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बच्चों द्वारा ऐसा कदम उठाने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि, कुछ बच्चों ने बताया कि उन्होंने एक-दूसरे को देखकर ऐसा किया। अभिभावकों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चे घर पर ऐसा व्यवहार नहीं करते हैं और यह स्कूल में हुई लापरवाही का परिणाम हो सकता है। उन्होंने स्कूल में सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए।

वर्तमान में, स्कूल में बच्चों और उनके अभिभावकों की काउंसलिंग की जा रही है, ताकि घटना के पीछे के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। प्रशासन इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रहा है।

माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य पुनीत राम साहू ने बताया कि 13 फरवरी को संज्ञान में आया। इसके बाद उच्च अधिकारियों को इसके बारे में जानकारी दी गई। और जांच के लिए निवेदन किया गया इसके बाद 16 तारीख के बाद से काउंसलिंग अभी भी जारी है।

इस संबंध में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बताया तीन दिन पहले यह मामला सामने आया है। जिसकी प्रारंभिक जांच की जा रही है।

दनुआ घाटी में सड़क हादसा, एक की मौत

हजारीबाग, 18 फरवरी (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के चौपारण थाना क्षेत्र अंतर्गत दनुआ घाटी में बुधवार को एक सड़क दुर्घटना हुई। इसमें एक यात्री की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ, जब धनबाद से लौट रही एक कार की ट्रेलर और ट्रैक्टर से आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी यात्री धनबाद से गया जिले में एक रिश्तेदार के यहां मुंडन संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम से वापस लौटते समय दनुआ घाटी के पास यह घटना हुई।

आज आम जनता के लिए बंद रहेगा एक्सपो

आयोजकों ने बढ़ाई समिट की अवधि

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार ने बुधवार को घोषणा की कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 को जबरदस्त प्रतिक्रिया को देखते हुए एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया है। पहले यह समिट 20 फरवरी को समाप्त होने वाली थी, लेकिन अब यह 21 फरवरी तक चलेगी। सरकार के अनुसार, बड़ी संख्या में आए विजिटर्स और एग्जिबिटर्स को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है, ताकि सभी को समिट और प्रदर्शनी का बेहतर अनुभव मिल सके। इसके साथ ही एक्सपो के समय में भी बदलाव किया गया है। अब प्रदर्शनी का समय शाम 6 बजे के बजाय रात 8 बजे तक रहेगा, जिससे आगंतुकों को अधिक समय मिल सके। हालांकि, 19 फरवरी (गुरुवार) को प्रतिबंधित कार्यक्रमों के कारण समिट आम जनता के लिए बंद रहेगी।

स्विस राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन ने समिट में भारत के एआई विजन का किया समर्थन

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत के सुरक्षित, समावेशी और प्रभावी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इकोसिस्टम के विजन का जोरदार समर्थन किया है। उन्होंने मानव-केंद्रित, टिकाऊ और समान विकास वाले एआई मॉडल पर भारत के साथ मजबूत सहमति जताई।

एआई के उपयोग से हर व्यक्ति को लाभ मिलना चाहिए

पार्मेलिन ने कहा कि समिट के तीन सूत्र पीपल, प्रोग्रेस और प्लैनेट एआई के संतुलित विकास की सही दिशा दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि एआई का उपयोग इस तरह होना चाहिए कि दुनिया के हर व्यक्ति को इसका लाभ मिले, साथ ही पर्यावरण और सतत विकास का भी ध्यान रखा जाए।

स्विट्जरलैंड भारत के साथ सहयोग को गहरा करने की संभावनाएं देखता है

उन्होंने भारत की एआई रिसर्च और इनोवेशन में बढ़ती ताकत की सराहना करते हुए कहा कि स्विट्जरलैंड भारत के साथ सहयोग को और गहरा करने की बड़ी संभावनाएं देखता है। पार्मेलिन ने यह भी कहा कि समिट में शामिल स्विस स्टार्टअप्स नई तकनीक और नवाचार के साथ भारतीय साझेदारों के साथ सहयोग के अवसर तलाश रहे हैं। जिम्मेदार एआई के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि भारत और स्विट्जरलैंड दोनों इस बात पर सहमत हैं कि एआई का इस्तेमाल सार्वजनिक हित, समावेशी आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और स्थिरता के लिए होना चाहिए। साथ ही एआई के वैश्विक शासन को लेकर अंतरराष्ट्रीय और बहुपक्षीय समझौतों में भारत के साथ करीबी सहयोग को उन्होंने अहम बताया।

द्विपक्षीय सहयोग पर क्या बोले पार्मेलिन ?

द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग पर बोलते हुए उन्होंने हाल ही में हुए भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) का जिक्र किया और कहा कि इससे स्विस निर्यात और सेवाओं को भारत में बेहतर बाजार पहुंच मिलेगी।

एआई बनेगा खदानों का नया पहरेदार

चोरी रोकने और दक्षता बढ़ाने के लिए एआई का हो रहा उपयोग : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने बुधवार को कहा कि देश की खदानों में उत्पादन बढ़ाने, चोरी रोकने, दक्षता एवं सुरक्षा बढ़ाने के लिए परीक्षण आधार पर एआई का उपयोग हो रहा है।

समाचार एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक रेड्डी ने कहा, खदानों में एआई के जरिए उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा चोरी रोकने, दक्षता और सुरक्षा बढ़ाने में उपयोग किया जा सकता है। फिलहाल इसका परीक्षण आधार किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि खान मंत्रालय के आधिकारी भी इस समिट में आए हुए हैं और एआई के खदानों में उपयोग के नए तरीकों को तलाश रहे हैं, जिससे उत्पादकता में सुधार किया जा सके। केंद्रीय प्रल्हाद जोशी ने कहा कि एआई का उपयोग सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का आम जनता तक पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत हम 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को अनाज दे रहे हैं। वर्तमान समय में हम स्मार्ट वेयरहाउस, स्मार्ट पीडीएस,

अन्न चक्र एआई टूल उपयोग कर रहे हैं। अन्न चक्र से हम रूट ऑप्टिमाइजेशन के जरिए 250 करोड़ रुपए बचाए हैं। इसके जरिए हमें सार्वजनिक वितरण की दुनिया तक कौन-सा गोदाम नजदीक है। यह पहचानने में मदद मिली है।

बिजली आपूर्ति क्षेत्र में एआई निभा सकता है महत्वपूर्ण भूमिका

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि बिजली आपूर्ति क्षेत्र में एआई एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आईएएनएस से कहा कि एआई बिजली आपूर्ति में सही और तेज जानकारी पहुंचाकर निर्णायक भूमिका निभाता सकता है। इससे कई ऐसी समस्या सुलझ सकती हैं, जिनका अभी कोई समाधान हीं था। इससे सभी उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 वैश्विक एआई एजेंडा को आकार देने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करता है। सात चक्रों और लोगों, ग्रह और प्रगति के तीन सूत्रों पर आधारित यह शिखर सम्मेलन एआई के लिए एक विकासोन्मुखी ढांचा विकसित करता है। यह शिखर सम्मेलन जन, दुनिया और प्रगति के तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित है और सात विषयगत कार्य समूहों द्वारा संचालित है जो आर्थिक विकास और सामाजिक हित के लिए एआई; एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण; सामाजिक सशक्तिकरण के लिए समावेशन; सुरक्षित और विश्वसनीय एआई; मानव पूंजी; विज्ञान; और लचीलापन, नवाचार और दक्षता को कवर करते हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-45
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 18 -14
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष गुरुवार 19 February 2026
तिथि - द्वितीया 15-59 तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद 20-51 तक उप उ.भाद्रपद
योग - सिद्ध 20-42 रात तक उप. साध्य
करण - कौलव 15-59 तक. तैतिल

फूलेरा दूज

रामकृष्ण परमहंस ज.

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सुर्य	कुंभ	मे	कुंभ....	05-22 बजे
चंद्र	कुंभ	मे	मीन....	06-22 बजे
मंगल	मकर	मे	मेष.....	08-01 बजे
बुध	कुंभ	मे	वृष....	09-37 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मिथुन..	11-21 बजे
शुक्र	कुंभ	मे	कर्क...	13-21 बजे
शनि	मीन	मे	सिंह---	15-34 बजे
राहु	कुंभ	मे	कन्या--	17-46 बजे
केतु	सिंह	मे	तुला----	19-53 बजे
			वृश्चिक..	21-58 बजे
			धनु.....	00-08 बजे
			मकर...	02-21 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-57 से 15-24 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06-47 - 08-09	शुभ	अमृत	18-12 - 19-51	शुभ
रोग	08-09 - 09-36	अशुभ	चंचल	19-51 - 21-24	शुभ
उत्पात	09-36 - 11-03	अशुभ	रोग	20-24 - 22-57	अशुभ
चंचल	11-03 - 12-30	शुभ	काल	22-57 - 00-30	अशुभ
लाभ	12-30 - 13-57	शुभ	लाभ	00-30 - 02-03	शुभ
अमृत	13-57 - 15-24	शुभ	उत्पात	02-03 - 03-36	अशुभ
काल	15-24 - 16-51	अशुभ	शुभ.	03-36 - 05-09	शुभ
शुभ	16-51 - 18-12	शुभ	अमृत	05-09 - 06-47	शुभ

चांदी आज 4 हजार बढ़कर 2.37 लाख पर पहुंची

सोना 98 रुपये महंगा होकर 1.52 लाख हुआ

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 18 फरवरी को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजीए) के अनुसार, एक किलो चांदी 4 हजार रुपए बढ़कर 2.37 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले कल ये 2.33 लाख रुपए पर थी। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 98 रुपए महंगा होकर 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है। सर्राफा बाजार में 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। 2025 में सोना 57 हजार (75%) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76 हजार का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1.33 लाख रुपए हो गया।

सेंसेक्स 283 अंक बढ़कर 83,734 पर बंद

निफ्टी भी 94 अंक चढ़ा, मेटल और बैंकिंग शेयर्स में खरीदारी रही

मुंबई, 18 फरवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 18 फरवरी को बढ़त रही। सेंसेक्स 283 अंक की तेजी के साथ 83,734 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 94 अंक की बढ़त है, ये 25,819 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 शेयरों में बढ़त रही। वहीं निफ्टी-50 के 31 शेयरों में बढ़त रही।

आज मेटल, बैंकिंग और एफएमसीजी शेयर्स में बढ़त रही। वहीं आईटी शेयर्स में गिरावट रही। जापान का निक्केई इंडेक्स 1.02% चढ़कर 57,143 पर बंद हुआ। दक्षिण कोरिया का कोस्पी, हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स आज बंद हैं।

गोयल बोले–सीईपीए से मजबूत हुए भारत–यूएई आर्थिक संबंध

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूत करने वाला एक बड़ा और परिवर्तनकारी कदम बताया।

उन्होंने कहा कि इस समझौते ने विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर पैदा किए हैं और भारत की वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में विश्वसनीयता को और मजबूत किया है। सोशल मीडिया पोस्ट में गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चार साल पहले भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच हस्ताक्षरित यह समझौता आर्थिक साझेदारी के एक नए अध्याय की शुरुआत था। उनके मुताबिक, सीईपीए का सकारात्मक प्रभाव मैन्युफैक्चरिंग,

सेवाओं और कृषि क्षेत्रों में देखने को मिला है। मंत्री ने कहा कि इस समझौते से निर्यातकों को लाभ मिला है, एमएसएमई को समर्थन मिला है और कृषि निर्यात को मजबूती मिली है।

साथ ही, किसानों को प्रीमियम वैश्विक बाजारों तक बेहतर पहुंच मिली है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समझौते ने कई नए सेक्टोरल अवसर खोले हैं, जिससे भारत की वैश्विक व्यापार हब के रूप में स्थिति और सुदृढ़ हुई है।

निर्मला सीतारमण की नॉर्वे पीएम से मुलाकात

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को ओस्लो में नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे से मुलाकात की और भारत-ईएफटीए तथा टीईपीए समझौतों के क्रियान्वयन पर चर्चा की। इस दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर भी विस्तार से बातचीत हुई। वित्त मंत्रालय के अनुसार, बैठक में हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग, कार्बन कैप्चर और स्टोरेज, स्टार्टअप्स, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और वेस्ट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर दिया गया।

मंत्रालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि नॉर्वे के प्रधानमंत्री ने इस वर्ष प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नॉर्वे यात्रा को लेकर उत्साह जताया और विश्वास व्यक्त किया कि इस दौरे से भारत-नॉर्वे सहयोग को और मजबूती मिलेगी। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने फ्रांस के पोर्ट ऑफ मार्सेई फोस के साथ व्यापार सुगमता, पोर्ट इनोवेशन और ऊर्जा संक्रमण के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संकर्मण हो सकता है । घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे । इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता । इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें । अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे । यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे ।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं ,उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है । आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं,इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा । आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
किसी भी काम को तुरंत तैयार होकर शुरू करने से पहले गंभीरता से तर्क की कसौटी पर परख लेना ही ठीक होगा । आपके लिए कल्पनात्मक सा समय है । इसीलिए रोमांस का आनंद लें । रोमांस में कल्पना लाने से आपके लिए अच्छा होगा लेकिन अगर आप ऑफिस में भी यही करने की कोशिश करेंगे तो परिणाम अच्छे नही होंगे ।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,)
आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं । सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा । आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे । नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी ।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अडानी पोर्ट्स ने फ्रांस के सबसे बड़े बंदरगाह से मिलाया हाथ

मुंबई, 18 फरवरी (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) की तरफ से एक बड़ी खबर आई है। अडानी पोर्ट्स और फ्रांस के सबसे बड़े बंदरगाह, पोर्ट ऑफ मार्सिले फोस ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ट्रेड को आसान बनाने, बंदरगाहों में नई तकनीकें लाने और ऊर्जा के क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए सहयोग को मजबूत करेगा।

आईएमईसी पोर्ट्स क्लब बनाने का प्रस्ताव

अडानी पोर्ट्स की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक इस साझेदारी के तहत, इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) के प्रमुख बंदरगाहों के बीच तालमेल बढ़ाने के लिए एक 'आईएमईसी पोर्ट्स क्लब' बनाने का प्रस्ताव है। इससे भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। यह कदम भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार के लिए आईएमईसी मार्ग को पूरा करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को 'मदर्स ऑफ ऑल डील्स' बताया था।

बढ़ जाएगी क्षमता

आईएमईसी के पूर्वी छोर पर, एपीएसईजेड के मुंद्रा और हजीरा बंदरगाह दक्षिण एशिया को पश्चिम एशिया से जोड़ने वाले मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स हब के रूप में काम करते हैं। इस एमओयू के माध्यम से, पोर्ट ऑफ मार्सिले फोस कॉरिडोर के पश्चिमी यूरोपीय छोर को मजबूत करेगा।

अमेरिकी चिप कंपनी क्वालकॉम का बड़ा ऐलान

भारतीय स्टार्टअप्स के सपोर्ट के लिए 150 मिलियन डॉलर निवेश करेगी

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। दिग्गज अमेरिकी चिप कंपनी क्वालकॉम ने बुधवार को सभी प्रकार के भारतीय स्टार्टअप्स के सपोर्ट के लिए 150 मिलियन डॉलर निवेश करने का ऐलान किया। कंपनी ने बयान में कहा कि इसके जरिए उनकी कोशिश भारत में बढ़ती टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है। इसमें फोकस ऑटोमोटिव के लिए एआई, आईओटी, रोबोटिक्स और मोबाइल टेक्नोलॉजी पर किया जाएगा।

क्वालकॉम के प्रेसिडेंट और सीईओ क्रिस्टियानो एमोन ने कहा, क्वालकॉम अपने नए स्ट्रेटेजिक एआई वेंचर फंड के माध्यम से उन कंपनियों में निवेश कर रहा है जो भारत में एआई के अगले अध्याय को आगे बढ़ा रही हैं। अमोन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक नए चरण में प्रवेश कर रही है, जहां इंटेलिजेंस सीधे उन उपकरणों और प्रणालियों में अंतर्निहित होगी जिन पर लोग प्रतिदिन निर्भर रहते हैं, चाहे वे स्मार्टफोन और पीसी, कारें, औद्योगिक मशीनें और रोबोट आदि हों। इससे अधिक समृद्ध और सार्थक अनुभव प्राप्त होंगे। उन्होंने आगे कहा कि यह बदलाव संपूर्ण उद्योगों को नया रूप देगा। अमोन ने कहा कि भारत में सभी क्षेत्रों में एआई इनोवेशन को बढ़ावा देने में स्टार्टअप इकोसिस्टम की महत्वपूर्ण भूमिका है। कंपनी ने प्रेस रिलीज में कहा कि यह वेंचर फंड भारत के तकनीकी परिदृश्य के प्रति क्वालकॉम की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता रेखांकित करता है और यह वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक एआई को आगे बढ़ाने में कंपनी के नेतृत्व के अनुरूप है।

ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भाविश अग्रवाल को मिली बड़ी राहत

बॉम्बे हाई कोर्ट ने डिटेंशन वारंट पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर और सीईओ भाविश अग्रवाल के खिलाफ साउथ गोवा कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन द्वारा जारी डिटेंशन ऑर्डर और वारंट पर रोक लग गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा रोक लगाई गई है।

पिछले हफ्ते कंज्यूमर कमीशन ने भाविश के खिलाफ बेलेबल वारंट जारी किया था। कंज्यूमर कमीशन ने कहा कि पहले नोटिस दिए जाने के बावजूद वह उसके सामने पेश नहीं हुआ। जब मामला बॉम्बे हाई कोर्ट के सामने आया, तो कोर्ट ने कमीशन को नोटिस जारी किया और कहा कि पहली नजर में ऐसा लगता है कि ऐसा वारंट जारी करके उसने अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया है।

भाविश के खिलाफ वारंट पर लगी रोक

हाई कोर्ट ने कहा, "कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट की स्कीम को देखने पर मुआवजा देने का ऑर्डर पास होने और उसे एक्ट के सेक्शन 71 के तहत लागू करने की मांग के बाद ही स्टेट कमीशन को एक्ट के सेक्शन 71 के तहत सिविल कोर्ट की शक्तियां मिलती हैं, ताकि वह अपने ऑर्डर को लागू करने के तरीके के तौर पर डिटेंशन वारंट जारी कर सके।" कोर्ट ने आगे कहा, "ऐसा लगता है कि कंज्यूमर फोरम या कमीशन के सामने किसी विवाद में किसी भी पार्टी को शिकायत की सुनवाई के दौरान ऐसा वारंट जारी करने की कोई पावर नहीं है।" बाद में ओला ने बयान जारी कर कहा कि हाई कोर्ट ने देखा कि डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर कमीशन ने वारंट जारी करते समय कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट के तहत अपनी पावर से बाहर जाकर काम किया है। कंपनी ने कहा, "बॉम्बे, गोवा के माननीय हाई कोर्ट ने डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर कमीशन, साउथ गोवा द्वारा जारी वारंट पर रोक लगा दी है।

सबसे बड़ी रिफाइनरी पर मंडराया खतरा पहले ही हो चुकी है 4 साल की देर

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सरकार ने महाराष्ट्र के रत्नागिरि में देश की सबसे बड़ी ऑयल रिफाइनरी लगाने की योजना बनाई थी लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध के कारण यह कई दशकों से अटकी हुई है। अब इससे विदेशी निवेशकों के भी रत्नागिरि रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स (आरआरपीसीएल) से किनारा करने की आशंका है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) पहले ही इस प्रोजेक्ट से बाहर हो चुकी है जबकि सऊदी अरामको भी शर्तों की समीक्षा चाहती है।

दीया कुमारी का बड़ा एलान, बजट 2026-27 से 2047 तक विकसित राजस्थान की नींव हुई मजबूत

जयपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री दिया कुमारी ने राज्य विधान सभा में कहा कि राज्य बजट 2026-27 गरीब, युवा, किसान और महिला सम्मान को समर्पित है। घोषणाओं को समयबद्ध धरातल पर उतारने के लिए संसाधनों की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार वित्तीय अनुशासन से सभी क्षेत्रों का समावेशी विकास कर प्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान बनाने के लिए संकल्पित हैं। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री आय-व्ययक अनुमान 2026-27 पर सदन में सामान्य चर्चा के बाद जवाब दे रहीं थी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास' ध्येय से आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 'विकसित राजस्थान@2047' विजन डॉक्यूमेंट के रखे दीर्घकालीन लक्ष्यों के साथ विकास यात्रा को तीव्र गति से बढ़ाया जा रहा है। राज्य सरकार ने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2030, वर्ष 2035, वर्ष 2040 और विजन 2047 के माइलस्टोन तय किए हैं, उन्हें ठोस कार्य योजना से अर्जित करेंगे। राज्य सरकार का प्रयास है कि राज्य की अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में समावेशी विकास हो, समाज के सभी वर्गों, विशेषकर वंचित वर्गों का विकास हो। इससे ही राजस्थान वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान बनेगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप प्रस्तुत बजट का प्रदेशवासियों ने भरपूर स्वागत किया है। यह बजट विकसित राजस्थान का ब्लू प्रिंट है। इससे बुनियादी ढांचे में निवेश को बढ़ावा मिलेगा। हमारी योजनाओं से राज्य में हुए तीव्र औद्योगिक विकास से केन्द्रीय करों की हिस्सा राशि में भी लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने

बताया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन समय पर देना हमारी जिम्मेदारी है। जनवरी, 2026 तक की पेंशन राशि का भुगतान कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि 91 लाख से अधिक पेंशनरों को 28 हजार 400 करोड़ रुपये की पेंशन देकर सम्बल प्रदान किया गया है।

दिया कुमारी ने सदन में बताया कि वर्तमान राज्य सरकार ने 2 वर्षों में ही पूर्ववर्ती सरकार के 5 वर्षों से अधिक विकास कार्य कराए हैं। शिक्षा क्षेत्र में गत सरकार ने वर्ष 2023-24 के बजट में 51 हजार 243 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया जबकि वर्तमान सरकार ने इस बजट में 68 हजार 989 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा है। यह गत सरकार से 35 प्रतिशत अधिक है। किसान और कृषि क्षेत्र का समुचित विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कृषि क्षेत्र में वर्ष 2023-24 में 89 हजार 190 करोड़ रुपये की तुलना में हमारी सरकार ने इस बजट में 1 लाख 19 हजार 408 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह 34 प्रतिशत अधिक है। उप मुख्यमंत्री व वित्त मंत्री ने कहा कि जन कल्याणकारी नीतियों और व्यापक आर्थिक सुधारों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सकल राज्य घरेलू उत्पाद में वृद्धि हुई है। वर्ष 2026-27 में जीएसडीपी 21 लाख 52 हजार 100 करोड़ रूपये होना संभावित है। यह जीएसडीपी वर्ष 2023-24 की तुलना में 41 प्रतिशत से भी अधिक है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के नेतृत्व में राजस्थान देश के ग्रोथ इंजन के रूप में कार्य कर रहा है। गत सरकार के 5 साल के कार्यकाल में जीएसडीपी 6 लाख 10 हजार 544 करोड़ रूपये बढ़ी थी जबकि वर्तमान सरकार के 2 साल के कार्यकाल में ही 6 लाख 30 हजार 37 करोड़ रूपये की वृद्धि अनुमानित है। उन्होंने बताया कि गत सरकार के कार्यकाल में जीएसडीपी की औसतन ग्रोथ रेट 10.92 प्रतिशत थी जबकि वर्तमान सरकार में ग्रोथ रेट 12.25 प्रतिशत है।

वित्त मंत्री ने कहा कि सदन में गार्गी पुरस्कार नहीं दिए जाने का विषय सदस्यों द्वारा रखा गया है जबकि वर्ष 2026 में बसंत पंचमी पर योजना के अंतर्गत सभी पात्र 1 लाख 55 हजार 25 बालिकाओं को 46 करोड़ रुपये से अधिक का डीबीटी वितरण किया जा चुका है। कृषि उपज मंडियों के विकास कार्यों में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस मद में वर्तमान सरकार के दो वर्षों में 658 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं। निःशुल्क टेबलेट वितरण योजना में राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत 8वीं, 10वीं और 12वीं के 33 हजार विद्यार्थियों को टेबलेट वितरित किए गए हैं।

लड़का-लड़की से बजट की तुलना
विधायक बहादुर सिंह कोली के बयान पर बवाल, कांग्रेस का कड़ा विरोध

जयपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में राज्य बजट पर चर्चा के दौरान भाजपा विधायक बहादुर सिंह कोली के एक बयान ने सियासी विवाद खड़ा कर दिया। बजट बहस में भाग लेते हुए कोली ने भाजपा सरकार के बजट की तुलना "लड़के के जन्म" से और पूर्व कांग्रेस सरकार के बजट की तुलना "लड़की के जन्म" से कर दी।

सोमवार शाम को बहस में हिस्सा लेते हुए MLA बहादुर सिंह कोली ने कहा कि हमारा बजट युवाओं का है, उनका बजट बुजुर्गों का है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उनकी सरकार ने पहले ही बजट में "लड़के को जन्म दिया" और आगे भी ऐसा ही किया, जबकि जब अशोक गहलोत मुख्यमंत्री थे, तब आखिरी बजट में लड़की पैदा हुई, इसलिए कांग्रेस विपक्ष में बैठी है।

कांग्रेस का कड़ा विरोध

बयान के बाद सदन में कांग्रेस विधायकों ने जोरदार विरोध दर्ज कराया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इसे भेदभावपूर्ण और आपत्तिजनक बताया। उन्होंने कहा कि आज भी बेटा-बेटी में भेद करने वाली सोच शर्मनाक है। उन्होंने सत्तापक्ष से इस पर स्पष्ट रुख बताने की मांग की और कहा कि बजट जैसे गंभीर विषय पर लैंगिक उपमा देना अनुचित है।

'यह हमारी ब्रजभाषा है'

विवाद बढ़ने पर बहादुर सिंह कोली ने मीडिया से कहा कि उनके बयान में कुछ भी गलत नहीं है और यह उनकी ब्रजभाषा की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि उन्होंने केवल "अच्छा बजट" पेश किए जाने की बात कही थी। हालांकि, उनके बयान को लेकर राजनीतिक गलियारों में बहस जारी है और विपक्ष इसे महिला सम्मान से जोड़कर मुद्दा बना रहा है।

'भगा-भगा कर एनकाउंटर करो', गैंगस्टर्स की धमकी पर भड़कीं सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की पत्नी शीला शेखावत

कुचामन शहर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। कुचामन/डीडवानाः राजस्थान के कुचामन शहर में बीजेपी नेता विजय सिंह पलाड़ा को मिली जान से मारने की धमकी के बाद बवाल मच गया है। इस धमकी के विरोध में पूरा कुचामन शहर बंद रहा और बाजार में एक भी दुकान नहीं खुली।

बता दें कि आक्रोशित समर्थकों ने थाने के सामने डेरा डाल दिया। जहां दिवंगत सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की पत्नी शीला शेखावत और करणी सेना के नेताओं ने हुंकार भरी। धरना स्थल पर गरजते हुए शीला शेखावत ने पुलिस प्रशासन और गैंगस्टर्स दोनों को आड़े हाथों लिया।

उन्होंने भावुक और आक्रामक लहजे में कहा, आज तो घर-घर PSO बांटे जा रहे हैं, लेकिन जब जरूरत थी तब प्रशासन कहां था? क्या हमारे मरने का इंतजार करते हो? गैंगस्टर्स को सीधी चुनौती देते हुए उन्होंने कहा, ये भिखमंगे कॉल

करके धमकाते हैं।

अरे, हम क्षत्रिय हैं, लड़ना जानते हैं, जिस दिन मन में आए, एक बार जगह और टाइम बता देना। बेटा, जी-जान लगा दूंगी लेकिन तुम्हें जिंदा जाने नहीं दूंगी। मेरे अंदर क्षत्राणी का खून है, तुम जैसे लोगों से डरने वाली नहीं हूं।

विरोध प्रदर्शन के दौरान खो-खो संघ के प्रदेश अध्यक्ष शिवराज सिंह पलाड़ा ने भी तीखे तेवर दिखाए। उन्होंने दो-टूक कहा कि अगर ये गैंगस्टर्स पकड़ में आते हैं, तो इन्हें जेल भेजने के बजाय सड़कों पर भगा-भगा कर इनका एनकाउंटर किया जाना चाहिए। वहीं, करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने कहा कि अगर सामने वाला एक गोली चलाता है, तो हमें दस चलाने की हिम्मत रखनी होगी, तभी ये खौफ खत्म होगा।

आंदोलनकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि यह विरोध केवल प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहेगा। उनकी मुख्य मांगें हैं। धमकी पाने वाले परिवारों को तत्काल हथियारबंद सुरक्षा दी जाए। विजय सिंह पलाड़ा मामले की जांच एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (जयपुर) को सौंपी जाए।

प्रदर्शनकारियों ने एलान किया है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो सर्व समाज अजमेर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित सभा का पूर्ण बहिष्कार करेगा और उन्हें काले झंडे दिखाए जाएंगे। फिलहाल, कुचामन में भारी पुलिस बल तैनात है और तनावपूर्ण शांति बनी हुई है।

10 राज्यों में राज्यसभा चुनाव के लिए शेड्यूल जारी

जयपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग ने राज्यसभा की 37 सीटों पर चुनाव की तारीख का एलान कर दिया है। आयोग ने बताया कि इन 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होंगे। इनमें महाराष्ट्र की सात, पश्चिम बंगाल और बिहार की 5-5 सीटों पर चुनाव कराया जाएगा। वहीं ओडिशा की चार, तमिलनाडु की छह, असम की तीन, छत्तीसगढ़ की दो, हरियाणा की दो, तेलंगान की दो और हिमाचल प्रदेश की एक राज्यसभा सीट पर चुनाव होना है।

भले ही अभी 10 राज्यों के लिए चुनावी बिगुल फूंका हो, लेकिन राजस्थान के लिए 'काउंटडाउन' शुरू हो चुका है। जून 2026 में राजस्थान से राज्यसभा के तीन सांसदों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। विधानसभा के वर्तमान अंकगणित को देखते हुए यह चुनाव सत्ताधारी भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के लिए साख का सवाल बनने वाला है।

जून 2026: राजस्थान की इन

नीरज डांगी राजेंद्र गहलोत रवनीत सिंह बिट्टू

3 सीटों पर टिकी हैं नजरें

राजस्थान से राज्यसभा की कुल 10 सीटें हैं। इनमें से 3 सीटों पर 21 जून 2026 को कार्यकाल समाप्त हो रहा है। रिटायर होने वाले चेहरों में सत्ता और विपक्ष दोनों के दिग्गज शामिल हैं:

नीरज डांगी (कांग्रेस): दलित चेहरे के रूप में कांग्रेस के मजबूत स्तंभ।

राजेंद्र गहलोत (भाजपा): मारवाड़ की राजनीति का बड़ा नाम और भाजपा के पुराने दिग्गज।

रवनीत सिंह बिट्टू (भाजपा): उपचुनाव के जरिए राज्यसभा पहुँचे बिट्टू का कार्यकाल भी जून में समाप्त होगा।

किसके पाले में जाएगी कितनी सीटें?

राज्यसभा चुनाव में विधानसभा के विधायक मतदान करते हैं। राजस्थान की 200 सदस्यीय विधानसभा में वर्तमान में भाजपा के पास पूर्ण बहुमत है।

भाजपा की बढ़तः मौजूदा संख्या बल के हिसाब से भाजपा इन 3 में से 2 सीटों पर आसानी से जीत दर्ज करती दिख रही है।

कांग्रेस की चुनौतीः कांग्रेस के पास केवल एक सीट बचाने की चुनौती होगी, लेकिन निर्दलीयों और अन्य छोटे दलों के समर्थन के बिना यह डगर कठिन हो सकती है।

'मार्च' में क्यों नहीं है राजस्थान का नाम?

कई लोगों के मन में सवाल है कि जब 10 राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, तो राजस्थान क्यों छूटा? दरअसल, राज्यसभा एक स्थायी सदन है और इसके सदस्यों का चुनाव अलग-अलग समय पर होता है। मार्च में जिन 37 सीटों पर चुनाव हैं, वे उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों की हैं जिनका कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा है। राजस्थान के 3 सांसदों का कार्यकाल जून तक है, इसलिए राजस्थान के लिए अलग से अधिसूचना जारी की जाएगी।

दिल्ली की राजनीति पर असर

राजस्थान से हाल ही में सोनिया गांधी और मदन राठौड़ जैसे नेता राज्यसभा पहुँचे हैं। जून 2026 का चुनाव इसलिए भी अहम है क्योंकि भाजपा केंद्र में अपनी ताकत बढ़ाने के लिए राजस्थान की तीनों सीटों पर कब्जा करने की रणनीति बना रही है। वहीं, कांग्रेस अपने 'राज्यसभा कोटे' को बचाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाएगी।

पंचायत समिति का जेटीए 80 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

सिरोही, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सिरोही जिले की रेवदर पंचायत समिति में संविदा पर कार्यरत कनिष्ठ तकनीकी सहायक (जेटीए) दिनेश कुमार वैष्णव को एसीबी जयपुर की विशेष अनुसंधान इकाई टीम ने 80 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। परिवादी ग्राम पंचायत उड़वारिया प्रशासक सरपंच ने एसीबी जयपुर में शिकायत की थी। जेटीए ने उड़वारिया में 10 कैटल शेड के निर्माण की तकनीकी स्वीकृति के एवज में घूस मांगी थी। शिकायत पर एसीबी ने जेटीए को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा। एसीबी ने बताया कि परिवादी ग्राम पंचायत उड़वारिया प्रशासक सरपंच ने उनकी ग्राम पंचायत में 10 कैटल शेड निर्माण कार्यों की स्वीकृति के लिए पंचायत समिति में फाइल दी थी। शेड निर्माण की तकनीकी स्वीकृति जारी करने की एवज में आरोपी जेटीए दिनेश कुमार वैष्णव ने प्रति कैटल शेड 10 हजार रुपए की दर से कुल 1 लाख रुपए रिश्वत के मांगे।

सरकारी स्कूल में युवक-युवती के शव फंदे से लटके मिले, आत्महत्या की आशंका

डूंगरपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के डूंगरपुर जिले के एक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को एक युवक और एक युवती के शव कक्षा कक्ष के बाहर लगी लोहे की ओवरहेड रॉड से लटके मिले। पुलिस के अनुसार दोनों शव स्कूल भवन के पिछले हिस्से में पाए गए। सुबह ग्रामीणों ने शवों को देखा और तत्काल प्रशासन को सूचना दी।

पुलिस ने मृत युवक की पहचान 22 वर्षीय मनोज के रूप में की है, जो मजदूरी करता था और एक बच्ची का पिता था। युवती की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि मामला प्रेम संबंध से जुड़ी दोहरी आत्महत्या का हो सकता है।

पुलिस के मुताबिक मनोज 1 फरवरी को पत्नी से विवाद के बाद घर से निकल गया था। उसकी पत्नी ने चौहासी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने बताया कि विद्यालय सुबह 10 बजे खुलता है, इसलिए घटना के समय वहां कोई छात्र या नियमित स्टाफ मौजूद नहीं था। इससे किसी छात्र या कर्मचारी के प्रभावित होने की सूचना नहीं है।

वहीं, प्रधानाचार्या जशोदा कलासुआ ने कहा कि इन दिनों परीक्षा के कारण सुबह 8 बजे स्टाफ आ जाता है, लेकिन आज कोई परीक्षा नहीं थी। पुलिस ने आगे बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवा दिया गया है।

'हमारी जमीन बंजर नहीं, चारागाह है', 20 लाख बीघा जमीन को ओरण में दर्ज करने की मांग, सड़कों पर उतरा जनसैलाब

जैसलमेर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सीमावर्ती जैसलमेर में ओरण-गोचर जमीनों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करवाने की मांग ने जोर पकड़ लिया। एक तरफ टीम ओरण की ओर से गत महीने तनोट से जयपुर तक शुरू की गई पदयात्रा जोधपुर के पास तक पहुंची है।

दूसरी ओर साधु-संतों के सानिध्य में हजारों की तादाद में ग्रामीणजन जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए। उन्होंने कलेक्ट्रेट पर विशाल प्रदर्शन किया और बाद में उनके प्रतिनिधियों ने कलेक्टर को राज्य सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। आंदोलन के तहत रामगढ़ मार्ग पर स्थित आलाजी मंदिर परिसर में जनसभा का आयोजन किया गया, जिसमें पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी सहित अन्य धार्मिक प्रतिनिधि और टीम ओरण के सदस्य भी शामिल हुए। कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे लोगों में ग्रामीण इलाकों से आई महिलाओं और बालिकाओं की भी उल्लेखनीय मौजूदगी रही। लोगों ने अपने हाथों में मांगों से संबंधित तख्तियां थाम रखी थी। टीम ओरण के साथ ग्रामीण जनों ने मुख्य रूप से जिले में 20 लाख बीघा जमीन को ओरण के रूप में राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करवाने की मांग उठाई। एक तरफ पोकरण विधायक ने लोगों को विश्वास दिलाया कि सरकार उनकी मांगों को लेकर पूरी तरह से संवेदनशील है। दूसरी ओर टीम ओरण के सदस्यों ने कहा कि हमारा विरोध किसी पार्टी से नहीं है, जो भी हमारी सभी ओरणों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करेगा, हम उसके साथ हैं। सभा में कई वक्ताओं ने हुंकार भरते हुए कहा कि एक दिन के आंदोलन या प्रदर्शन से सरकार नहीं मानेगी, इसके लिए लम्बा संघर्ष करने की आवश्यकता है।

विरोध प्रदर्शन के अवसर पर सभी लोगों ने सरकार पर निजी कंपनियों को जैसलमेर जिले की जमीनों को अंधाधुंध ढंग से आवंटित किए जाने का कड़ा विरोध किया और कहा कि सरकार की नजर में जो जमीन बंजर है, वह हमारे गोवंश सहित अन्य पशुधन का चारागाह और जल केंद्र है।

औद्योगिक क्षेत्र में अवैध पटाखा फैक्ट्रियों पर छापा, मालिक और मैनेजर हिरासत में

भिवाड़ी, 18 फरवरी (एजेंसियां)। औद्योगिक क्षेत्र में अवैध पटाखा निर्माण के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग ठिकानों दो फै क्ट्रियों और एक गोदाम पर छापेमारी की। कार्रवाई में बड़ी मात्रा में कच्चा माल, तैयार पटाखे और निर्माण में इस्तेमाल होने वाली मशीनें जब्त की गई हैं। मामले में मालिक हेमंत कुमार शर्मा और फैक्ट्री मैनेजर अभिनंदन तिवारी को हिरासत में लिया गया है। एडिशनल एसपी अतुल साहू ने बताया कि तीनों इकाइयां शाहजहांपुर (कोटपूतली-बहरोड़) निवासी हेमंत कुमार शर्मा के नाम लीज पर ली गई थीं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यहां बिना वैध लाइसेंस के पटाखों का निर्माण और भंडारण किया जा रहा था। संबंधित विभागों से लाइसेंस और एनओसी की पुष्टि की जा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस को फैक्ट्री परिसर से पटाखा बनाने की मशीनें, रासायनिक मिश्रण, बारूदनुमा पदार्थ, खाली खोल, फ्यूज वायर, पैकिंग सामग्री और अन्य उपकरण मिले। गोदाम से तैयार पटाखों की बड़ी खेप जब्त की गई है। जब्त सामग्री का वजन और बाजार मूल्य का आकलन किया जा रहा है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लाखों रुपये का माल बरामद हुआ है। जांच में यह भी सामने आया है कि इकाइयों में सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन किया जा रहा था। अग्निशमन उपकरण पर्याप्त नहीं थे और आपात निकास की व्यवस्था भी अधूरी थी।

दबंगों ने पूर्व सरपंच को बोलेरो से कुचला

अजमेर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। अजमेर जिले के मांगलियावास थाना क्षेत्र के डुमाड़ा गांव में छह दिन पूर्व हुए खूनी संघर्ष के घायल पूर्व सरपंच गोविंदराम गुर्जर ने देर रात उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पूर्व सरपंच की मौत की खबर फैलते ही गुर्जर समाज में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया है।

बता दें कि बुधवार सुबह से ही बड़ी संख्या में समाज के पंच-पटेल, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण जवाहरलाल नेहरू अस्पताल की मोर्चरी के बाहर एकत्रित हो गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना शुरू कर दिया।

विवाद की जड़ गांव में एक रास्ते पर किए गए अतिक्रमण को बताया जा रहा है। 6 दिन पूर्व, जब पूर्व सरपंच गोविंदराम गुर्जर ने रास्ते के विवाद को लेकर विरोध जताया, तो आरोपियों ने उन पर बोलेरो गाड़ी चढ़ाकर उन्हें कुचलने का प्रयास किया। इस हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनका अजमेर के जेएलएन अस्पताल में उपचार चल रहा था।

परिजनों और ग्रामीणों ने मांगलियावास पुलिस की सुस्त कार्रवाई पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि घटना के 6 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने नामजद 4 आरोपियों में से केवल एक, परमेश्वर गुर्जर, को गिरफ्तार किया है।

बाकी आरोपी अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, वे शव का पोस्टमार्टम नहीं करवाएंगे।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे और समझाइश के प्रयास किए। दूसरी ओर, समर्थकों ने स्पष्ट किया है कि यदि न्याय नहीं मिला तो वे मुख्य सचिव और डीजीपी राजीव शर्मा का घेराव कर ज्ञापन सौंपेंगे।

अवैध अफीम और गांजा खेती के खिलाफ डीएसटी की बड़ी कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की खेती के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से अवैध रूप से उगाए गए गांजे के 18 पौधे और अफीम के 438 पौधे जब्त किए हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण नारायण टोगस ने बताया कि जिले में दूसरी फसलों की आड़ में अवैध रूप से अफीम और गांजे की खेती किए जाने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इस पर जिला विशेष टीम (डीएसटी) और संबंधित थानों को विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भोपालसिंह लखावत के निर्देशन तथा वृताधिकारी भूराराम खिलेरी के सुपरविजन में डीएसटी और पुलिस थाना आसोप की संयुक्त टीम ने ग्राम ढंढौरा की सरहद में कार्रवाई की। टीम को सूचना मिली थी कि गांव के जोगाराम पुत्र मोटाराम और जीवणराम पुत्र चेलाराम अपने ट्यूबवेल क्षेत्र में जीरा और गेहूं की फसल के साथ अवैध रूप से अफीम और गांजे की खेती कर रहे हैं।

'बेटी दे दो, वरना जान दे दूंगी' प्रेमी संग जाने की जिद पर थाने में हंगामा
मां-बाप ने छिड़का पेट्रोल; मची भारी तोड़फोड़

अजमेर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर में उस वक्त रूह कंपा देने वाला मंजर देखने को मिला, जब 15 दिन से लापता एक युवती गंज थाने पहुंची। लेकिन वह घर लौटने नहीं, बल्कि अपने समुदाय विशेष के प्रेमी के साथ 'लिव-इन' में रहने का एलान करने आई थी।

बता दें कि अपनी आंखों के सामने बेटी को किसी और के साथ जाते देख मां का कलेजा फट पड़ा। बिलखती मां ने पुलिस के सामने गुहार लगाई, मेरी बेटी मुझे दे दो, वरना मैं यहीं अपनी जान दे दूंगी। पीड़ित मां ने बताया कि उनकी बेटी पिछले कुछ दिनों से काफी डरी हुई थी। उसने बताया था कि कोई अनजान युवक उसे परेशान कर रहा है। 2 फरवरी को वह घर से निकली और फिर वापस नहीं लौटी। परिजनों का आरोप है कि वे 15 दिनों से थाने के चक्कर काट रहे थे, लेकिन पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

जब पुलिस ने युवती के बालिग होने के दस्तावेजों की पुष्टि कर उसे प्रेमी के साथ जाने की अनुमति दी, तो परिजनों का सब्र टूट गया। आक्रोशित माता-पिता ने थाने के बाहर ही अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह करने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें रोका, लेकिन इस बीच माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया।

हंगामे का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्वों ने गंज और कोतवाली थाना क्षेत्र में जमकर उत्पात मचाया। उपद्रवियों ने कचोरी-पकौड़ी की दुकानों और शराब के ठेके में तोड़फोड़ की। दुकानों में लूटपाट कर क्षेत्र में अफरा-तफरी फैला दी।

बुद्ध और अंबेडकर के मार्ग पर तेलंगाना में सुशासन: भट्टी

थाईलैंड और भारत के बौद्ध भिक्षु पहुंचे हैदराबाद

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि जनता की सरकार गौतम बुद्ध और बी. आर. अंबेडकर द्वारा दिखाए गए दार्शनिक मार्ग पर शासन कर रही है।

उन्होंने कहा कि बुद्ध और अंबेडकर की विचारधारा और सोच समाज की सभी समस्याओं का समाधान प्रदान करती है। उपमुख्यमंत्री ने थाईलैंड और भारत के बौद्ध भिक्षुओं के साथ आयोजित बैठक में भाग लिया, जो विश्व शांति के लिए पदयात्रा पर हैं। यह बैठक नेकलेस रोड के पास स्थित अंबेडकर स्मृति वनम में आयोजित की गई। इस अवसर पर भट्टी विक्रमार्का के साथ श्रम मंत्री विवेक वेंकटास्वामी, बुद्ध वनम परियोजना के ओएसडी मल्लेपल्ली लक्ष्मैया और पूर्व मुख्य सचिव काकी माधव राव भी उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बुद्ध वनम को विशेष महत्व दे रही है। इस पहल के तहत आवश्यक निधि आवंटित की गई है और मल्लेपल्ली लक्ष्मैया को सभी गतिविधियों की सरकारी निगरानी में देखरेख के लिए ओएसडी नियुक्त किया गया है।

उन्होंने बताया कि नागार्जुन सागर के पास स्थित बुद्ध वनम वास्तव में भव्य है। तेलंगाना सरकार ने इस परियोजना को बड़े सम्मान के साथ अपनाया है। स्थल का दौरा करने से मानसिक शांति प्राप्त होती है और जनता की सरकार ने बौद्धों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं। उन्होंने बुद्ध वनम को उत्कृष्ट आध्यात्मिक और पर्यटन केंद्र बताते हुए कहा कि वहां का वातावरण अत्यंत शांत है और भिक्षुओं व पर्यटकों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नेकलेस रोड स्थित बाबासाहेब अंबेडकर केंद्र में सभी का एकत्र होना सकारात्मक विकास है। केंद्र में अंबेडकर के जीवन, संदेश और उनके दिखाए मार्ग को भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रदर्शित करने की विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने जोर दिया कि सभी को राष्ट्र को अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान और उनके सामाजिक न्याय के प्रति अडिग प्रतिबद्धता को समझना चाहिए। उन्होंने जानकारी दी कि 70 थाईलैंड के बौद्ध भिक्षु और 30 भारतीय बौद्ध भिक्षु 2 फरवरी को कर्नाटक के कलाबुरागी से अपनी पदयात्रा शुरू कर चुके हैं, और यह मार्च 1 तक जारी रहेगी, जो बुद्ध वनम, नागार्जुन सागर तक पहुंचेगी।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.-एनडी/ई-49,50 & ई-जीएस-05/2025-26, दि.13-02-2026

निम्न ई-निविदाओं हेतु @ www.ireps.gov.in पर आफर्स आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-1. एनडी-49/2025-26 कार्य विवरणः नांदेड- नांदेड पर पिट लाइन नं. 2&3 (रेल फिक्सर्स, ड्रैनेज, वाटर पाइप लाइन & लाइटिंग) का रिकण्डीशनींग कार्य–बिजली व्यवस्थाएं।

अनुमानित मूल्य रु.38,54,855.00, बोली सुरक्षा रु.77,100.00, वैध ऑफरः 60 दिनों तक, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, नांदेड डिवीजन एडमिनिस्ट्रेशन के तहत वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर विवरण उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समयः 09-03-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं. 2. एनडी/ई-50/2025-26, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः 1) डब्ल्यूडीएन–पीआरएलआई स्टेशन के बीच किमी 278/5-6 पर एलसी नं.22 के स्थान पर आरयुबी पर शेष बचे हुए कार्यों का प्रावधान–बिजली व्यवस्थाएं। 2) पीआरएलआई–पीबीएनः पोखर्नी नरसिम्हा–गंगाखेड स्टेशनों के बीच किमी 301/1-2 पर एलसी नं.14 के स्थान पर निर्मित आरयुबी पर शेष बचे हुए कार्यों का निर्माण कार्य-- बिजली व्यवस्थाएं।

अनुमानित मूल्य रु.8,98,553.25, बोली सुरक्षा रु.18,000.00, वैध ऑफरः 60 दिनों तक, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, नांदेड डिवीजन एडमिनिस्ट्रेशन के तहत **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर विवरण उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समयः 09-03-2026 के 16.45 बजे

क्रम सं. 3. एनडी/ई-जीएस-05/2025-26, कार्य विवरणः परभणी, पूर्णा एवं मुदखेड स्टेशनों के सभी प्लेटफार्म्स पर संपूर्ण शेष लम्बाई को ढकने हेतु कवर ओवर प्लेटफार्म का विस्तार कार्य–बिजली व्यवस्थाएं।

अनुमानित मूल्य रु.67,89,280.00, बोली सुरक्षा रु.1,35,800.00, वैध ऑफरः 60 दिनों तक, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, नांदेड डिवीजन एडमिनिस्ट्रेशन के तहत **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर विवरण उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समयः 09-03-2026 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज, अर्हता मानदंड, खास शर्ते आदि हेतु उपरोक्त हमारे वेबसाइट पर जाएं। यह सलाह दी जाती है, यह जांच लें कि, इस ऑफर की प्रस्तुति के पहले, ऑनलाइन पर यदि कोई शुद्धिपत्र प्रकाशित हुवा है या नहीं।

विभागीय रेल प्रबंधक (बिजली), नांदेड

PUB/1957

ई-निविदा सूचना सं.01/डीवाय.सीएसटीइ/सी-॥/एससी/2025-26, दि.16-02-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य सिग्नल & दूर संचार अभियंता (निर्माण-॥), दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन सहित निम्न कार्यों हेतु दि.12-03-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 1, निविदा सं.-सी-एसजी-सी-36-5-225-2025–26, कार्य विवरणः 1) दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के हैदराबाद डिवीजन के मौलाली पर ईएमयु कार शेड पर एमइएमयुज 16 कारें, वन्दे भारत रेक्स & इएमयुज के रखरखाव हेतु इनफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं में वृध्दि या अगमेंटेशन। 2) दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के हैदराबाद डिवीजन पर इलेक्ट्रिक लोको शेड लालागुडा पर 225 से 300 तक लोकोमोटिव्ज की होमिंग केपासिटी में वृध्दि-- दूर संचार व्यवस्थाएं।

अनुमानित मूल्य रु.2,42,12,511.62 पैसे, बोली सुरक्षा रु.2,71,100.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने

बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://ireps.gov.in पर लॉग इन करें।

बोली सुरक्षा राशि का भुगतान ई-पेमेन्ट गेटवे द्वारा नकद रूप में अथवा इसे भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से आहरित बैंक गारण्टी बांड के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए।

निविदाकार, अपने ऑफर्स को, ऑनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पूर्व पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।

निविदाकार, किसी भी शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

उप मुख्य सिग्नल & दूर संचार अभियंता, (निर्माण-॥), सिकंदराबाद

PUB/1958

निविदा सूचना सं.-सीइइ/पी/एससी-2x25केवी-पीएसआई-ओजीएल-जीडीआर-2025-26-01, दि.09-02-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति भारतीय गणराज्य की ओर से व के लिए, मुख्य बिजली अभियंता (परियोजनाएं), सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं (ऑनलाइन) आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं.2x25-इपीसी-पीएसआई-ओजीएल-जीडीआर-10, दि.06-02-2026, कार्य विवरणः विजयवाडा तथा विजयवाडा डिवीजनों पर ओंगोल (ओजीएल)–गुडूर (जीडीआर) सेक्शन में एससीओटीटी- कनेक्टेड ट्रांसफार्मर्स सहित तत्संबंधित डिजाइन, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण एवम् ट्रैक्शन सब-स्टेशन्स (टीएसएस), सेक्शनींग पोस्ट्स (एसपीज) तथा सब-सेक्शनींग एवम् एटी सिस्टम पर 2x25केवी में पैराल्लेलिंग पोस्ट्स की कमीशनींग करना।

अनुमानित मूल्य रु.164,26,00,000.00, ऑनलाइन में जमा की जानेवाली पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु. 83,63,000.00, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने (चौबीस महिने), निविदा खोलने का स्थानः सिकंदराबाद

क्रम सं.1, कार्य विवरणः ई-टेंडर (ऑनलाइन) द्वारा निविदा बंद करने की तिथिः 08-04-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.2, कार्य विवरणः ई-टेंडर (ऑनलाइन) द्वारा निविदा खोलने की तिथिः 13-04-2026 के 16.00 बजे

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदाओं की प्रस्तुति हेतु कृपया हमारे **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in देखें।

टिप्पणीः निविदा दस्तावेजों के प्रति कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र/जोड होने पर यदि आवश्यक हो तो उसे, उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जायेगा।

मुख्य बिजली अभियंता/परियोजनाएं/सिकंदराबाद

PUB/1959

श्रीधर बाबू "इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट—2026" में मुख्य भाषण देंगे

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुडडिला श्रीधर बाबू गुरुवार और शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित "इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट—2026" में कई सत्रों में मुख्य भाषण देंगे। श्रीधर बाबू विशेष आमंत्रित के रूप में इस उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं, जिसमें 20 देशों के शीर्ष नेताओं और 40 देशों के विशेषज्ञों की भागीदारी है।

गुरुवार को सुबह 9:30 बजे वह मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के साथ उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे और वैश्विक एआई विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के कई कार्यक्रमों में भाषण देंगे। इसके अलावा, श्रीधर बाबू यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल के सदस्यों, प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रतिनिधियों और बैंकिंग क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों से मुलाकात करेंगे। वह डिजिटल गवर्नेंस एडवाइजरी और ऑलब्राइट स्टोनब्रिज ग्रुप जैसी वैश्विक रणनीतिक सलाहकार संस्थाओं के प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों को भी मुख्य भाषण देंगे। मंत्री स्वीडन के एक व्यापार प्रतिनिधिमंडल से भी मिलेंगे।

निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूर संचार अभियंता, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि.18-03-2026 के 11.30 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा दिनांकितः 16-02-2026

क्रम सं.1, निविदा सं. वाय/एसजी/36/2025-26/37, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः 1) रिलाय़ेबिलीटी में सुधार तथा सिग्नल्लिंग एस्सेट्स की एस्सेसिबिलीटी। 2) केबुल्स की विश्वसनीयता में सुधार तथा रखरखाव गतिविधियां–दूर संचार व्यवस्थाएं।

अनुमानित मूल्य रु.4,48,06,647.00, पूर्व धरोहर राशि रु.3,74,000.00

क्रम सं.2, निविदा सं. वाय/एसजी/36/2025-26/38, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन पर आडियो/व्हाइस रिकार्डिंग सुविधा सहित वीएचएफ सेट्स का कार्यान्वयन।

अनुमानित मूल्य रु.4,50,63,053.34, पूर्व धरोहर राशि रु.3,75,300.00

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूर संचार अभियंता, हैदराबाद

PUB/1962

निविदा संख्याः 36_2025 26_एसआर.डीइइ_टीआरडी_एचवायबी, दि.16-02-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/हैदराबाद द्वारा तत्संबंधित निविदा सं.36 _2025-26 _एसआर.डीइइ_ टीआरडी_एचवायबी, दि.16-02-2026, बंद करने की तिथिः 11-03-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन-एसडब्ल्यू (।)- कौकुन्ट्ला स्टेशन-ट्रैक्शन टू बाल्लास्ट साइडिंग का प्रावधान-बिजली टीआरडी व्यवस्थाएं। एसडब्ल्यू (॥)---महबूबनगर (महबूबनगर) क्षेत्राधिकार-विविध याड्र्स पर सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार कार्य एवं उन्नयन कार्य। एसडब्ल्यू-(॥।)कर्नूल टाउन क्षेत्राधिकार- विविध याड्र्स पर सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार कार्य एवं उन्नयन कार्य--बिजली टीआरडी व्यवस्थाएं।

निविदा का विज्ञापित मूल्य रु. 80,33,197.00, पूर्व धरोहर राशि रु. 1,60,700.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 06 महिने, बंद करने की तिथिः 11-03-2026

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

A2487 **वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, हैदराबाद**

PUB/1965

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

एसएससी परीक्षाओं के बीच लंबा अंतराल बना चिंता का कारण

शिक्षकों ने जताई आपत्ति, सरकार ने बनाई कार्ययोजना

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। छात्रों के दबाव और चिंता को कम करने के उद्देश्य से इस वर्ष पहली बार एसएससी सार्वजनिक परीक्षाओं के बीच लंबा अंतराल रखा गया है, लेकिन इसे लेकर शिक्षकों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि विषयों के बीच अधिक दिनों का गैप छात्रों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। राज्य सरकार द्वारा जारी कक्षा 10 का परीक्षा कार्यक्रम 14 मार्च से 16 अप्रैल तक चलेगा। पिछले वर्षों में परीक्षाएं लगभग 10 दिनों में समाप्त हो जाती थीं, लेकिन इस बार विषयों के बीच तीन से पांच दिन का अंतर रखा गया है। अंग्रेजी, गणित, भौतिक विज्ञान और जीव विज्ञान जैसे प्रमुख विषयों के बीच चार दिन का अंतर है, जबकि सामाजिक अध्ययन की परीक्षा से पहले पांच दिन का अंतर रखा गया है।

शिक्षकों का कहना है कि लंबे अवकाश के दौरान छात्र मोबाइल फोन, टीवी और अन्य गतिविधियों में उलझ सकते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को कृषि कार्य में भी लगा दिया जाता है, जिससे तैयारी पर असर पड़ सकता है। शिक्षकों और स्कूलों की आपत्तियों के बाद शिक्षा विभाग ने एक कार्ययोजना तैयार की है। इसके अनुसार, परीक्षाओं के बीच के दिनों का उपयोग केवल शैक्षणिक गतिविधियों के लिए किया जाएगा। इन दिनों में पुनरावलोकन, अभ्यास परीक्षा और उत्तर लेखन का अभ्यास कराया जाएगा।

शिक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे महत्वपूर्ण विषयों, मुख्य अवधारणाओं, सूत्रों और संभावित प्रश्नों पर विशेष ध्यान दें। प्रत्येक दिन अभ्यास परीक्षा आयोजित करने और बाद में उत्तर लेखन की सही विधि समझाने के भी निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, प्री-फाइनल और वार्षिक परीक्षा के बीच 14 दिनों के अंतराल का उपयोग छात्रों को उनके प्रदर्शन के आधार पर वर्गीकृत करने के लिए किया जाएगा। स्कूलों को कमजोर, औसत और अच्छे प्रदर्शन वाले छात्रों के लिए अलग-अलग रणनीति अपनाने और आवश्यकता होने पर विशेष कक्षाएं चलाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि सभी छात्र परीक्षा में सफल हो सकें।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती में मुख्य यजमान में प्रवीण कुमार अग्रवाल, संतोष बाई अग्रवाल , राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले, पीसी जैन, प्रवीण कुमार अग्रवाल विजय तंबी विजय कुमार अशोक कुमार सरायवाला प्रमोद कुमार सरायवाला विनोद टिकमानी अशोक लाखोटिया रामनिवास पंडित संध्या अग्रवाल विजया लक्ष्मी विजया रेड्डी संगीता रेड्डी एवं अन्य।

बल्का सुमन की गिरफ्तारी की निंदा

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। क्याथनपल्ली में पूर्व विधायक बल्का सुमन की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने इसे अवैध और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। उन्होंने सुमन और अन्य हिरासत में लिए गए बीआरएस नेताओं की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की मांग की। एक बयान में रामाराव ने राज्य चुनाव आयोग और राज्यपाल से नगरपालिका चुनावों में कथित अनियमितताओं की गहन जांच कराने का आग्रह किया।

असाधारण

भाग II - खंड 3 – उप-खंड (ii)

रेल मंत्रालय

(दक्षिण मध्य रेलवे)

अधिसूचना

सिकंदराबाद, 11 फरवरी, 2026

का.आ. 769(अ). - रेलवे अधिनियम, 1989 (1989 का 24) (इसके पश्चात् उक्त अधिनियम के रूप में संदर्भित) की धारा 20ए की उप-धारा (I) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार इस बात से संतुष्ट होने के पश्चात् कि सार्वजनिक प्रयोजन के लिए भूमि, जिसका संक्षिप्त विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, विशेष रेलवे परियोजना अर्थात् तेलंगाना राज्य में जनगांव जिले के घनपुर (स्टेशन) गाँव एवं मंडल में "3000 एमटी लोडिंग के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विद्युत कर्षण प्रणाली का 1x25 केवी से 2x25 केवी में उन्नयन कार्य – सिकंदराबाद - काज़ीपेट सेक्शन में घनपुर टीएसएस का निर्माण" के निष्पादन के लिए आवश्यक है, एतद्वारा एसी भूमि का अधिग्रहण करने की अपनी मंशा की घोषणा करती है;

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 20डी की उप-धारा (I) के अंतर्गत पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के अधिग्रहण और उपयोग के संबंध में आधिकारीक राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीस (30) दिनों की अवधि के भीतर भू-अर्जन में अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है.

प्रत्येक ऐसी आपत्ति, सक्षम प्राधिकारी (भूमी अधिग्रहण), अर्थात् राजस्व मंडल अधिकारी, घनपुर (स्टेशन) को लिखित रूप में की जाएगी और उसके आधारों को निर्धारित की जाएगी तथा सक्षम प्राधिकारी अर्थात् राजस्व मंडल अधिकारी, घनपुर (स्टेशन) आपत्तिकर्ता को व्यक्तिगत रूप से या कानूनी व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और एसी सभी आपक्तियों को सुनने के बाद तथा आगे एसी जांच करने के पश्चात् यदि भूमि अधिग्रहण के लिए सक्षम प्राधिकारी (सीएएलए) यह आवश्यक समझता है तो वह किसी आदेश द्वारा आपक्तियों को स्वीकार या अस्वीकार कर सकता है.

उक्त अधिनियम की धारा 20 (डी) की उप-धारा (II) के अंतर्गत भूमि अधिग्रहण के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिया गया कोई भी आदेश अंतिम होगा.

इस अधिसूचना के अंतर्गत शामिल की गई भूमि की भू-योजनाएं और अन्य विवरण उक्त सक्षम प्राधिकारी (सीएएलए) के कार्यालय में उपलब्ध हैं और इच्छुक व्यक्ति द्वारा उनका निरीक्षण किया जा सकता है.

अनुसूची

अधीग्रहण की जाने वाली भूमी का विवरण : तेलंगाना राज्य में जनगांव जिले के घनपुर(स्टेशन) गाँव एवं मंडल में जन प्रयोजन हेतु राष्ट्रीय अवसंचना प्रदान करने के लिए 3000 एमटी लोडिंग के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु विद्युत कर्षण प्रणाली का 1x25केवी से 2x25केवी में उन्नयन कार्य – सिकंदराबाद – काज़ीपेट सेक्शन में घनपुर टीएसएस का निर्माण.

गाँव :: घनपुर (स्टेशन) **मंडल :: घनपुर (स्टेशन)** **जिला :: जनगांव**

क्र. सं.	सर्वेक्षण सं.	अधिग्रहण के अंतर्गत क्षेत्र एकड़ गुंटा में	टाइटल का प्रकार	भूमि का प्रकार	भूमि खोने वाले का नाम और पिता / पति का नाम	क्षेत्र एकड़ गुंटा में	संरचनाएं/ पेड़ आदि यदि कोई हो तो
1	2	3	4	5	6		7
1	664	1.24 1/2	पट्टा	शुष्क	अवुनूरी मल्लय्या सुपुत्र रामास्वामी	1.24 1/2	कोई नहीं
2	665/5	0.21 1/2	पट्टा	शुष्क	प्लॉट	0.21 1/2	कोई नहीं
				कुल		2.06	

[फ. सं. W.Con/182/SRP/TSS/GNP/20A]

A2504 **मोतीलाल भूक्या, मुख्य इंजीनियर / निर्माण-II**

PUB/1971

खेलों से मानसिक व शारीरिक शक्ति बढ़ती है : डीजीपी

तेलंगाना पुलिस में नया उत्साह, खेलों का धमाल

तेलंगाना राज्य पुलिस स्पोर्ट्स मीट का उद्घाटन

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पुलिस विभाग द्वारा आयोजित '4वां तेलंगाना राज्य पुलिस स्पोर्ट्स और गेम्स मीट—2026' शुक्रवार को साइबराबाद पुलिस परेड ग्राउंड में भव्य रूप से शुरू हुआ। राज्य के डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर पुलिस का सम्मान स्वीकार किया और खेलों का उद्घाटन किया। साइबराबाद पुलिस कमिश्नर डॉ. एम. रमेश ने खेलों की ज्योति प्रदान की, जिसे डीजीपी ने प्रज्वलित कर प्रतियोगिताओं का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर सभी ने खेल गीत "जय जयहे तेलंगाना" गाया, जिससे मैदान राज्यभक्ति की भावना से गुंजायमान हो उठा। डीजीपी ने खेलों के शुभारंभ के लिए गन फायर किया और हवा में गुब्बारे छोड़े। डीजीपी ने उपस्थित सभी को बधाई दी और हाल ही में आयोजित ग्लोबल समिट, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच, ग्राम पंचायत व म्युनिसिपल चुनाव, सम्मक्का-सारम्मक्का जत्रा जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में पुलिस की निष्ठा की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेलों में भाग लेने से पुलिस कर्मियों में नया उत्साह आता है, मानसिक व शारीरिक शक्ति बढ़ती है, नेतृत्व कौशल विकसित होते हैं और टीम स्पिरिट व एकजुटता बढ़ती है। उन्होंने महिला पुलिस कर्मियों के बढ़ते प्रतिनिधित्व और उनके नेतृत्व कौशल को भी महत्व देने का संदेश दिया।

साइबराबाद डिविजन से 33 जिलों के 2,532 खिलाड़ी प्रतियोगिताओं में शामिल हुए, जिनमें 300 महिला खिलाड़ी भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आगामी माह साइबराबाद में अखिल भारतीय पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कुल 31 खेलों में प्रतिस्पर्धा होगी, महिलाओं के लिए 14 इवेंट्स निर्धारित किए गए हैं।

राष्ट्रीय स्तर के विजेताओं को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल के साथ नगद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। स्पोर्ट्स आईजी डॉ. गजराव भूपाल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियों के लिए पी. कृष्णाराव, डी. संजीव कुमार, गोपाल कृष्ण, एम.डी. बाबा, अवेनू गोपाल, एस. जयराम (अर्जुन अवार्ड प्राप्तकर्ता) और के. लावण्या को पदकों से सम्मानित किया। प्रतियोगिताओं के दौरान पुलिस वेलफेयर एंड वेलनेस एक्सपो का आयोजन किया गया, जिसकी शुरुआत डीजीपी की पत्नी श्रीमती हेम शिवधर रेड्डी ने की। इसमें स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, व्यायाम और खेल उपकरण, विभिन्न उत्पादों के स्टाल लगाए गए। जेल विभाग द्वारा बनाए गए हैंडिक्राफ्ट, डोर मैट, फर्श क्लीनर, तौलिए, बेडशीट और महिलाओं के लिए विशेष डिजाइन वाले सामान प्रदर्शित किए गए। ट्रैफिक स्टालों में आधुनिक तकनीकी उपकरण और स्पीड लेजर गन प्रदर्शित की गई। इस भव्य आयोजन में पुलिस महानिदेशक कार्यालय के अधिकारीगण, आईपीएस, विभिन्न कमिश्नरेट और विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

भारत ने लगातार चौथा मैच जीता

नीदरलैंड को 17 रन से हराया; दुबे की वर्ल्डकप में पहली फिफ्टी, चक्रवर्ती को 3 विकेट

अहमदाबाद, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में लगातार चौथा मैच जीत लिया है। टीम ने बुधवार के तीसरे मैच में नीदरलैंड को 17 रन से हराया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ग्रुप ए के इस मैच में भारत ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी।

भारतीय टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 193 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 176 रन ही बना सकी। वरुण चक्रवर्ती ने 3 विकेट झटके। शिवम दुबे को 2 विकेट मिले। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या के हिस्से एक-एक विकेट आया।

टीम इंडिया की ओर से शिवम दुबे ने 66 रन बनाए। यह वर्ल्डकप में उनकी पहली फिफ्टी है। हार्दिक पंड्या ने 30 रन बनाए। लोगन वान बीक ने 3 विकेट झटके। आर्यन दत्त को 2 विकेट मिले।

नए बजट प्रस्तावों में आरआरआर सड़कों को बड़ा प्रोत्साहन: कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बुधवार को अधिकारियों को 2026—27 के लिए लक्षित और परिणाम-केंद्रित बजट अनुमान तैयार करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि उनका विभाग तेलंगाना की विकास गति को तेज करने में निर्णायक भूमिका निभाता है। सचिवालय में पिछले साल के आवंटन, कार्यों की प्रगति और निधि रिलीज की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्पष्ट योजना और वित्तीय अनुशासन को आगामी वार्षिक बजट के मार्गदर्शक के रूप में जरूरी बताया। मंत्री ने राज्य के दीर्घकालिक विकास रोडमैप के अनुरूप "गेम चेंजर" इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, विशेषकर रीजनल रिंग रोड (आरआरआर) को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या और वाहनों के बोझ को देखते हुए राज्य का सड़क नेटवर्क मजबूत करना शीर्ष प्राथमिकता है। मंत्री ने हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल के तहत तेलंगाना में उच्च गुणवत्ता वाली सड़कों के निर्माण की योजना की ओर भी संकेत दिया और अधिकारियों से समन्वित प्रयासों के माध्यम से मौजूदा बाधाओं को दूर करने का आग्रह किया।

ईसीआईएल में ग्रेजुएट इंजीनियर अप्रेंटिश शिप प्रशिक्षण का शुभारंभ

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) में ग्रेजुएट इंजीनियर अप्रेंटिश शिप प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग तथा मेकैनिकल इंजीनियरिंग शाखा के प्रशिक्षुओं को ईसीआईएल में अनुसंधान एवं विकास की जा रही विभिन्न प्रौद्योगिकी गतिविधियों की जानकारी दी।

इस अवसर पर कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र के प्रबंधक एवं प्रभारी डॉ. राजनारायण अवस्थी ने ईसीआईएल की आधुनिकतम

प्रौद्योगिकियों नियंत्रण, स्वचालन एवं स्काडा प्रणाली, विकिरण संसूचक एवं उपकरणीकरण ऐन्टेना एव सॉटकॉम प्रणाली, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, स्ट्रैटेजिक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मिसाइल सपोर्ट प्रणाली, उपकरण प्रणाली, एकीकृत सुरक्षा समाधान, सर्वो उत्पाद एवं इलेर्शियल नैविगेशन प्रणाली, सूचना प्रौद्योगिकी, ई-गवर्नेंस एवं सूचना सुरक्षा से संबंधित पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन दिया।

कार्यक्रम में चयनित प्रशिक्षुओं ने भी अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम में एम. वमशीकृष्णा, उप प्रबंधक (सीएलडीसी) तथा आर. स्वामी, सहायक अधीक्षक सीएलडीसी ने सहयोग दिया।

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

भारत सुपर-8 में साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज से भिड़ेगा

जिम्बाब्वे से भी मुकाबला; टीम इंडिया का पूरा शेड्यूल

मुंबई, 18 फरवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में सुपर-8 स्टेज की 7 टीमें तय हो चुकी हैं। आखिरी टीम का फैसला बुधवार को पाकिस्तान-नामीबिया मैच से होगा। अगर पाकिस्तान जीता तो टीम सुपर-8 के ग्रुप-2 में पहुंचेगा। अगर नामीबिया जीत गया तो अमेरिका ग्रुप-2 में पहुंच जाएगा।

टीम इंडिया ग्रुप-1 में रहेगी। जहां उसका सामना साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे से होगा। ग्रुप-1 में पहले ऑस्ट्रेलिया के आने की उम्मीद थी, लेकिन टीम लीग स्टेज से ही बाहर हो गई है। उसकी जगह ग्रुप-बी में से जिम्बाब्वे ने सुपर-8 के ग्रुप-1 में क्वालीफाई किया है।

21 फरवरी से शुरू होगा सेकेंड राउंड

7 फरवरी से शुरू हुए टूर्नामेंट में 20 फरवरी तक ग्रुप स्टेज के मुकाबले खेले जाएंगे। 21 फरवरी से सुपर-8 स्टेज शुरू होगा। पहले दिन न्यूजीलैंड के सामने पाकिस्तान या अमेरिका का मुकाबला खेला जाएगा। ग्रुप-2 में न्यूजीलैंड के अलावा इंग्लैंड और श्रीलंका ने भी क्वालिफाई कर लिया है।

भारत का पहला मैच साउथ अफ्रीका से

सुपर-8 स्टेज में 22 और 26 फरवरी के साथ 1 मार्च को 2-2 मैच खेले जाएंगे। 20 से 28 फरवरी तक बाकी दिन 1-1 मैच ही होगा। टीम इंडिया 22 फरवरी को अहमदाबाद में साउथ अफ्रीका से पहला मैच खेलेगी। टीम फिर 26 फरवरी को चेन्नई में जिम्बाब्वे से भिड़ेगी। भारत का आखिरी सुपर-8 मैच 1 मार्च को कोलकाता में वेस्टइंडीज से होगा।

सुपर-8 में 12 मैच होंगे

सुपर-8 स्टेज में 4-4 टीमों के 2 ग्रुप बनेंगे। हर टीम अपने ग्रुप में एक-दूसरे के खिलाफ 3-3 मैच खेलेगी। यानी एक ग्रुप में 6 मैच होंगे। इस तरह दोनों ग्रुप मिलाकर 12 मुकाबले खेले जाएंगे। दोनों ग्रुप की 2-2 टॉप टीमें अगले राउंड में एंट्री करेंगी।

4 मार्च को पहला सेमीफाइनल होगा, वहीं 5 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा। इन्हें जीतने वाली टीम 8 मार्च को फाइनल में भिड़ेगी। अगर पाकिस्तान ने नॉकआउट राउंड में एंट्री की तो उसके सभी मैच कोलंबो में होंगे।

ग्रुप स्टेज में 10 टीमें बाहर

टूर्नामेंट में 20 टीमों को 5-5 के 4 ग्रुप में बांटा गया था। ग्रुप-ए से टीम इंडिया ने क्वालिफाई कर लिया, वहीं नामीबिया 3 मैच हारकर बाहर हो गई। पाकिस्तान, अमेरिका और नीदरलैंड में आखिरी टीम का फैसला होगा।

ग्रुप-बी में श्रीलंका और जिम्बाब्वे ने क्वालिफाई किया। ग्रुप-सी से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज अगले राउंड में पहुंचीं। वहीं ग्रुप-डी से न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका ने सुपर-8 में एंट्री की। ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान, स्कॉटलैंड, इटली, नेपाल, अफगानिस्तान, यूएई और कनाडा ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गईं।

भारत ने लगातार 3 मैच जीते

टीम इंडिया ने ग्रुप स्टेज में लगातार 3 मैच जीते। टीम ने पहले मुकाबले में अमेरिका को 29 रन से हराया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिफ्टी लगाई। भारत ने दूसरे मैच में नामीबिया को 93 रन से हराया, यहां हार्दिक पंड्या ने फिफ्टी लगाने के साथ 2 विकेट लिए। टीम ने तीसरे मैच में पाकिस्तान को 61 रन से हरा दिया। यहां प्लेयर ऑफ द मैच ईशान किशन ने 77 रन की पारी खेली।

क्रिकेट का कीड़ा है तो सॉल्व कीजिए ये सुपर क्विज

क्या आप खुद को क्रिकेट के सुपर फैन मानते हैं? पूरे टी20 वर्ल्ड कप टूर्नामेंट के दौरान दैनिक भास्कर के खास गेम 'सुपर ओवर' में रोज क्रिकेट से जुड़े 6 सवाल आपका क्रिकेट ज्ञान परखेंगे।

जितनी जल्दी सही जवाब देंगे उतने ज्यादा रन बनेंगे। जितने ज्यादा रन बनेंगे, लीडरबोर्ड में उतना ही ऊपर आएंगे। तो रोज खेलिए और टूर्नामेंट का टॉप स्कोरर बनिए।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026

सुपर-8 स्टेज का पूरा शेड्यूल

मैच	कब	कहां	समय
न्यूजीलैंड vs टीम 8	21 फरवरी	कोलंबो	शाम 7 बजे
श्रीलंका vs इंग्लैंड	22 फरवरी	पल्लेकेले	दोपहर 3 बजे
भारत vs सा. अफ्रीका	22 फरवरी	अहमदाबाद	शाम 7 बजे
वेस्टइंडीज vs जिम्बाब्वे	23 फरवरी	वानखेड़े (मुंबई)	शाम 7 बजे
इंग्लैंड vs टीम 8	24 फरवरी	पल्लेकेले	शाम 7 बजे
श्रीलंका vs न्यूजीलैंड	25 फरवरी	कोलंबो	शाम 7 बजे
सा. अफ्रीका vs वेस्टइंडीज	26 फरवरी	अहमदाबाद	दोपहर 3 बजे
भारत vs जिम्बाब्वे	26 फरवरी	चेन्नई	शाम 7 बजे
इंग्लैंड vs न्यूजीलैंड	27 फरवरी	कोलंबो	शाम 7 बजे
श्रीलंका vs टीम 8	28 फरवरी	पल्लेकेले	शाम 7 बजे
सा. अफ्रीका vs जिम्बाब्वे	01 मार्च	दिल्ली	दोपहर 3 बजे
भारत vs वेस्टइंडीज	01 मार्च	कोलकाता	शाम 7 बजे

**टीम-8 का फैसला 18 फरवरी को होगा।*

रणजी ट्रॉफी- 67 साल में जम्मू-कश्मीर पहली बार फाइनल में

बंगाल को 6 विकेट से हराया; आकिब नबी ने 9 विकेट लिए

कल्याणी, 18 फरवरी (एजेंसियां)। कल्याणी में खेले गए रणजी ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने दो बार की पूर्व चैंपियन बंगाल को 6 विकेट से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। जीत के लिए मिले 126 रनों के छोटे लक्ष्य को टीम ने चौथे दिन 34.4 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

वंशज शर्मा ने 43 रन बनाए, जबकि आईपीएल स्टार अब्दुल समद 30 रन बनाकर नाबाद रहे और टीम को जीत तक पहुंचाया। इस जीत के हीरो तेज गेंदबाज आकीब नबी रहे, जिन्होंने मैच में कुल 9 विकेट लेकर बंगाल की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। इसके अलावा उन्होंने पहली पारी में 42 रन बनाकर टीम की जीत में अहम योगदान भी दिया।

समद की आक्रामक बैटिंग और वंशज का छक्का

मैच के चौथे दिन जम्मू-कश्मीर को जीत के लिए 83 रनों की जरूरत थी और उनके 8 विकेट सुरक्षित थे। सुबह के सत्र में शुभम पुंडीर (27) और कप्तान पारस डोगरा (9) जल्दी आउट हो गए, जिससे टीम पर दबाव बढ़ गया था। इसके बाद अब्दुल समद और 22 साल के युवा वंशज शर्मा ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच 55 रनों की अटूट साझेदारी हुई। समद ने अपनी 27 गेंदों की पारी में 3 छक्के और 1 चौका लगाकर बंगाल के गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया। मैच का अंत वंशज शर्मा ने मुकेश कुमार की गेंद पर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से शानदार छक्का लगाकर किया।

बंगाल की टीम में मोहम्मद शमी, आकाश दीप, मुकेश कुमार और शाहबाज अहमद जैसे चार इंटरनेशनल खिलाड़ी शामिल थे। इसके बावजूद टीम दूसरी पारी में महज 99 रनों पर सिमट गई। बंगाल ने पहली पारी में 328 रन बनाए थे, जिसके जवाब में जम्मू-कश्मीर ने 302 रन बनाए। दूसरी पारी में अकीब नबी की घातक गेंदबाजी के सामने बंगाल का कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं सका। आकाश दीप ने दूसरी पारी में 3 विकेट जरूर लिए, लेकिन वे हार नहीं टाल सके।

जम्मू-कश्मीर ने पहली बार 1959-60 के सीजन में रणजी ट्रॉफी खेलना शुरू किया था। शुरुआत में इस टीम को एक कमजोर टीम माना जाता था। टीम को अपनी पहली जीत दर्ज करने में ही 44 साल लग गए थे, जब 1982-83 में उन्होंने सर्विसेज को हराया था। 2013-14 में टीम पहली बार नॉकआउट दौर में पहुंची थी। इस सीजन में कोच अजय शर्मा और कप्तान पारस डोगरा के मार्गदर्शन में टीम ने मुंबई, राजस्थान, दिल्ली और हैदराबाद जैसी बड़ी टीमों को हराकर अपना लोहा मनवाया।

तेज गेंदबाज अकीब नबी के लिए यह सीजन किसी सपने जैसा रहा है। क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश के खिलाफ 12 विकेट लेने वाले नबी ने सेमीफाइनल में भी 9 विकेट चटकाए। इस सीजन में उनके कुल विकेटों की संख्या 55 हो गई है और उनका औसत 13 से भी कम का रहा है।

गेंदबाजी के अलावा उन्होंने पहली पारी में 42 रनों का अहम योगदान भी दिया था। मैच के बाद नबी ने कहा,'पिछली बार हम क्वार्टर फाइनल में चूक गए थे, लेकिन इस बार हमारी मेहनत रंग लाई।'

41 साल के कप्तान पारस डोगरा ने मैच के दौरान रणजी ट्रॉफी में अपने 10,000 रन पूरे किए। वे वसीम जाफर के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। हिमाचल प्रदेश और पुडुचेरी से होते हुए जम्मू-कश्मीर पहुंचे डोगरा ने पहली पारी में 58 रनों की जुझारू पारी खेली थी, जिसने जीत की नींव रखी।

इस ऐतिहासिक जीत पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा,'यह खिलाड़ियों की मेहनत और कोचिंग स्टाफ के अनुशासन का नतीजा है। जम्मू-कश्मीर की टीम ने पिछले कुछ सालों में जबरदस्त सुधार किया है। मुझे उम्मीद है कि वह दिन दूर नहीं जब हमारे खिलाड़ी भारतीय टीम में भी अहम भूमिका निभाते दिखेंगे।'

ईशान किशन टी-20 आईसीसी बैटर रैंकिंग के टॉप 10 में

17 पायदान की छलांग लगाई, पाकिस्तान के खिलाफ 77 रन की आतिशी पारी का फायदा

मुंबई, 18 फरवरी (एजेंसियां)। आईसीसी ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच ताजा टी-20 रैंकिंग जारी कर दी है। इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन टॉप-10 बैटर्स में शामिल हो गए हैं। उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ वर्ल्डकप में खेली गई 77 रनों की पारी का फायदा मिला।

ईशान 17 पायदान चढ़कर बल्लेबाजों की लिस्ट में 8वें नंबर पर पहुंच गए हैं। लिस्ट में टॉप पर भारत के ही अभिषेक शर्मा हैं। गेंदबाजी में भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती दुनिया के नंबर-1 टी-20 गेंदबाज बने हुए हैं। वहीं, ऑलराउंडर्स की लिस्ट में पाकिस्तान के सईम अयूब एक बार फिर नंबर-1 बन गए हैं।

भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पाकिस्तान के खिलाफ डक पर आउट होने के बाद भी T20I बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 स्थान पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के फिल सॉल्ट दूसरे स्थान पर काबिज हैं। श्रीलंका के विस्फोटक बल्लेबाज पथुम निसंका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कैंडी में शानदार शतक जड़कर तीन स्थान की छलांग लगाई और तीसरे नंबर पर पहुंच गए। इंडिया के तिलक वर्मा भी

एक पायदान की छलांग लगाते हुए चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी तरफ पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 2 स्थान नीचे लुढ़क गए हैं। साहिबजादा अब 5वें स्थान पर खिसक गए हैं। इंग्लैंड के जोस बटलर को भी तीन स्थान का नुकसान हुआ है और अब वह 7वें पायदान पर खिसक गए हैं। न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को भी एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है, बावजूद इसके दोनों बल्लेबाज टॉप-10 में बने हुए हैं। अब सीफर्ट 9वें जबकि हेड 10वें स्थान पर खिसक गए हैं।

गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में भारत के वरुण चक्रवर्ती 787 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर मजबूत बने हुए हैं। हालांकि, अफगानिस्तान के राशिद खान अब एक पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं और वे वरुण के काफी करीब हैं। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्रैड इवांस को वर्ल्ड कप में लगातार दो मैचों में 3-3 विकेट लेने का फायदा हुआ है। वे अब 10 पायदान की छलांग लगाकर करियर की बेस्ट 5वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल भी 15वें और 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर्स की कैटेगरी में नंबर-1की कुर्सी के लिए सईम अयूब और सिकंदर रजा के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। पाकिस्तान के सईम अयूब ने भारत के खिलाफ कोलंबो में 25 रन देकर 3 विकेट लिए थे,जिसके दम पर उन्होंने जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा को पीछे छोड़ते हुए एक बार फिर पहला स्थान हासिल कर लिया है। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर

चैंपियंस लीग : स्टार फुटबॉलर विनीशियस जूनियर के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार? बेनफिका के फुटबॉलर्स पर लगाए गंभीर आरोप

मैड्रिड, 18 फरवरी (एजेंसियां)। ब्राजील के खिलाड़ी विनीशियस जूनियर ने चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के प्लेऑफ के मुकाबले में रियल मैड्रिड की तरफ से बेनफिका के खिलाफ विजयी गोल करने के बाद नस्लीय दुर्व्यवहार के आरोप लगाए। खेल को तब रोक दिया गया जब विनीशियस ने दावा किया कि रियल मैड्रिड की 1-0 से जीत के दौरान एक प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी ने नस्लीय टिप्पणी करके उनका अपमान किया।

रियल मैड्रिड के डिफेंडर ट्रेंट अलेक्जेंडर अर्नोल्ड ने मैच के बाद कहा, 'अपने करियर के दौरान उन्हें कई बार इस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा है और उन्होंने इसे बखूबी संभाला है। लेकिन उनके प्रति इस तरह का व्यवहार जारी रहना और इस मैच की रात ऐसा होना फुटबॉल के लिए शर्मनाक है।'

इस बीच मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को मोनाको के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। पीएसजी एक समय दो गोल से पीछे चल रहा था, लेकिन सबस्टिट्यूट खिलाड़ी डेजायर डूए के शानदार प्रदर्शन से वह आखिर में 3-2 से जीत हासिल करने में सफल रहा। अन्य मैचों में गैलाटासराय ने युवेंटस को 5-2 से हराया जबकि बोरुसिया डॉर्टमुंड ने अटलांटा के खिलाफ 2-0 से जीत दर्ज की।

विनीशियस ने स्टेडियम ऑफ लाइट में बेनफिका के खिलाफ प्लेऑफ के पहले चरण में रिकॉर्ड 15 बार के चैंपियन रियाल मैड्रिड को बढ़त दिलाने के बाद रेफरी फ्रांकोइस लेटेक्सियर को नस्लवादी टिप्पणी की जानकारी दी। उन्होंने अर्जेंटीना के खिलाड़ी जियानलुका प्रेस्टियानी की ओर इशारा किया।

बेनफिका के कोच जोस मोरिन्हो ने हालांकि कहा कि उनके खिलाड़ी ने नस्लीय टिप्पणी करने के आरोपों से इनकार किया है। मोरिन्हो ने कहा, 'उन्होंने मुझे अलग-अलग बातें बताईं। लेकिन कुछ तो गड़बड़ है क्योंकि हर बार ऐसा होता है। जहां भी विनीशियस खेला, वहां हमेशा कुछ न कुछ हुआ।'

भारतीय मूल के श्रेयस मोव्वा कनाडा टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज

जहां टर्फ विकेट तक नहीं, उस बर्फ की धरती पर सॉफ्टवेयर इंजीनियर श्रेयस ने जिंदा रखा सपना

खेल डेस्क, 18 फरवरी (एजेंसियां)। जहां 'आइस हॉकी' सबसे लोकप्रिय खेल है और साल के छह महीने बर्फ की चादर बिछी रहती है, वहां एक भारतीय मूल का खिलाड़ी अपने क्रिकेट के सपनों को सींच रहा है। यह कहानी है श्रेयस मोव्वा की, जो कनाडा की टीम के भरोसेमंद विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं और टी-20 वर्ल्ड कप में अपना जलवा बिखेर रहे हैं।

कर्नाटक से अंडर-23 भी खेले

कर्नाटक में जन्मे श्रेयस का सपना कर्नाटक राज्य की टीम के लिए खेलना था। उन्होंने 2015 में अंडर-23 क्रिकेट खेला, जहां उनके साथ अभिनव मनोहर और प्रवीण दुबे जैसे खिलाड़ी थे, जो बाद में आईपीएल के सितारे बने। हालांकि, कर्नाटक की मुख्य टीम में जगह न मिल पाने के कारण श्रेयस ने मां का सपना पूरा करने की ठानी। साल 2016 में वे पढ़ाई के लिए कनाडा चले गए और मॉन्ट्रियल की कॉनकॉर्डिया यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया।

कनाडा के क्यूबेक प्रांत में क्रिकेट खेलना किसी संघर्ष से कम नहीं है। श्रेयस बताते हैं, 'वहां गर्मी का मौसम मई से सितंबर-अक्टूबर तक ही रहता है। उसके बाद कड़ाके की ठंड और बर्फबारी के कारण हमें

इंडोर नेट्स में अभ्यास करना पड़ता है, जहां मैच जैसी परिस्थितियां बनाना मुश्किल होता है। वहां अंतरराष्ट्रीय स्तर के टर्फ विकेट नहीं हैं। अब भी टर्फ विकेट की जरूरत है, क्योंकि अधिकतर मुकाबले मैटिंग विकेट पर खेले जाते हैं।' इन बाधाओं के बावजूद, 2021 में श्रेयस 2009 के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले क्यूबेक के पहले खिलाड़ी बने थे। 32 साल के श्रेयस सॉफ्टवेयर इंजीनियर भी हैं।

दिन में क्रिकेट खेलते हैं और रात में करते हैं काम

वे बताते हैं, 'जब मैं टीम से बाहर था, तब मेरी नौकरी ने मुझे मानसिक रूप से टूटने से बचाया। मेरी कंपनी मुझे खेलने की अनुमति देती है और मैं अक्सर रात में काम करके इसकी भरपाई करता हूं। क्रिकेट मेरा जुनून है और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग मेरा पेशा; मैं दोनों को जारी रखना चाहता हूं।'

कनाडा के लिए 24 वनडे और 26 टी-20 खेल चुके श्रेयस वर्ल्ड कप में खुद को साबित कर रहे हैं। अब उनकी टीम का आखिरी मैच अफगानिस्तान के खिलाफ है। चेन्नई की स्पिन पिचों पर श्रेयस के पास 'क्लास' दिखाने का अंतिम मौका है। उनके लिए यह वर्ल्ड कप केवल टूर्नामेंट नहीं, बल्कि उस जिद की जीत है जो कर्नाटक से शुरू होकर क्यूबेक की बर्फ को चीरते हुए वैश्विक मंच पर चमक रही है।

क्या फिर भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच बनेंगे श्रीजेश?

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीजेश के मार्गदर्शन में भारत ने बीते दिसंबर में चेन्नई में आयोजित एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अर्जेंटीना को 4-2 से हराकर नौ साल बाद इस प्रतियोगिता में पोडियम स्थान हासिल किया था। श्रीजेश ने कहा, हां, विश्व कप के बाद 21 दिसंबर को मेरा अनुबंध खत्म हो गया था और उसके बाद मैं केरल स्थित अपने गृहनगर में हूं। विज्ञापन आने पर मैंने दोबारा आवेदन किया। मुझे पता है कि छह-सात अन्य उम्मीदवारों ने भी आवेदन किया है। अब देखते हैं क्या होता है।

श्रीजेश ने अपने कोचिंग के

अनुभव पर कहा, यह सीखने का शानदार अनुभव रहा। मैंने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुभव साझा किए। उतार-चढ़ाव रहे, लेकिन विश्व कप का कांस्य पदक खास रहा। हमारा लक्ष्य हालांकि स्वर्ण था। संन्यास के बाद मेरा मकसद खेल को कुछ लौटाना था और जूनियर खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव का साझा करने से बेहतर क्या हो सकता है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि कम से कम छह अन्य उम्मीदवार भी दौड़ में हैं। उन्होंने हालांकि नामों का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा, "नियमित प्रक्रिया के तहत जूनियर पुरुष टीम के कोच पद के लिए विज्ञापन जारी किया गया है क्योंकि श्रीजेश का अनुबंध विश्व कप के बाद समाप्त हो गया था। छह-सात उम्मीदवारों ने रुचि दिखाई है, जिनमें श्रीजेश भी शामिल हैं। स्क्रीनिंग और साक्षात्कार के बाद अगले एक-दो सप्ताह में नियुक्ति कर दी जाएगी। भोला नाथ ने एफआईएच प्रो लीग के राउरकेला चरण में सीनियर भारतीय पुरुष टीम के निराशाजनक प्रदर्शन पर भी बात की, जहां टीम को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ लगातार चार हार झेलनी पड़ी।

साउथ अफ्रीका की लगातार चौथी जीत: यूएई को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप के 34वें मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 6 विकेट से हरा दिया। टीम की इस वर्ल्डकप में लगातार चौथी जीत है। वहीं, यूएई की तीसरी हार है। साउथ अफ्रीका सुपर-8 में पहले ही पहुंच चुकी है और यूएई बाहर हो चुकी है। दोनों टीमों का यह आखिरी ग्रुप स्टेज मुकाबला था।

साउथ अफ्रीका ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला किया। यूएई ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 122 रन बनाए। 123 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका ने

ब्रेविस ने 36 रन बनाए, कॉर्बिन बॉश ने 3 विकेट लिए

13.2 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

साउथ अफ्रीका के लिए डेवाल्ड ब्रेविस ने 36, रयान रिकेल्टन ने 30, ऐडन मार्करम ने 28 और क्विंटन डी कॉक ने 14 रन बनाए। जेसन स्मिथ (3) और ट्रिस्टन स्टब्स (6) नाबाद रहें।

यूएई के लिए अलीशान शराफू ने सबसे ज्यादा 45 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान मुहम्मद वसीम 22, ओपनर अर्यांश शर्मा ने 13 और मुहम्मद अरफान ने 11 रन बनाए। साउथ अफ्रीका के लिए कॉर्बिन बॉश ने 3 और एनरिक नॉर्त्या ने 2 विकेट लिए। जॉर्ज लिंडे को 1 विकेट मिला। कॉर्बिन बॉश को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पाकिस्तान टी-20 वर्ल्डकप के सुपर-8 में पहुंचा

नामीबिया को 102 रन से हराया; साहिबजादा फरहान का शतक

कोलंबो, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 में प्रवेश कर लिया है। टीम ने बुधवार के दूसरे मैच में नामीबिया को 102 रन से हराया। पाकिस्तान टॉप-8 में पहुंचने वाली 8वीं टीम बनी है।

कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में पाकिस्तान ने ग्रुप-ए के इस मैच का टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 199 रन बनाए। जवाबी पारी में नामीबिया 17.3 ओवर में 97 रन पर ऑलआउट हो गई। उस्मान तारिक ने 4 विकेट झटके।

जबकि शादाब खान को 2 विकेट मिले। ओपनर लॉरिन स्टीनकैंप ने 23 और एलेक्जेंडर वॉल्सचेंक ने 20 रन बनाए। टीम के 9 बैटर्स दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके।

पाकिस्तानी ओपनर साहिबजादा फरहान ने 58 बॉल पर नाबाद 100 रन की पारी खेली। उन्होंने 57 बॉल पर शतक बनाया। शादाब खान ने नाबाद 36 रन बनाए। कप्तान सलमान अली आगा 38 रन बनाकर आउट हुए। नामीबिया के लिए जैक ब्रेसल ने 2 विकेट झटके। जबकि जेरार्ड इरास्मस को एक विकेट मिला।

तेलंगाना में कांग्रेस का कोई विकल्प नहीं : महेश गौड़

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस का कोई विकल्प नहीं है।

उन्होंने बताया कि कल होने वाली बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सभी राज्यों की समीक्षा करेगी और अब तक 11 राज्यों की समीक्षा पूरी हो चुकी है। बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत करने और कल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पूरी निष्ठा के साथ पिछड़े वर्गों को 42 प्रतिशत आरक्षण दिया है और स्थानीय निकाय चुनावों ने साबित कर दिया है कि पार्टी जमीनी स्तर पर मजबूत है। 67 प्रतिशत बीसी वार्ड सदस्य कांग्रेस से जीते हैं तथा 87.5 प्रतिशत एससी, एसटी और बीसी वर्गों को टिकट दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीटों का चयन सर्वे तथा नगरपालिका चेयरमैन और काउंसिलरों के फीडबैक के आधार पर किया गया है और मंत्रिमंडल के गठन में पीसीसी का कोई हस्तक्षेप नहीं होता। 94 नगरपालिकाओं में जीत जनता के विकास और कल्याण के प्रति सकारात्मक रुख को दर्शाती है। निजामाबाद में पांच सीटों पर एआईएमआईएम के उम्मीदवारों को हराकर जीत दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि मेयर बनने से क्षेत्र का विकास तेज होगा, इसी सोच के साथ पार्षदों ने निर्णय लिया।

अधिक सीटों पर पिछड़ा वर्ग की जीत पर आयोग ने प्रसन्नता जताई

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में संपन्न नगरपालिका चुनावों में पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों की 61 प्रतिशत से अधिक सीटों पर विजय होने पर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने हर्ष व्यक्त किया है। आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन तथा सदस्य रापोलु जयप्रकाश, तिरुमलगिरि सुरेन्द्र और बाललक्ष्मी रंगु ने संयुक्त रूप से जारी वक्तव्य में इसे सामाजिक जागरूकता का परिणाम बताया। आयोग ने कहा कि हाल ही में संपन्न ग्राम पंचायत चुनावों में सामान्य श्रेणी की सीटों पर भी पिछड़ा वर्ग के 52.75 प्रतिशत उम्मीदवारों की विजय उल्लेखनीय रही है। नगरपालिका चुनावों में वार्डों के स्तर पर 28.22 प्रतिशत तथा नगर निगमों में कुल वार्डों के 35.25 प्रतिशत स्थान पिछड़ा वर्ग के लिए निर्धारित थे, इसके बावजूद सामान्य श्रेणी की सीटों पर भी पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार विजयी हुए और कुल मिलाकर 61 प्रतिशत से अधिक सफलता प्राप्त की। इसे पिछड़ा वर्ग समाज में बढ़ती राजनीतिक चेतना का प्रमाण बताया गया। आयोग ने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी जिला परिषद क्षेत्रीय सदस्य, मंडल परिषद क्षेत्रीय सदस्य, जीएचएमसी तथा अन्य नगर निगमों के चुनावों में भी पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार बड़ी संख्या में विजयी होंगे। वक्तव्य में कहा गया कि राज्य में कराए गए व्यापक सर्वेक्षण में पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या 56.33 प्रतिशत पाई गई है। राज्य सरकार द्वारा 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने संबंधी विधेयक विधानसभा में पारित किए जाने के बावजूद उसका केंद्र सरकार के स्तर पर लंबित रहना तथा कुछ व्यक्तियों द्वारा न्यायालय में जाकर इसके क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न करना उचित नहीं है। आयोग ने मांग की है कि पंचायत और नगरपालिका चुनावों में पिछड़ा वर्ग की उल्लेखनीय सफलता को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार 42 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने की अनुमति प्रदान करे तथा इसे संविधान की नवम अनुसूची में शामिल किया जाए।

सात नगर निगमों में से चार मेयर पद बीसी वर्ग को : अनिल

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। माइनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के चेयरमैन ई. अनिल ने कहा कि कांग्रेस ने कामारेड्डी घोषणा के तहत पिछड़ा वर्ग (बीसी) को 42 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया था और नगरपालिका चुनावों में उस वादे को पूरा किया।

उन्होंने बताया कि 42 प्रतिशत आरक्षण के लिए विधानसभा में विधेयक पारित कर राज्यपाल को भेजा गया, लेकिन केंद्र सरकार ने इसे रोक दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि बंडी संजय कुमार और जी. किशन रेड्डी ने बीसी आरक्षण में बाधा डाली। एक ओर वे आरक्षण की मांग करते हैं, वहीं दूसरी ओर अदालत में इसके खिलाफ मामले दायर किए गए। उनके अनुसार भाजपा और बीआरएस के विरोध के बावजूद नगरपालिका चुनावों में बीसी वर्ग को 61 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया, जो चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित आरक्षण से भी अधिक है। उन्होंने कहा कि डीसीसी अध्यक्ष पदों में भी बीसी वर्ग को प्राथमिकता दी गई। पंचायत चुनावों में 42 प्रतिशत से अधिक टिकट बीसी उम्मीदवारों को दिए गए और उनमें से अधिकांश विजयी रहे। वारंगल,पेद्दापेल्ली , महबूबनगर और निजामाबाद लोकसभा क्षेत्रों में एससी, एसटी और बीसी वर्ग को 90 प्रतिशत से अधिक सीटें दी गईं। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल में 13 नगर निगमों में से केवल 4 मेयर पद बीसी वर्ग को दिए गए थे, जबकि वर्तमान में 7 नगर निगमों में से 4 मेयर पद बीसी वर्ग को दिए गए हैं। बीसी आरक्षण के खिलाफ याचिका दायर करने वालों को बीआरएस द्वारा बी-फॉर्म दिए जाने का भी उन्होंने आरोप लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि मुस्लिमों भाजपा में शामिल करने पर आपत्ति जताती है, तो करीमनगर नगर निगम में बीसी के लिए आरक्षित वार्ड से मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट कैसे दिया गया। बीसी आरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि बंडी संजय को राजनीति बंद करनी चाहिए।

भक्ति संगीत प्रस्तुत करेंगी मालविका आनंद

22 फरवरी को श्री नरसिम्हा स्वामी मंदिर में कार्यक्रम

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शास्त्रीय और भक्ति गायिका तथा ऑल इंडिया रेडियो की ग्रेडेड कलाकार मालविका आनंद 22 फरवरी को शाम 6 बजे से श्री नरसिम्हा स्वामी मंदिर में भक्ति संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगी। यह आयोजन मंदिर के वार्षिक ब्रह्मोत्सव के अंतर्गत किया जा रहा है। मालविका भारत और विदेशों में 700 से अधिक संगीत कार्यक्रमों में प्रस्तुति दे चुकी हैं। उन्हें दशहरा उत्सव के दौरान मैसूर महल में प्रस्तुति देने के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा आमंत्रित किया गया था। उन्होंने तिरुपति में आयोजित विश्व तेलुगु सम्मेलन में भी अपनी प्रस्तुति दी है। मालविका आठ भाषाओं में गा सकती हैं और तिरुमला के प्रतिष्ठित कार्यक्रम 'नादा नीरजनम' में भी प्रस्तुति दे चुकी हैं। उन्होंने बिजनेस मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर की पढ़ाई की है और वर्तमान में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत हैं।

तीनों निगमों में स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश

मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ बैठक कर ली जानकारी

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के मुख्य सचिव के रामाकृष्णा राव ने ग्रेटर हैदराबाद, साइबराबाद और मल्काजिगिरी नगर निगम क्षेत्रों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में बुधवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों ने नगरों में स्वच्छता, कचरा संग्रहण पद्धति, सफाई अभियान और जन स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए किए जा रहे उपायों की पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से मुख्य सचिव को जानकारी दी।

के. रामकृष्णा राव ने सभी विवरणों को डैशबोर्ड पर नियमित रूप से अपडेट करने के निर्देश दिए। जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने बताया कि नगर क्षेत्र में 4,500 स्वच्छ ऑटो प्रतिदिन घर-घर जाकर कचरा एकत्र कर रहे हैं। 2,650 स्वयंसेवी दल के सदस्य और कुल 18,557 कर्मी सफाई विभाग में कार्यरत हैं।

प्रतिदिन लगभग 7,800 टन कचरा संग्रहित किया जा रहा है। प्रधान सचिव ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि नगरपालिका विभाग सरकार में महत्वपूर्ण है और जन सुविधाओं के अनुरूप जिम्मेदारियां पूरी करनी होंगी। यदि कोई अधिकारी अपने दायित्वों में लापरवाही करता है, तो उसे नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता कार्य अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किए जाएं। बैठक में कचरा संग्रह (सूखा एवं गीला कचरा), प्लास्टिक कचरे का नियंत्रण और गंदे पानी की शुद्धिकरण केंद्रों के संचालन पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा गया।

शहर में स्वच्छता कार्यों की निगरानी हेतु विशेष टीम गठित करने और समय-समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए। साथ ही, वर्षा के मौसम को ध्यान में रखते हुए नालियों की सफाई की अग्रिम तैयारी करने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में नगरपालिका विभाग सचिव टी.के. श्रीदेवी, जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन, साइबराबाद नगर निगम कमिश्नर श्रीजन, मल्काजिगिरी नगर निगम कमिश्नर विनय कृष्णा रेड्डी, जोनल कमिश्नर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मकथल में राज्यस्तरीय कबड्डी प्रतियोगिताएं मेले की तरह आयोजित हों : मंत्री

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मकथल में आयोजित होने जा रही मुख्यमंत्री कप—2026 की राज्यस्तरीय कबड्डी प्रतियोगिताओं को भव्य एवं उत्सवमय स्वरूप में संपन्न कराने के निर्देश राज्य के पशुपालन, दुग्ध विकास, मत्स्य, युवा सेवा तथा क्रीड़ा मंत्री वाकिटी श्रीहरि ने दिए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं का आयोजन इस प्रकार किया जाए कि समूचा तेलंगाना गर्व का अनुभव करे। मंत्री ने 20 से 24 फरवरी तक प्रस्तावित प्रतियोगिताओं की तैयारियों की समीक्षा हेतु जनप्रतिनिधियों तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दूरसंवाद के माध्यम से बैठक की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग परस्पर समन्वय स्थापित कर आयोजन को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि राज्य के 33 जिलों से बड़ी संख्या में खिलाड़ी मक्तल पहुंचेंगे, अतः उनके आवास, भोजन, पेयजल, विद्युत, स्वच्छता, क्रीड़ांगन तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

किसी भी प्रतिभागी अथवा आगंतुक को असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अतिथि सत्कार, क्रीड़ांगन की तैयारी तथा अन्य व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन अन्य राज्यों के लिए भी मार्गदर्शक सिद्ध होना चाहिए। क्रीड़ा भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिया कि शासकीय विद्यालयों तथा गुरुकुल संस्थानों के विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। संयुक्त महबूबनगर क्षेत्र के विधान परिषद सदस्य, विधायक तथा सांसद प्रतियोगिताओं में अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, अतः उनके स्वागत एवं सम्मान की समुचित व्यवस्था की जाए। मंत्री ने पुलिस, क्रीड़ा, स्वच्छता, नगरपालिका तथा विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जिला प्रशासन के साथ सतत समन्वय बनाए रखते हुए प्रतियोगिताओं की सफलता सुनिश्चित करें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भी आग्रह किया कि वे इसे प्रतिष्ठा का विषय मानते हुए प्रशासन के साथ मिलकर आगे बढ़ें। दूरसंवाद बैठक में जिला अतिरिक्त कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, जिला क्रीड़ा अधिकारी, नगरपालिका आयुक्त, तहसीलदार तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रेलवे सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत मिली एक करोड़ की सहायता

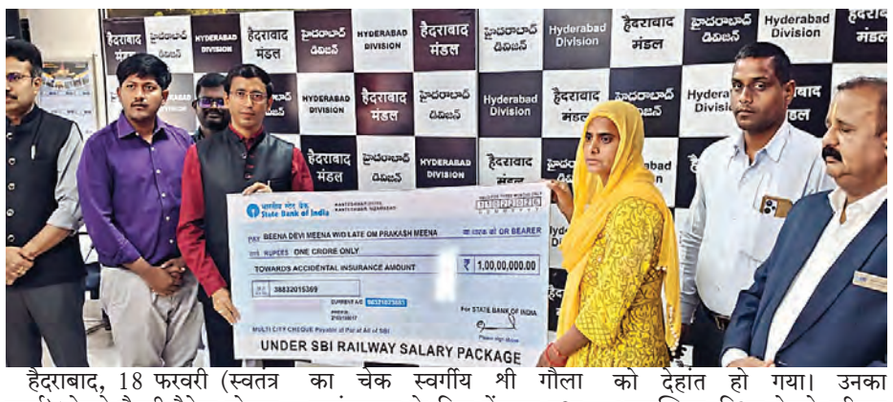

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत व्यक्तिगत दुर्घटना (मृत्यु) बीमा के तहत दो दिवंगत रेलवे कर्मचारियों के परिजनों को 1 करोड़ का चेक एसबीआई द्वारा प्रदान किया गया। हैदराबाद स्थित भवन के डीआरएम कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा तथा एसबीआई के एजीएम आर. मुरली कृष्ण ने संयुक्त रूप से रेलवे सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत व्यक्तिगत दुर्घटना (मृत्यु) बीमा हेतु 1 करोड़ का चेक स्वर्गीय श्री गौला रामांजनयुलु के पिता वेंकप्पा तथा स्वर्गीय ओम प्रकाश मीना की पत्नी बीना देवी मीना को दक्षिण मध्य रेलवे हैदराबाद मंडल और एसबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप से सौंपा।

कर्नूल सिटी स्टेशन में ट्रैक मेंटेनर के रूप में कार्यरत स्वर्गीय गौला रामांजनयुलु का 22 जुलाई 25 को निधन हो गया था, जबकि बोल्सा स्टेशन में स्टेशन सुपरिंटेंडेंट के पद पर कार्यरत स्वर्गीय ओम प्रकाश मीना का 28 अगस्त 25 को देहांत हो गया। उनका आकस्मिक निधन रेलवे परिवार तथा उनके शोकाकुल परिजनों के लिए अपूरणीय क्षति है। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक डी.एस. रामाराव तथा एसबीआई के एजीएम आर. मुरली कृष्ण ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। एसबीआई प्रतिनिधि ने कठिन समय में रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ खड़े रहने की बैंक की प्रतिबद्धता को दोहराया।

बीआरएस जिला अध्यक्ष बल्का सुमन गिरफ्तार

क्याथनपल्ली नगरपालिका चुनाव को लेकर कार्रवाई

मंचेरियल, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। क्याथनपल्ली नगर पालिका अध्यक्ष चुनाव को लेकर जारी विवाद के बीच पुलिस ने बीआरएस जिला अध्यक्ष बल्का सुमन को बुधवार को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। उन पर गैरकानूनी सभा, दंगा करने और एक सब-इंस्पेक्टर के कर्तव्यों में बाधा डालने का आरोप है। पुलिस सुमन को हिरासत में लेकर श्रीरामपुर पुलिस स्टेशन ले गई। गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही जिले के विभिन्न हिस्सों से बीआरएस कार्यकर्ता उनके आवास पर जुट गए और उन्हें ले जाने से रोकने की कोशिश की। संभावना है कि उन्हें शाम तक मंचेरियल जिला अदालत में पेश किया जाएगा।

बेल्लमपल्ली के एसीपी रवि कुमार और मंदामारी के इंस्पेक्टर शशिधर रेड्डी के नेतृत्व में पुलिस बल पूर्व विधायक के आवास पर पहुंचा और उन्हें हिरासत में लिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच हल्की धक्का-मुक्की भी हुई। सुमन ने बिना पूर्व सूचना गिरफ्तारी पर आपत्ति जताई और पुलिस की कार्रवाई को लेकर नाराजगी व्यक्त की। इससे पहले चेन्नूर के पूर्व पार्षद डोमाकोंडा अनिल को भी इसी मामले में गिरफ्तार किया गया था। यह मामला मंगलवार रात दर्ज किया गया था, जब श्रम मंत्री डॉ. जी विवेक और पेद्दापल्ली सांसद जी वामशीकृष्ण क्याथनपल्ली नगरपालिका अध्यक्ष चुनाव के लिए आयोजित विशेष बैठक में भाग लेने जा रहे थे। पुलिस ने सुमन और छह अन्य नेताओं पर गैरकानूनी सभा, दंगा और आदेश की अवज्ञा का आरोप लगाया है।

योग्य लोगों को इंदिराम्मा घर देने का एलान

लाभार्थियों के चयन और घरों के निर्माण पर समीक्षा

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पॉन्नम प्रभाकर ने कहा कि हैदराबाद जिले में योग्य गरीब परिवारों को इंदिराम्मा घर प्रदान किए जाएंगे।

मंत्री ने सचिवालय में अपने कक्ष में आयोजित बैठक में राज्य अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद आज़हरुद्दीन, राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव, विधायकगण और अन्य अधिकारियों के साथ इंदिराम्मा घरों के लाभार्थियों के चयन और दो शयनकक्ष वाले घरों के निर्माण पर समीक्षा की। इस अवसर पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार गरीबों के घर निर्माण में पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य करेगी और योग्य प्रत्येक व्यक्ति को इंदिराम्मा घर प्रदान करना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि एल वन श्रेणी के तहत 4800 योग्य लाभार्थियों के लिए दो शयनकक्ष वाले घरों के निर्माण हेतु धन स्वीकृत किया गया है। इसके अतिरिक्त एल टू श्रेणी में हैदराबाद जिले के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों से चार लाख बाईस हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। मंत्री ने कहा कि हैदराबाद महानगर में भूमि एकत्र कर जी प्लस 5 से 10 तक इंदिराम्मा घरों का निर्माण करने का विचार है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित दो शयनकक्ष वाले घरों के निर्माण कार्य को पूर्ण कर लाभार्थियों को तुरंत सौंपा जाए।

अधिकारियों से उन्होंने यह भी पूछा कि कहाँ-कहाँ खाली घर हैं और कितने लाभार्थी हैं। बैठक में मुरिकिवाड़ा में इंदिराम्मा मॉडल कॉलोनियों, इंदिराम्मा घरों के निर्माण हेतु भूमि संग्रहण, अधूरी दो शयनकक्ष वाली घरों की निर्माण स्थितियों और पूर्ण घरों के वितरण से जुड़े सभी मुद्दों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही जिले के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के विधायकों की राय लेकर आगामी कार्यों पर चर्चा की गई।

टेक कर्मचारी की पूर्व पति ने की हत्या

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तीस वर्षीय सॉफ़्टवेयर पेशेवर सुनीता की कथित तौर पर उनके पूर्व पति द्वारा ग्रीन सिटी कॉलोनी, वनस्थलीपुरम में हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार आरोपी महेश, चाकू और पेट्रोल लेकर उनके घर में घुसा, उन पर हमला किया और फूलदान से प्रहार कर उन्हें गंभीर चोटें पहुंचाईं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार सुनीता ने हाल ही में महेश से तलाक लिया था और पुनर्विवाह कर लिया था। आरोपी को हिरासत में लिया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

माओवादी एरिया कमेटी सदस्य ने किया आत्मसमर्पण

कोत्तागुडेम, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई (माओवादी) के एरिया कमेटी सदस्य थाती मुका उर्फ चुटे ने कोत्तागुडेम पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। वह दक्षिण बस्तर डीवीसी सप्लाई टीम से जुड़ा हुआ था। यह आत्मसमर्पण जिला पुलिस द्वारा सीआरपीएफ की 81वीं और 141वीं बटालियन के साथ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन चेयुथा' के तहत हुआ।

पुलिस अधीक्षक बी. रोहित राजू ने बताया कि तेलंगाना सरकार की पुनर्वास नीति और सुविधाओं के बारे में जानकारी मिलने के बाद उसने नक्सलवाद छोड़कर परिवार के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने का निर्णय लिया। एसपी के अनुसार, जनवरी 2025 से अब तक 'ऑपरेशन चेयुथा' के तहत कुल 359 माओवादी कैडरों ने आत्मसमर्पण किया है और पुनर्वास लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

सिकंदराबाद डिवीजन ने मनाया 70वां रेलवे सप्ताह

52 कर्मचारियों को रेल सेवा पुरस्कार

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के सेकुंदराबाद डिवीजन ने आज रेल कालारंग, सेकुंदराबाद में 70वां रेलवे सप्ताह बड़े उल्लास के साथ मनाया। यह आयोजन देश की सेवा में वर्षों से समर्पित और सराहनीय कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करने का अवसर था। कार्यक्रम में डिविजनल रेलवे मैनेजर डॉ. आर. गोपालकृष्णन, संध्या गोपालकृष्णन, अध्यक्ष/एससीआरडब्लूडब्लूओ / एससी डिवीजन, ए. संजीवा राव, एडीडीआरएम/ओ, के. मुथ्याला नायडू, एडीडीआरएम/आई सहित अन्य शाखा अधिकारी और ट्रेड यूनियन सदस्य उपस्थित थे। वरिष्ठ डिविजनल पर्सनल ऑफिसर जी.आर. सुधीर कुमार ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, पुरस्कार विजेताओं और उनके परिवारजनों का हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. आर. गोपालकृष्णन ने सिकंदराबाद डिवीजन के 52 उत्कृष्ट कर्मचारियों को उनकी असाधारण कार्यकुशलता, सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता, संचालन उत्कृष्टता और समर्पित ग्राहक सेवा के लिए रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया। सिकंदराबाद डिवीजन ने क्षेत्रीय स्तर पर आठ (08) विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार (विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार) भी प्राप्त किए, जो डिवीजन की लगातार उपलब्धियों और उच्च मानकों को दर्शाते हैं। अपने संबोधन में डॉ. गोपालकृष्णन ने डिवीजन की समयपालन, अवसंरचना विकास, माल ढुलाई और यात्री सुविधाओं के सुधार में उल्लेखनीय उपलब्धियों को रेखांकित किया। समारोह ने डिवीजन की नवाचार, दक्षता और सुरक्षित, विश्वसनीय तथा ग्राहक-केंद्रित रेल सेवाओं को प्रदान करने की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.